महानगर नई दिल्ली सोमवार 18 नवंबर, 2019, रु. 5.00 (12 पेज) दिल्ली, कोलकाता, लखनऊ और चंडीगढ़ से प्रकाशित

जनसत्ता

jansatta.com epaper.jansatta.com facebook.com/jansatta twitter.com/jansatta

अयोध्या पर दो फाड़

लखनऊ/नई दिल्ली, 17 नवंबर (जनसत्ता/भाषा)।

अयोध्या मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद पुनर्विचार याचिका दायर करने को लेकर मुसलिम पक्षकारों व संगठनों में दो-फाड़ हो गए हैं।

देश के प्रमुख मुसलिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद और ऑल इंडिया मुसलिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआइएमपीएलबी) ने निर्णय के खिलाफ रविवार को पुनर्विचार याचिका दायर करने का फैसला किया। जबकि अयोध्या भूमि विवाद मामले के मुख्य वादी इकबाल अंसारी और मामले में प्रमुख मुसलिम पक्षकार रहे उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने रविवार को कहा कि वह अदालती फैसले के खिलाफ पुनर्विचार याचिका नहीं दाखिल करेगा।

पुनर्विचार याचिका दायर करेंगे मुसलिम पर्सनल लॉ बोर्ड व जमीयत

मुख्य वादी और सुन्नी वक्फ बोर्ड ने कहा, इसकी जरूरत नहीं

लखनऊ में एआइएमपीएलबी के जफरयाब जीलानी (दाएं) प्रेस कांफ्रेंस में।

इस बीच, विश्व हिंदू परिषद के महामंत्री मिलिंद परांदे ने कहा कि अयोध्या मामले में मसलिम समुदाय बाकी पेज 8 पर

संसद सत्र आज से, विपक्ष में शिवसेना

संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू हो रहा है। इस सत्र में आर्थिक सुस्ती और कश्मीर समेत कई अन्य मुद्दों पर विपक्ष ने सरकार को घेरने की तैयारी की है। संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद पटेल ने रविवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सरकार सभी मुद्दों पर चर्चा कराने को तैयार है। राजग से बाहर निकल चुकी शिवसेना के सांसद लोकसभा और राज्यसभा में अब विपक्ष की कतार में बैठेंगे। राजग की बैठक के बाद पार्टी के नेता चिराग पासवान ने घटक दलों के बीच बेहतर समन्वय का मुद्दा उठा दिया और कहा कि बैठक में शिवसेना की अनुपस्थिति को महसूस किया गया।

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 17 नवंबर।

सोमवार से शुरू होने जा रहे संसद के शीतकालीन सत्र के हंगामी रहने के आसार जताए जा रहे हैं। विपक्षी दल जहां आर्थिक सुस्ती और कश्मीर में स्थिति को लेकर केंद्र सरकार को घेरने की तैयारी में हैं वहीं मोदी सरकार विवादित नागरिकता (संशोधन) विधेयक को पारित कराने की कोशिश में है। सत्र की शुरुआत से पहले सर्वदलीय बैठक में विपक्षी दलों ने जम्मू कश्मीर में फारुक अब्दुल्ला जैसे मुख्यधारा के नेताओं को लगातार हिरासत में रखे जाने का मुद्दा उठाया और कहा कि वे आर्थिक सुस्ती एवं बेरोजगारी जैसे मुद्दों को सत्र में उठाएंगे।

बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष को भरोसा दिया कि सरकार हर मुद्दे पर चर्चा कराने को तैयार है। संसद के इस सत्र से राजग की सहयोगी रही शिवसेना के सांसद अब लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष की कतार में बाकी पेज 8 पर

सरकार सभी मुद्दों पर चर्चा को तैयार : मोदी

कश्मीर, आर्थिक सुस्ती व बेरोजगारी के मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी में विपक्ष

जम्मू कश्मीर म फारुक अब्दुल्ला जैसे मुख्यधारा के नेताओं को लगातार हिरासत में रखे जाने का मुद्दा उठाया विपक्षी दलों ने

'राजग संयोजक की नियुक्ति हो'

नई दिल्ली, 17 नवंबर (ब्यूरो)।

लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) के नवनियुक्त प्रमुख चिराग पासवान ने रविवार को कहा कि गठबंधन के घटक दलों के बीच बेहतर समन्वय के लिए राजग संयोजक की नियुक्ति होनी चाहिए।

पासवान ने संसद के शीतकालीन सत्र से पहले राजग की एक बैठक के बाद कहा कि बैठक में शिवसेना बाकी पेज 8 पर

गठबंधन सरकार पर लग सकती है अंतिम मुहर

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 17 नवंबर।

महाराष्ट्र में शिवसेना की अगुआई में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) व कांग्रेस की गठबंधन सरकार के गठन की कवायद जारी है। तीनों दलों के बीच सरकार चलाने के लिए न्यूनतम साझा कार्यक्रम के मसविदे पर सहमति बन गई है।

इस मसविदे पर अंतिम तौर पर मुहर लगाने के लिए राकांपा प्रमुख शरद पवार सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मिलने वाले हैं। समझा जा रहा है कि इन दोनों नेताओं की बातचीत के बाद सरकार गठन की कवायद को अमली जामा पहना दिया जाएगा।

महाराष्ट्र में सरकार गठन को लेकर नई दिल्ली में सोनिया-पवार की मुलाकात आज

राकांपा प्रमुख पवार रविवार को ही कांग्रेस अध्यक्ष गांधी से उनके निवास पर मिलने वाले थे लेकिन महाराष्ट्र में सरकार गठन को लेकर राकांपा कोर ग्रुप की एक अहम बैठक में हिस्सा लेने के मद्देनजर पवार दिल्ली पहुंचेंगे और फिर सोमवार को सोनिया गांधी के आवास पर दोनों नेताओं की बैठक होगी। राकांपा नेताओं की यह बैठक रविवार को पुणे बाकी पेज 8 पर

अखनूर में एलओसी के पास विस्फोट, जवान शहीद

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 17 नवंबर।

जम्मू के अखनूर सेक्टर में नियंत्रण रेखा के समीप रविवार को आतंकवादियों द्वारा लगाए गए आइईडी के विस्फोट में सेना का एक हवलदार शहीद हो गया। सेना की गश्ती दल के दो अन्य घायल हो गए। सैन्य प्रवक्ता ने बताया कि विस्फोट उस समय हुआ, जब सेना का एक दल पल्लनवाला इलाके के समीप गश्त कर रहा था। पूरे इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है। घायलों को ऊधमपुर में सेना के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

आइईडी विस्फोट में सेना के गश्ती दल के दो अन्य जवान घायल

सैन्य प्रवक्ता के मुताबिक, नियंत्रण रेखा के पास ट्रक में सवार होकर गश्त लगा रहा सेना का दल सड़क पर लगाए गए आइईडी की चपेट में आ गया। विस्फोट में ट्रक पर सवार तीन जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों को अस्पताल ले जाया गया। जहां थोड़ी देर बाद एक जवान शहीद हो गया। शहीद की पहचान आगरा निवासी हवलदार संतोष कुमार के रूप में हुई है।

सैन्य प्रवक्ता के मुताबिक, यह विस्फोट अखनूर में बाकी पेज 8 पर

विधायक आवास भेजे गए राजनीतिक बंदी

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 17 नवंबर।

श्रीनगर में सर्दियां बढ़ने के कारण जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने सेंटूर होटल में बंद 34 राजनीतिक बंदियों को रविवार को विधायक अतिथिगृह भेज दिया। इन सभी को पांच अगस्त से वहां कैद रखा गया है। अधिकारियों के मुताबिक, होटल में सर्दी के मद्देनजर पर्याप्त बंदोबस्त नहीं हैं। इस कारण इन सभी को वहां से विधायक आवास भेजा गया है।

अधिकारियों ने कहा कि सर्दी की वजह से नेशनल कांफ्रेंस, पीडीपी और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस नेताओं और जाने माने सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा उनकी सुरक्षा में लगे जवानों की सेहत पर भी असर पड़ रहा है। इन राजनीतिक बंदियों में पीपुल्स कांफ्रेंस बाकी पेज 8 पर

श्रीलंका राष्ट्रपति चुनाव में गोटबाया राजपक्षे की जीत

कोलंबो, 17 नवंबर (भाषा)।

श्रीलंका में गृहयुद्ध के दौरान विवादित रक्षा सचिव रहे गोटबाया राजपक्षे ने राष्ट्रपति चुनाव में जीत दर्ज की। उन्होंने राजपक्षे परिवार की देश की सत्ता में फिर से वापसी का मार्ग प्रशस्त करते हुए सत्तारूढ़ पार्टी के उम्मीदवार सजीत प्रेमदास को पराजित किया। आधिकारिक परिणामों के अनुसार राजपक्षे ने प्रेमदास को 13 लाख से अधिक मतों से पराजित किया।

गोटबाया राजपक्षे राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरिसेना के स्थान पर पांच वर्षों तक इस पद पर काबिज रहेंगे। वे सोमवार को अनुराधापुरा में श्रीलंका के सातवें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे। राजपक्षे बाकी पेज 8 पर

'लागत खर्च ही लेते हैं छात्रावास शुल्क के रूप में'

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 17 नवंबर।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के छात्र कल्याण डीन प्रोफेसर उमेश अशोक कदम ने रविवार को कहा कि विश्वविद्यालय छात्रावास शुल्क के रूप में लागत खर्च ही लेता है। अभी यह शुल्क लागत के मुकाबले काफी कम था और बाकी पेज 8 पर

न्यायमूर्ति बोबडे आज संभालेंगे प्रधान न्यायाधीश का पद

नई दिल्ली, 17 नवंबर (भाषा)।

न्यायमूर्ति शरद अरविंद बोबडे सोमवार को देश के 47वें प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) पद की शपथ लेंगे। उन्होंने कई ऐतिहासिक फैसलों में अहम भूमिका निभाई और हाल ही में अयोध्या के विवादित स्थल पर राम मंदिर बनाने का रास्ता साफ करने के फैसले में भी वे शामिल रहे हैं।

तिरसठ वर्षीय न्यायमूर्ति बोबडे मौजूदा प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई का स्थान लेंगे। माना जा रहा है कि उच्च न्यायपालिका में न्यायाधीशों की नियुक्ति या उनके नाम को खारिज करने संबंधी कॉलिजियम के फैसलों का खुलासा करने के मामले में वे पारंपरिक दृष्टिकोण अपनाएंगे। नामित प्रधान न्यायाधीश बोबडे ने एक साक्षात्कार में कहा कि लोगों की प्रतिष्ठा को केवल नागरिकों की जानने की इच्छा पूरी करने के लिए बलिदान नहीं किया जा सकता। देश की अदालतों में न्यायाधीशों के खाली पड़े पदों और न्यायिक आधारभूत संरचना की कमी के सवाल पर न्यायमूर्ति बोबडे ने अपने पूर्ववर्ती सीजेआइ गोगोई की ओर से शुरू किए गए कार्यों को तार्किक मुकाम पर पहुंचाने की इच्छा जताई।

न्यायमूर्ति गोगोई ने अदालतों में भर्तियों और आधारभूत संरचनाओं की कमी पर संज्ञान लिया और सभी राज्यों तथा संबंधित उच्च न्यायालयों को जरूरी कदम उठाने के निर्देश देने के साथ खुद निगरानी भी की थी। अयोध्या राम जन्मभूमि विवाद पर फैसला देकर 1950 से चल रहे विवाद का पटाक्षेप करने वाली पांच न्यायाधीशों की पीठ में न्यायमूर्ति बाकी पेज 8 पर

एनसीआर में दो दिनों में फिर बढ़ सकता है प्रदूषण

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 17 नवंबर।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में हवा की गति बढ़ने के कारण वायु गुणवत्ता में रविवार को सुधार आया और यह घातक से खराब दर्जे में आ गई है। मगर पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में पराली जलाने की घटनाएं फिर बढ़ी हैं व हवा फिर थमेगी जिससे अगले हफ्ते प्रदूषण बढ़ कर फिर बहुत खराब या घातक दर्जे में पहुंच सकता है। सीपीसीबी के आंकड़ों के मुताबिक 20 नवंबर को दिल्ली के द्वारका में एक्यूआइ 523माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर तक जा सकता है।

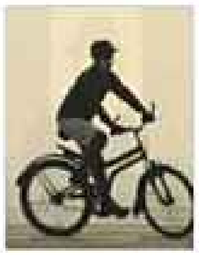

दिल्ली में रविवार को औसत वायु गुणवत्ता सूची (एक्यूआइ)में सुधार देखा गया व यह 215 दर्ज किया गया। हवा खराब दर्जे की रही लेकिन हवा की रफ्तार 25 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे होने की वजह से राहत रही। हालांकि मौसम विभाग ने इसे आंशिक राहत बताते हुए अगले हफ्ते हवा की गति थमने के कारण 19 व 20 नवंबर को दिल्ली में वायु प्रदूषण का संकट बढ़ने की आशंका जताई है। मौसम व प्रदूषण पूर्वानुमान संबंधी प्रणाली सफर का कहना है कि तब हवा की रफ्तार 10 किलोमीटर प्रति घंटा रहने के आसार हैं। इस बीच बनारस,पटना ,कटनी, मुजफ्फरपुर व कानपुर की हवा बेहद खराब दर्जे की रही।

कृषि मंत्रालय ने सैटेलाइट से मिली जानकारी के आधार पर पाया कि पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में पराली जलाने की घटनाओं में शनिवार को इजाफा हुआ है। पिछले तीन दिनों में तीनों राज्यों में बाकी पेज 8 पर

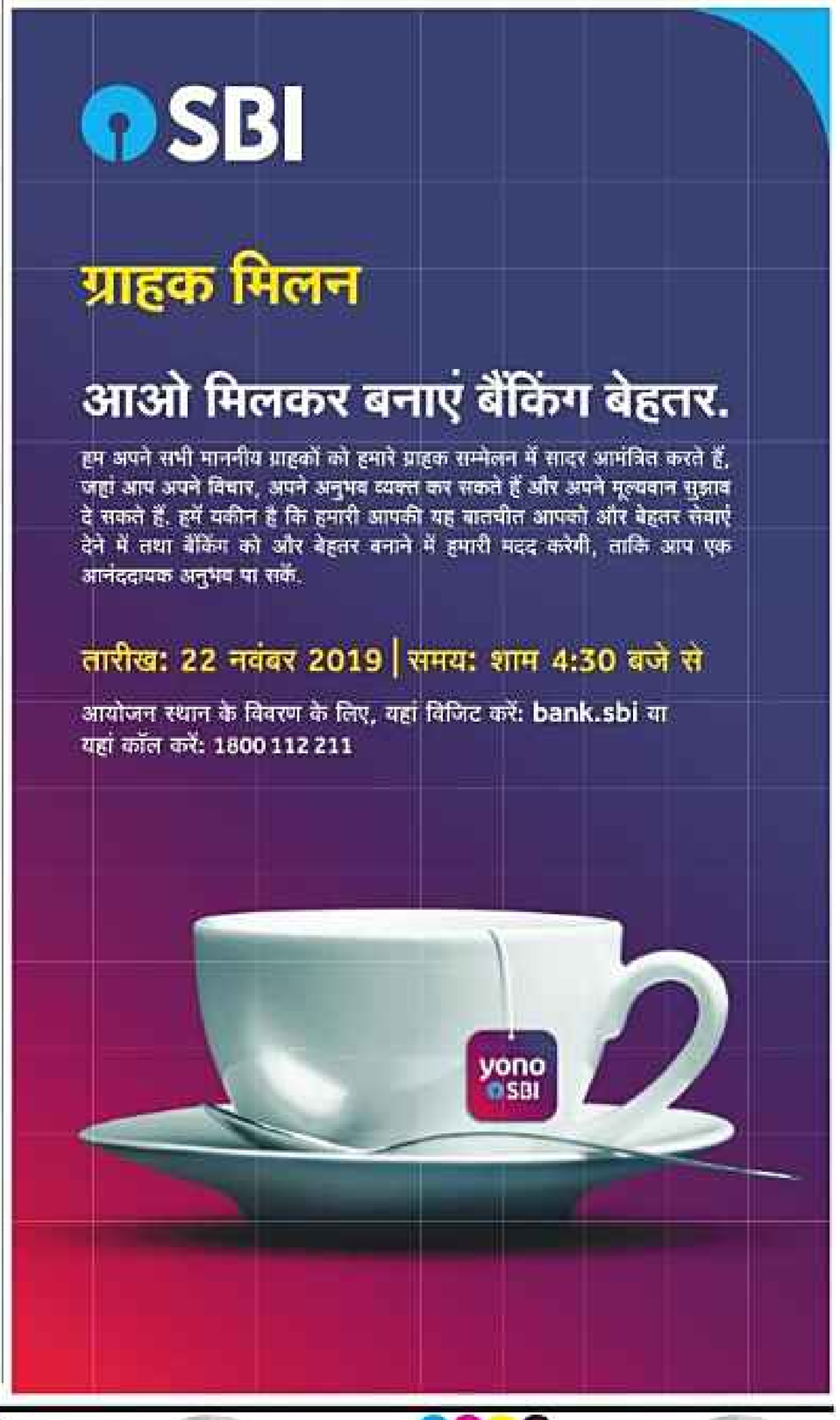

दस टैस्ट मैचों में 123 विकेट लिए तेज गेंदबाजों ने **कोहलीकाल** इंदौर टैस्ट में 20 में से 14 विकेट झटके इन गेंदबाजों ने

रफ्तार के सौदागरों का बढ़ा दबदबा

नई दिल्ली, 17 नवंबर (भाषा)।

भारतीय गेंदबाजों ने पिछले दस टैस्ट मैचों में 186 विकेट हासिल किए जिसमें से 123 विकेट तेज गेंदबाजों के खाते में गए जो पिछले कुछ वर्षों में भारतीय आक्रमण में सीम और स्विंग की बढ़ती ताकत का सबूत है।

ईशांत शर्मा, मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह, उमेश यादव जैसे तेज गेंदबाजों ने भारत ही नहीं विदेशों में भी अपने कौशल का डंका बजाया है और कप्तान विराट कोहली ने भी उन पर पूरा भरोसा दिखाया है। आंकड़े इस बात के गवाह हैं कि भारतीय टीम अगर पिछले एक साल में दस में से आठ मैच जीतने में सफल रही तो उसमें तेज गेंदबाजों का योगदान अहम रहा जिन्होंने इन मैचों में 102 विकेट हासिल किए।

रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा की अगुआई में स्पिनरों ने ऐसे मैचों में 54 विकेट लिए। यह तेज गेंदबाजों के बढ़ते दबदबे का ही असर है कि केवल एक बाकी पेज 8 पर

देश में 18 हजार से अधिक वक्फ संपत्तियों पर अतिक्रमण : वक्फ परिषद

नई दिल्ली, 17 नवंबर (भाषा)।

देशभर में 18 हजार से अधिक वक्फ संपत्तियों पर अतिक्रमण है। इनमें से 1300 से ज्यादा संपत्तियां सरकारी विभागों या एजंसियों के कब्जे में हैं।

केंद्रीय वक्फ परिषद ने सूचना के अधिकार कानून (आरटीआइ) के तहत दायर आवेदन के जवाब में यह जानकारी दी है। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की अधीनस्थ संस्था वक्फ परिषद के मुताबिक देश के विभिन्न राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में कुल 18,280 वक्फ संपत्तियों पर अतिक्रमण है। वक्फ परिषद का कहना है कि 16,931 वक्फ संपत्तियों पर निजी संगठनों या व्यक्तियों का कब्जा है तो 1,349 संपत्तियों पर सरकारी विभागों या एजंसियों का अतिक्रमण है।

पंजाब में सबसे ज्यादा 5,610 वक्फ संपत्तियों पर अतिक्रमण है। मध्य प्रदेश में 3,240 संपत्तियों पर, पश्चिम बंगाल में 3,882 संपत्तियों पर और तमिलनाडु में 1,335 संपत्तियों पर निजी संस्थाओं या व्यक्तियों का कब्जा है। देश की राजधानी दिल्ली में 373 वक्फ संपत्तियों पर निजी संस्थाओं या व्यक्तियों का अतिक्रमण है।

अतिक्रमण और इनको हटाने के प्रयासों के बारे में पूछे जाने पर वक्फ परिषद के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 2014 में संशोधित कानून बनने के बाद संपत्तियों को अतिक्रमण से मुक्त कराने के लिए लगातार कोशिश की गई, लेकिन मुकदमों की संख्या हजारों में होने की वजह से अपेक्षित सफलता नहीं मिल पा रही है।

उन्होंने कहा कि वक्फ संपत्तियों पर मुकदमों के त्वरित निस्तारण के मकसद से न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) जकीउल्लाह खान की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय समिति बनी थी। इसकी रिपोर्ट लागू करने पर तेजी से काम चल रहा है। समिति की रिपोर्ट के क्रियान्वयन से वक्फ संपत्तियों से जुड़े मुकदमे काफी हद तक कम होने और कब्जे हटने की संभावना है।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 31 अक्तूबर, 2018 तक देश में 5,74,491 पंजीकृत वक्फ संपत्तियां हैं। इन संपत्तियों से संबंधित 24,906 मामले अदालतों में लंबित हैं। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने इन्हीं मुकदमों को खत्म करने के मकसद से वक्फ संपत्तियों से संबंधित नियमों की समीक्षा के लिए पिछले साल न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) जकीउल्लाह खान की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय समिति बनाई थी जो अपनी रिपोर्ट सौंप चुकी है।

इस समिति ने वक्फ नियम-2014 में बदलाव की सिफारिश की है। उसने वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के लिए लीज की अवधि पांच साल से बढ़ाकर 10 साल करने, वक्फ संपत्तियों पर देय सुरक्षा जमा को तर्कसंगत बनाने और शुल्क के भुगतान पर संपत्तियों की लीज किराएदार के कानूनी उत्तराधिकारी के नाम हस्तांतरित करने जैसी कई सिफारिशें की हैं।

सबरीमला श्रद्धालुओं की सुविधाओं में खामी दो दिनों में ठीक हो जाएगी : सुरेंद्रन

तमाम मुद्दों पर चर्चा के लिए रविवार को उच्च स्तरीय बैठक संपन्न

सबरीमला (केरल), 17 नवंबर (भाषा)।

केरल के सबरीमला स्थित भगवान अयप्पा के प्रसिद्ध मंदिर के लिए शुरू हुई दो महीने की वार्षिक तीर्थ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को मुहैया कराई जाने वाली सुविधाओं सहित तमाम मुद्दों पर चर्चा के लिए रविवार को उच्च स्तरीय बैठक हुई। इस दौरान खामियों को दो दिन में दूर करने का फैसला किया गया।

केरल के देवस्वओम मंत्री कडकंपल्ली सुरेंद्रन ने सन्निधानम इलाके में हुई बैठक की अध्यक्षता की और यहां आने वाले तीर्थ यात्रियों और उनके लिए उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की समीक्षा की। बैठक के बाद सुरेंद्रन ने कहा, 'हमने नीलक्कल, पम्पा और सन्निधानम में उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं पर चर्चा की। हमने पाया कि इनमें कुछ खामियां हैं, जिन्हें एक-दो दिन में ठीक कर लिया जाएगा।' उन्होंने कहा कि धन की कमी की समस्या का समाधान हो गया है क्योंकि सरकार की ओर से सबरीमला के लिए आवंटित 100 करोड़ रुपए में 30 करोड़ रुपए जारी कर दिए गए हैं।

सुरेंद्रन ने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि इस तीर्थ सत्र से भविष्य में धन की कमी की समस्या दूर हो जाएगी।' पंपा आधार शिविर में तैनात पुलिस अधिकारियों ने रविवार को कहा कि करीब 28,540 श्रद्धालुओं ने भगवान अयप्पा के दर्शन के लिए पवित्र पहाड़ी की चढ़ाई की।

मंदिर प्रबंधन देखने वाले त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड ने सभी सुविधाएं मुहैया कराने का दावा किया है लेकिन पंपा में नियुक्त पुलिस अधिकारियों ने दूरसंचार विभाग के काम के प्रति असंतुष्टि जताई। पंपा के नियंत्रण कक्ष में फोन करने पर दोपहर तीन बजे तक कोई जवाब नहीं मिला। पंपा में तैनात पुलिस अधिकारी ने कहा, 'दूरसंचार अधिकारियों को 16 नवंबर को तीर्थ यात्रा शुरू होने से पहले ही फोन कनेक्शन देना था लेकिन अभी भी नियंत्रण कक्ष में फोन लाइन देना बाकी है।'

मंत्री ने कहा कि छोटे वाहन पंपा तक तीर्थ यात्रियों को छोड़ने के लिए जा सकते हैं और केरल राज्य सड़क परिवहन निगम के बस कतार प्रणाली का अनुपालन करेंगे और नीलक्कल से पंपा तक संवाहक तैनात होंगे।

पिछले साल दक्षिणपंथी संगठनों और राजनीतिक पार्टियों के विरोध प्रदर्शन की वजह से निजी वाहनों को केवल नीलक्कल तक आने की अनुमति दी गई थी जो पंपा से करीब 18 किलोमीटर दूर है। वहीं, राज्य परिवहन की बसों का इस्तेमाल श्रद्धालुओं को नीलक्कल से पंपा लाने ले जाने के लिए किया गया। अधिकारी ने कहा कि जल्द ही निजी वाहन श्रद्धालुओं को पम्पा में उतार कर नीलक्कल की पार्किंग में जा सकेंगे।

कश्मीर घाटी में रेल सेवाएं फिर से शुरू

श्रीनगर, 17 नवंबर (भाषा)।

कश्मीर घाटी में रविवार को रेल सेवाएं पूरी तरह से फिर से शुरू हो गईं। रेलगाड़ी दक्षिण कश्मीर के रास्ते श्रीनगर से बनिहाल के लिए रवाना हुई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सुरक्षा कारणों से रेल सेवा तीन महीनों से अधिक समय तक बाधित रही।

ट्रेन बनिहाल पहुंचने से पहले श्रीनगर स्टेशन और दक्षिण कश्मीर के स्टेशनों से होकर गुजरी। रेलवे के एक अधिकारी ने बताया, 'घाटी में रेल सेवा आज सुबह पूरी तरह से बहाल हो गई और ट्रेन बारामूला से बनिहाल के लिए रवाना हुई।' अधिकारी ने बताया कि रेलवे ने रेल सेवा शुरू करने से पहले श्रीनगर-बनिहाल मार्ग पर शनिवार को दो बार 'ट्रॉयल रन' किया था और रविवार की सुबह ट्रेन का एक और परीक्षण किया गया। रेल सेवा मंगलवार को आंशिक रूप से शुरू हुई थी। अधिकारियों ने रेलवे को सुरक्षा कारणों से सुबह दस बजे से अपराह्न तीन बजे तक ही ट्रेनों का संचालन करने के निर्देश दिए हैं।

जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग खुला

बनिहाल/जम्मू, 17 नवंबर (भाषा)।

भीषण भूस्खलन के कारण तीन दिन तक जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बाधित रहने के बाद रविवार दोपहर को इसे फिर से वाहनों की आवाजाही के लिए खोल दिया गया, जिससे 4,500 से अधिक वाहन आगे के लिए रवाना हुए। इनमें से अधिकतर वाहन सेब से लदे ट्रक हैं।

यातायात विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि 270 किलोमीटर लंबा राजमार्ग देश के बाकी हिस्सों को कश्मीर से जोड़ने का एकमात्र जरिया है। भूस्खलन के कारण राजमार्ग पर डिगडोल के पास जमा मलबा शनिवार दिन में करीब तीन बजे साफ करा दिया गया।

हालांकि बारिश के चलते राजमार्ग पर रुक-रुक कर गिरती चट्टानों के कारण डिगडोल, मरूग और पंथियाल में कई जगहों पर यातायात का प्रवाह बाधित है। मौसम में सुधार के साथ दोनों ओर से हल्के मोटर वाहनों को जाने की अनुमति दे दी गई, जबकि जम्मू जाने वाले ट्रकों को प्राथमिकता दी जा रही है जिनमें कश्मीरी सेब लदे हुए हैं।

निवेश को बढ़ावा के लिए विदेश सहयोग विभाग स्थापित करेगा हरियाणा : खट्टर

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 17 नवंबर।

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर ने घोषणा की कि राज्य में निवेश व निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सूबे की सरकार विदेश सहयोग विभाग की स्थापना करेगी। राज्य की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2024 तक दोगुना कर पांच लाख करोड़ रुपए तक पहुंचाने के नए लक्ष्य की चर्चा करते हुए खट्टर ने कहा कि विदेश सहयोग विभाग कृषि आधारित उत्पादों के निर्यात को प्रोत्साहित किए जाने की दिशा में कार्य करेगा।

राजधानी के प्रगति मैदान में 39 वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला-2019 में हरियाणा राज्य दिवस पर आयोजित सांस्कृतिक संध्या में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करने पहुंचे मुख्यमंत्री खट्टर ने कहा कि विदेश सहयोग विभाग हरियाणा में विदेशी निवेशकों व विदेशों में निवेश करने वाले हरियाणा के निवेशकों को प्रत्येक दृष्टि से सहयोग करेगा। उन्होंने कहा कि कृषि

मुख्यमंत्री ने राज्य की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2024 तक दोगुना कर पांच लाख करोड़ रुपए तक पहुंचाने के नए लक्ष्य की भी की चर्चा।

आधारित उत्पादों के निर्यात को प्रोत्साहित किए जाने के परिणामस्वरूप हरियाणा की कृषि अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो सकेगी। अप्रवासी भारतीयों को भी विदेश सहयोग विभाग सहयोग व सहायता करेगा।

हरियाणा के मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य भारत की अर्थव्यवस्था को विकसित कर वर्ष 2024 तक 3 ट्रिलियन डॉलर से बढाकर 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के समूह देशों में शामिल करना है। इसी दिशा में हरियाणा सरकार का लक्ष्य भी हरियाणा की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2024 तक दोगुणा कर 5 लाख करोड़ रुपए तक विकसित किया जाना है।

उन्होंने कहा कि 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' की दृष्टि से वर्ष 2014 में हरियाणा का देश में 14 वां स्थान था। हरियाणा सरकार की उदार एवं उद्यम अनुकूल नीतियों के परिणामस्वरूप ही 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' की दृष्टि से वतर्मान में हरियाणा का देश में तृतीय व उत्तर भारतीय राज्यों में प्रथम स्थान है। इस दिशा मेंहरियाणा को देश में वर्ष 2020 तक प्रथम स्थान के राज्य के रूप में स्थापित किए जाने का लक्ष्य है।

एक दूसरे से कन्नी काटते हुए शिवसेना-भाजपा ने दी बाल ठाकरे को श्रद्धांजलि

मुंबई, 17 नवंबर (भाषा)।

शिवसेना और भाजपा नेताओं ने दिवंगत शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे को रविवार को यहां शिवाजी पार्क में उनकी सातवीं पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि दी। हालांकि दोनों दलों के नेता एक दूसरे के सामने आने से बचते दिखे।

शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे और उनके बेटे आदित्य ठाकरे समेत उनके परिवार के सदस्यों ने अन्य पार्टी नेताओं के साथ सुबह 10 से 12 के बीच शिवाजी पार्क में जाकर बाल ठाकरे के स्मारक पर श्रद्धांजलि दी। भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस, विनोद तावडे तथा पंकजा मुंडे एक बजे वहां पहुंचे। तब तक ठाकरे और शिवसेना नेता वहां से जा चुके थे। वहां केवल उद्धव के सहयोगी मिलिंद नार्वेकर उपस्थित थे।

पिछले महीने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के परिणाम में बहुमत पाने के बाद भी शिवसेना और भाजपा का गठबंधन टूट गया। अब शिवसेना राज्य में सरकार बनाने के लिए कांग्रेस तथा राकांपा के साथ बातचीत कर रही है। फिलहाल प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लगा है।

पिछले सप्ताह मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले फडणवीस ने बाल ठाकरे के चुनिंदा भाषणों का वीडियो भी ट्वीट किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। ठाकरे के चुने गए ये भाषण 'सम्मान और गौरव' से संबंधित हैं। फडणवीस ने शिवाजी पार्क में मीडिया से बात नहीं की। फडणवीस सरकार में मंत्री रहे तावड़े ने कहा, 'दिवंगत बालासाहेब शिवसेना और भाजपा गठबंधन के लिए परिवार के मुखिया की तरह थे।'

भाजपा सरकार में मंत्री रहीं पंकजा मुंडे ने कहा, 'हमें बालासाहेब ठाकरे की कमी खलती है।'

जिस दिन जनसंख्या नियंत्रण कानून आ गया, उसी दिन संन्यास ले लूंगा : गिरिराज

कटिहार, 17 नवंबर (भाषा)।

केंद्रीय मंत्री गिरीराज सिंह का कहना है कि जिस दिन देश में जनसंख्या नियंत्रण कानून लागू हो गया, वह उसी दिन संन्यास ले लेंगे। गिरिराज ने शनिवार को एक बातचीत में यह बात कही।

गिरिराज ने कहा कि हमें कोई मुख्यमंत्री नहीं बनना है। मेरे जैसा व्यक्ति मुख्यमंत्री पद के काबिल भी नहीं है। उन्होंने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार ही बिहार में चेहरा होंगे। गिरिराज ने कहा कि हम तो राजनीति में अयोध्या में राम मंदिर और कश्मीर से धारा 370 खत्म करने को लेकर आए थे। यह इच्छा भी पूरी हो गई है। जिस दिन जनसंख्या नियंत्रण कानून अपने देश में लागू हो जाएगा, उसी दिन हमारी यह इच्छा भी पूरी हो जाएगी। फिर राजनीति में रहने से क्या फायदा।

एक दिसंबर से सौ फीसद इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह, राजमार्गों पर अधिकारी होंगे तैनात

नई दिल्ली, 17 नवंबर (भाषा)।

केंद्र सरकार भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) टोल प्लाजा पर इलेक्ट्रॉनिक तरीके से पथकर संग्रह योजना के क्रियान्वयन को आगे बढ़ाते हुए सभी राज्यों में एक दिसंबर से अधिकारियों की तैनाती कर रहा है। एक बयान में यह जानकारी दी गई है।

सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय की पहल नेशनल इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन (एनईटीसी) के तहत एक दिसंबर के बाद पथकर (टोल) भुगतान केवल फासटैग के जरिए इलेक्ट्रॉनिक तरीके से होगा। कार्यक्रम को पूरे देश में क्रियान्वित किया जा रहा है। इसका मकसद यातायात सुचारु करना और बाधाओं को दूर करना है। हालांकि, केंद्र ने एक लेन को हाइब्रिड लेन रखने का फैसला किया है। यानी उस लेन में फासटैग के तहत अन्य तरीके से पथकर का भुगतान किया जा सकेगा।

अधिकारियों को कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए राज्यों में बतौर केंद्रीय प्रभारी अधिकारी के रूप में तैनात किया जाएगा। एनईटीसी के तहत राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल प्लाजा पर पथकर संग्रह आरएफआइडी आधारित फासटैग के जरिए किया जाएगा। मंत्रालय के अनुसार सौ फीसद इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह 1 दिसंबर, 2019 से लागू होगा। योजना के क्रियान्वयन पर नजर रखने के साथ अधिकारी इस संदर्भ में एनएचएआइ के साथ समन्वय करेंगे।

बिल गेट्स ने नीतीश से मुलाकात की

पटना, 17 नवंबर (भाषा)।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के सह अध्यक्ष और ट्रस्टी बिल गेट्स ने रविवार को मुलाकात की और कहा कि बिहार के मुकाबले बहुत ही कम जगहें ऐसी हैं जिन्होंने गरीबी और बीमारी के खिलाफ अधिक प्रगति की है।

उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे की मौजूदगी में बिल गेट्स से मुलाकात के दौरान नीतीश ने कहा, 'हम, लोक स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, सामुदायिक स्तर पर जन-व्यवहार परिवर्तन, स्वास्थ्य, पोषण एवं कृषि जैसे क्षेत्रों में अभिनव प्रयास को बढ़ाने में बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन की सहभागिता से बहुत खुश हैं।

जनसत्ता क्लासीफाइड

व्यक्तिगत

I,Versha Shree W/O Abhishek R/O H.no.28, Pocket-D-14, Sector-7, Rohini,Delhi-110085.Have Changed My Name To Varsha Shri. 0040520779-9

I,Satya Kinkar Adhikary S/O-Bishnupada Adhikary R/O-R-59 Sector-12,Vakeel Colony Pratap Vihar,Ghaziabad Up,Have Changed My Name To Satyakinkar Adhikari S/O BishnupadaAdhikari 0040520751-1

I, Veera Ram Lohar S/o Kesa Ji Lohar R/o Velar Road, Chamunderi, Chamunderi Rana Watan, Pali, Rajasthan-306504, have changed my minor son's name from Bheem Raj Lohaar aged 17 years to Bhavesh Lohaar for-ever. 0070683999-1

I, Sudershana Hans W/o Satish Hans R/O H.no. 678, Main Market, Subzi Mandi, Clock Tower, Delhi-110007. Changed my Nameto Sudarshana Hans. 0040520779-10

I, Somlata W/o Mr. Shishpal Singh R/o Flat No-L-1503, Designarch E Homes, Sector-5, Vaishali, Ghaziabad, U.P.-201010. Have changed my name from Somlata to Somlata Singh for all future purposes. 0040520726-1

I, Shilpy Shanker D/o Mr. Daya Shanker R/o House No. X/1454, Gali No.-4, Rajgarh Colony, Gandhi Nagar, Delhi. That I am informing my name Shilpy Shanker or Shilpy both are of same person, I will make use of my name Shilpy Shanker for all future pur-pose. 0040520733-1

I, Sangeeta Raina D/o Bushan Lal Raina R/o U 39/8, Dlf Phase 3, Gurgaon, have changed my name to Sangeeta Dhar for all purposes. 0040520790-1

I Saroj Kumar Majhi S/o Golak Kumar Majhi R/o House No-57, Amberhai Village, Sector-19, Dwarka, Delhi-110075, have changed my name to Saroj Kumar. 0070683997-1

I, Chaitali Datta D/o Surinder Kumar Datta R/o.H.No.-139,Shubham Apartments,Patparganj, I.P. Extension,East Delhi-110092 have changed my name Chaitali for all purpose. 0040520747-1

I, Pradeep Kumar S/o Mata Prasad R/o B-200, Sector-25, Rohini, Delhi-110085, that name of mine and my father has been wrongly written as Pradeep Kumar Chuahan and Mata Prasad Chuahan respectively in my Voter ID, Bank Account, Educational Documents, Driving Licence, Gas Connection, LIC, EPFO and PAN Card. The actual name of mine and my father is Pradeep Kumar and Mata Prasad respectively. 0070683998-1

व्यक्तिगत

मैं, सिपाही रोहिन्द्र सिंह, यूनिट-एडीएम बी.एन एएमसी सेन्टर एण्ड कालेज घोषणा करता हूँ कि मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरी माँ का नाम श्रीमती ममता देवी गलती से दर्ज हो गया है। जबकि दिनांक 11.11.2019 के अनुसार उनका सही नाम श्रीमती गुमता है।

PUBLIC NOTICE

General public is hereby informed that my client Mr. Sucha Singh Rana S/o Late Sh. Pritam Singh Rana R/o B-68, Sham Nagar, Tilak Nagar, New Delhi-110018 hereby sever all his relations from his son namely Jiandar Rana and his Daughter-In-Law Harpreet Kaur and his grandson Amrit due to their disobeying, misbehavior and hereby disowned and debarred them from his all movable and immovable properties forever. Any person dealing with them shall be doing so at his/her own risk and responsibility, in future my client will not be responsible for their any act and deeds.
Ramesh Kumar, Advocate
Enroll No.: D/2770-A/90

Public Notice

Apartment No CTA 152, The Crest, DLF City, Gurgaon was allotted in the name of Mr Jayant Rikhye S/o Late Bishamber Pratap Rikhye R/o E – 1101, Central Park – 1, Sector 42, Gurgaon, who has expired on 17th September, 2019, leaving behind a registered Will in favour of Mrs. Sunita Rikhye and accordingly the name of Mrs Sunita Rikhye is being noted in DLF's record in respect of the captioned flat. If anybody has any objection to this, he or she may approach M/s DLF Ltd or the undersigned within 10 days of publication of this notice.
Shubham Nanda
Miglani Varma & Co.
Advocate,
PH/5529/2019
House No.204, Sector-5, Gurugram, Haryana 122001.
08860201212

"IMPORTANT"

Whilst care is taken prior to acceptance of advertising copy, it is not possible to verify its contents. The Indian Express (P) Limited cannot be held responsible for such contents, nor for any loss or damage incurred as a result of transactions with companies, associations or individuals advertising in its newspapers or Publications. We therefore recommend that readers make necessary inquiries before sending any monies or entering into any agreements with advertisers or otherwise acting on an advertisement in any manner whatsoever.

PUBLIC NOTICE

Be it known to all public in General that my clients Rita Bhola W/o Sh. Vijay Kumar Bhola & Vijay Kumar Bhola S/o Late K.L. Bhola R/o 14/123, 3rd Floor, Subhash Nagar, New Delhi-27 have severed their relations with their daughter Deepika Bhola alias Sanjana Manchanda and her husband Harish Manchanda and debar them from all their moveable and immoveable properties. Anybody dealing with them in any manner shall do so at his/her own risk & responsibility/consequences. In future, my clients & their family members shall not be responsible for their acts & deeds. Mohinder Dhawan (Adv.) D-643/97 (R.)Tis Hazari Courts

The Indian EXPRESS Classifieds
FROM ANYTHING TO EVERYTHING

EXPRESS EDUCATION

LAW AMBITION LAW INSTITUTE
IAS LAW
New Batch Commenced on 10th NOV. | 4:30 PM
JOIN IAS LAW TEST SERIES 24th NOV.
10th DEC. NEW BATCH FOR JUDICIARY
Toll Free No. : 1800-12000-2001
8800662140, 011-49841810
32-B, 3rd Floor, Pusa Road, Near Metro Pillar No. 122, New Delhi- 110005
www.ambitionlawinstitute.com

McGraw-Hill writer RAMESH SINGH'S
Basics to Current 'PT-focus' PT-cum-Main course
GS ECONOMY
New batch: Nov. 15-Dec. 30 [2.30-4.45pm]
Answer Writing Practice | Tests | Model Answer support
Admission on 'first-come-first-served' basis
Next similar batch: Mar. 02-Apr. 15 [2.30-5.00pm]
www.rameshsingh.org | ph. 98182-44224; 80767-48812

BHARTI CONCEPT MATHS by S.S. Bharti
FREE COACHING
SSC, BANKING, DSSSB, RAILWAY, AIRFORCE, NAVY, NDA, CDS & ALL ONE DAY EXAM FOR SC/ST/OBC & EWS STUDENTS
(Under Jai Bheem Mukhya Mantri Pratibha Vikas Yojna Of Delhi Government, Limited Seated)
Batch Starts 20th Nov. 2019 At 11:30AM to 1:00PM
DR. MUKHERJEE NAGAR, DELHI-9
9136335283, 09250291082

100% Free IAS Coaching at GS World Mukherjee Nagar
IAS GS World PCS
Committed To Excellence
दिल्ली सरकार की जय भीम मुख्यमंत्री प्रतिभा विकास योजना के अंतर्गत
SCs , STs , OBCs , Minorities & EWS
Hindi/Eng. Medium
Admission Open
में आने वाले छात्रों को IAS की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग...
For More Details
9643778091
629, Ground Floor, Main Road, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09

IAS GS World PCS
Committed To Excellence
सामान्य अध्ययन
नया फाउंडेशन बैच प्रारंभ...
निःशुल्क कार्यशाला
आज
3:00 PM
629, Ground Floor, Main Road, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
011- 27658013, 7042772062/63

Contact for Advt. Booking: M/s Friends Publicity Service
Ph.23276901, 23282028 (M): 9212008155, 9212665841.

केजरीवाल ने राजधानी में वायु प्रदूषण को लेकर किया ट्वीट

पड़ोसी राज्यों पर फोड़ा ठीकरा

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 17 नवंबर।

दिल्ली में वायु प्रदूषण को लेकर भाजपा और कांग्रेस के नेता भले मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अगुआई वाली दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार की नाकामी को जिम्मेदार ठहराते हों लेकिन खुद मुख्यमंत्री केजरीवाल ने रविवार को इस प्रदूषण का ठीकरा एक बार फिर से पड़ोसी राज्यों के सिर फोड़ा। दिल्ली में वायु प्रदूषण को लेकर केजरीवाल ने दावा किया कि पराली जलाने और उत्तर भारत में प्रदूषण बढ़ने के बीच बेहद मजबूत परस्पर संबंध है और राजधानी की हवा की गुणवत्ता में सुधार इसीलिए आया है क्योंकि पराली जलाने के मामलों में कमी आई है।

मुख्यमंत्री केजरीवाल ने ट्वीट किया–पराली जलाने और उत्तर भारत में वायु प्रदूषण बढ़ने के बीच बेहद मजबूत परस्पर संबंध है। अक्तूबर के पहले सप्ताह में जैसे ही पराली जलाने की शुरुआत होती है एक्यूआइ बढ़ता जाता है। अब पराली जलने के मामले थमे हैं तो वायु गुणवत्ता में भी सुधार हो रहा है। दिल्ली सरकार के नीतिगत थिंक टैंक डायलॉग एवं डेवलपमेंट कमीशन (डीडीसी) के उपाध्यक्ष जेडमिन शाह ने पराली जलाने की कुछ तस्वीरें पोस्ट की थीं, जवाब में मुख्यमंत्री का यह ट्वीट सामने आया है।

तस्वीरों के साथ शाह ने ट्वीट किया कि अधिकतर हिस्सों में एक्यूआइ स्तर 200 (मध्यम स्तर) के नीचे पहुंचा, ठीक उसी समय पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में पराली जलाने के मामलों में कमी आई है। ये तस्वीरें रविवार सुबह 10 बजे की है, जो सबकुछ बयां करती हैं। उसके बाद मुख्यमंत्री ने एक और ट्वीट किया–फसलें जलनी बंद हो गईं और इसके साथ ही दिल्ली की हवा भी साफ हो गई। कुछ लोग कह रहे थे दिल्ली की हवा में केवल 5% फसलों का प्रदूषण है। तो क्या केवल 5% प्रदूषण कम होने से प्रदूषण में भारी कमी आ गई। प्रदूषण पर राजनीति नहीं, साफ नीयत से सबको मिलकर काम करने की जरूरत है। दिल्ली में विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं ऐसे में भाजपा अरविंद केजरीवाल की सरकार पर पिछले पांच साल से वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिये कुछ नहीं करने और सम–विषम योजना लाकर गाड़ियों पर लगाम लगाने का आरोप लगाती रहती है। मौजूदा वायु प्रदूषण की स्थिति पर विचार करते हुए दिल्ली सरकार सम–विषम योजना को आगे बढ़ाने पर सोमवार को अंतिम फैसला लेगी। योजना चार नवंबर से 15 नवंबर तक लागू थी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के नेतृत्व वाले प्रदूषण पर बने कार्य बल ने शनिवार को क्षेत्र में वायु प्रदूषण में सुधार को देखते हुए दिल्ली और आसपास में गैर–पीएनजी उद्योगों एवं कोयला आधारित फैक्टरियों के संचालन पर लगा प्रतिबंध हटा दिया। अगले दो दिनों में स्थिति में और सुधार होने की उम्मीद है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के एक अधिकारी ने बताया है कि हवा उत्तर पश्चिम की दिशा में बह रही है और सतही हवा का वेग भी उच्च है।

समाधान के लिए धान की बुआई के समय पर विचार

फाइल

पंजाब व हरियाणा में पानी की कमी को देखते हुए मानसून आने से पहले धान की बोवाई न करने का कानूनी प्रावधान है। मॉनसून आने से पहले यानी 15 जून से पूर्व पंजाब और हरियाणा में धान की बुआई को इसलिए रोका गया था ताकि भूजल का अधाधुंध दोहन ना हो। लिहाजा इन दोनो राज्यों में क्रमश: पांजाब भूजल संरक्षण अधिनियम –2009 और हरियाणा भूजल संरक्षण अधिनियम बनाए गए। इसी के तहत पंजाब में धान की बुआई 20 जून से पहले और हरियाणा में 15 जून से पहले करना प्रतिबंधित कर दिया गया।

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 17 नवंबर।

प्रदूषण के समाधान के लिए कदम उठाते हुए सरकार धान की बुआई 15 दिन पहले किए जाने का प्रावधान कर सकती है ताकि सर्दियां शुरू होने से पहले ही धान की कटाई व पराली को ठिकाने लगाने के काम को पूरा किया जा सके व दीवाली के समय होने वाले प्रदूषण के एक स्रोत को कम किया जा सके। इस बारे में केंद्र सरकार हरियाणा व पंजाब से अपनी बुआई नीति में संशोधन करने को कह सकती है।

राजधानी सहित लगभग पूरा पश्चिमोत्तर व उत्तर भारत पिछले करीब महीने भर प्रदूषण के भयावह स्तर से जूझ रहा है। इसमें पराली के कारण प्रदूषण का फीसद 46 तक पहुंच गया था। इसमें पंजाब व हरियाणा का योगदान सबसे अधिक था। हरियाणा व पंजाब सरकार को धान बोवाई के अपने उस नियम में बदलाव करने को कह सकती है, जिसमें इन दोनों राज्यों में धान की बोवाई 15 जून से पहले करने की मनाही है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक दिल्ली व आसपास के इलाकों में प्रदूषण की समस्या तभी से गहराई है जब से यह कानून बना कि पंजाब व हरियाणा में धान देर से बोया जाने लगे। मौसम विभाग का कहना है जब तक धान की कटाई होती है (अक्तूबर–नवंबर) तब तक हल्की ठंडक व हवा में नमी का स्तर बढ़ जाता है जो प्रदूषणकारी तत्वों को छितराने से रोकती है। लिहाजा प्रदूषण बढ़ जाता है। इसके समय में थोड़ा बदलाव कारगर हो सकता है।

हड़ताल से प्रभावित हजारों विद्यार्थी : जेएनयू

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 17 नवंबर।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) रजिस्ट्रार ने रविवार को कहा कि विद्यार्थियों के एक समूह की ओर जारी हड़ताल के कारण, जेएनयू अकादमिक कार्यक्रमों में भाग लेने और विश्वविद्यालय में निरंतरता के लिए अपनी शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने की योजना बनाने वाले हजारों विद्यार्थी प्रभावित हो रहे हैं।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक मानदंडों और अकादमिक कैलेंडर का पालन करना विद्यार्थियों के हित में होगा जिसके अनुसार उन्हें 12 दिसंबर से शुरू होने वाली अंतिम सेमेस्टर परीक्षा में शामिल होना होगा। एमफिल–शोध प्रबंध–पीएचडी संबंधित स्कूलों को मूल्यांकन के लिए जमा करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर है। इन तिथियों को अकादमिक काउंसिल ने तय किया है इसलिए इनमें कोई ढील नहीं दी जाएगी। अकादमिक अध्यादेश के क्लॉज–7 के मुताबिक हर एमफिल विद्यार्थी को अपना 50 फीसद पाठ्यक्रम पूर्ण करना होगा। अगर ये विद्यार्थी पाठ्यक्रम कार्य को पूर्ण करने में 5 सीजीपीए लाने में असफल रहते हैं तो क्लॉज–8 के अनुसार दूसरे सेमेस्टर के अंत में उनका नाम विवि की नामांकन सूची से हटा दिया जाएगा।

जो विद्यार्थी बीए ऑनर्स प्रोग्राम में हैं, उन्हें सभी सत्रीय परीक्षाएं देनी होंगी और क्लास–9 में निर्धारित कम से कम सीजीपीए हासिल करना होगा। जो विद्यार्थी ऐसा करने में असफल रहेंगे उनको विवि की नामांकन सूची से हटा दिया जाएगा। ऐसे विद्यार्थी जो एमए, एमएससी पाठ्यक्रम में हैं और अकादमिक अध्यादेश के क्लॉज–9 और 11 का पालन करने में असफल रहते हैं तो विवि की नामांकन सूची से उन्हें हटा दिया जाएगा। जेएनयू प्रशासन इसके लिए आंदोलनरत विद्यार्थियों से एक बार फिर अपील करता है कि वह वापस कक्षाओं में लौटें और अपने शोध कार्य व अकादमिक गतिविधियां प्रारंभ करें। इससे उन्हें अकादमिक प्रोग्राम पूरा करने में मदद मिलेगी। जेएनयू प्रशासन द्वारा तय तिथियों तक अगर विद्यार्थियों द्वारा कार्य नहीं किया गया तो हजारों विद्यार्थियों के शैक्षणिक भविष्य पर प्रभाव पड़ेगा।

विद्यार्थियों से कक्षाओं में लौटने की अपील

जेएनयू कुलपति प्रोफेसर एम जगदीश कुमार ने विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी एक वीडियो संदेश के माध्यम से प्रदर्शनकारी विद्यार्थियों से अपनी कक्षाओं में लौटने और अपने अकादमिक कार्यों को फिर से शुरू करने के लिए बार–बार अपील की है। प्रोफेसर कुमार ने कहा कि करीब 15 दिनों से विश्वविद्यालय में अकादमिक कार्य ठप है और इसका असर सभी विद्यार्थियों पर पड़ रहा है जो भविष्य के लिए सही नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट की फटकार से अरविंद केजरीवाल लें सबक: विजय गोयल

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 17 नवंबर।

दिल्ली में प्रदूषण को लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को लगातार भाजपा घेर रही है। भाजपा का कहना है कि केजरीवाल सरकार ने पांच साल तक प्रदूषण के खिलाफ एक भी काम नहीं किया और अब सम–विषम का नाटक कर रही है।

दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष विजय गोयल के नेतृत्व में भाजपा ने रविवार को जंतर–मंतर पर धरना दिया। इस दौरान उनके साथ पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री आरपी सिंह और जय प्रकाश समेत बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता शामिल हुए। गोयल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट से मिली फटकार के बाद सीएम केजरीवाल को सबक लेने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने भी दिल्ली सरकार को फटकार लगाई कि जिन 60 फीसद स्थानीय कारणों से प्रदूषण होता है जैसे सड़कों पर धूल, निर्माण कार्यों से धूल और औद्योगिक प्रदूषण, कचरे के जलने पर सरकार ने काम नहीं किया। गोयल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि सम–विषम योजना प्रदूषण का कोई हल नहीं है। इस योजना के तहत भारी भ्रष्टाचार हुआ है जनता के टैक्स के करोड़ो रुपए सम–विषम के नाम पर अपने प्रचार में फूंक दिए गए।

एम एस टी सी लिमिटेड
MSTC LIMITED
ई–नीलामी कार्यक्रम
www.mstcecommerce.com या
www.mstcindia.co.in.

सांसद गौतम गंभीर के लापता होने के पोस्टर लगे

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 17 नवंबर।

पूर्वी दिल्ली से भाजपा सांसद और पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर के इंदौर में जलेबी खाने से शुरू हुआ विवाद थम नहीं रहा है। आइटीओ इलाके में उनका लापता होने का पोस्टर लगाया गया है। पेड़ पर लगे पोस्टर में लिखा गया है कि क्या आपने इन्हें देखा है? आखिरी बार इंदौर में जलेबी खाते हुए देखा गया था, पूर्वी दिल्ली इन्हें ढूंढ़ रही हैं। गौतम गंभीर का पोस्टर पेड़ों पर किसने चिपकाया है इसके बारे में पोस्टर में कुछ नहीं लिखा गया है। माना जा रहा है कि इसे शनिवार रात में ही चिपकाया गया है।

पांच ट्रिलियन अर्थव्यवस्था का सपना एक और जुमला : कांग्रेस

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 17 नवंबर।

केंद्र के खिलाफ दिल्ली कांग्रेस का विरोध जारी है। इसी क्रम में रविवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा की अध्यक्षता में दिल्ली की दो विधानसभाओं में हल्ला बोल का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय लोग इस हल्ला बोल अभियान में शामिल हुए।

सुभाष चोपड़ा ने कहा कि पांच ट्रिलियन अर्थव्यवस्था का सपना दिखाना केंद्र की सरकार का एक नया जुमला साबित होगा। वहीं, चुनाव समिति के अध्यक्ष कीर्ति आजाद ने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार झूठे प्रचार और विज्ञापन के भरोसे पर चल रही है। इस बार विधानसभा चुनाव में दिल्ली की जनता सबक सीखा देगी। कांग्रेस ने बदरपुर और महरौली विधानसभा में अभियान का आयोजन किया था। सुभाष चोपड़ा ने कहा कि देश की चौपट अर्थव्यवस्था की चपेट में गरीब आदमी, मध्यम वर्ग और किसानों भी बुरी हालत में है। नोटबंदी से देश की आम जनता कंगाल हो गई है। कीर्ति आजाद ने कहा कि जीएसटी की दरों ने गरीब व मध्यम वर्ग के लोगों की कमर तोड़ कर रख दी है। दोनों ने कहा कि देश के आम आदमी की खरीदारी की क्षमता शून्य के करीब पहुंच गई है। वहीं, पार्टी के मुख्य प्रवक्ता मुकेश शर्मा ने घोषणा की कि आर्थिक मंदी के खिलाफ हल्ला बोल अभियान जारी रहेगा।

दि ओरिएण्टल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड
30 सितम्बर, 2019 को समाप्त छमाही के लिए गैर–लेखापरीक्षित
वित्तीय परिणाम (पृथक) का सारांश
आईआरडीएआई के दिनांक 30.01.2017 के परिपत्र सं. आईआरडीए/एफएंडए/सीआईआर/एलएफटीडी/027/01/2017 के साथ पठित सेबी (सूचीबद्धता (लिस्टिंग) बाध्यताएँ और प्रकटीकरण), 2015 के विनियम 52(8) के अनुसरण में

(रु.करोड़ में)

क्र. सं.	विवरण	30.09.2019 को समाप्त छमाही	30.09.2018 को समाप्त छमाही	31.03.2019 को समाप्त वर्ष
1	प्रीमियम आय (सकल)	7019.39	6610.69	13485.00
2	अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (कर,अपवादात्मक और/या असाधारण मदों से पूर्व)	-330.53	-129.48	-428.99
3	कर से पूर्व की अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (अपवादात्मक और/या असाधारण मदों के पश्चात)	-330.53	-129.48	-428.99
4	कर के पश्चात की अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (अपवादात्मक और/या असाधारण मदों के पश्चात)	-330.53	-129.48	-293.66
5	अवधि के लिए कुल व्यापक आय [अवधि के लिए लाभ/हानि (कर के पश्चात) और अन्य व्यापक आय (कर के पश्चात) शामिल करके]	NIL	NIL	NIL
6	इक्विटी शेयर पूंजी	200.00	200.00	200.00
7	पिछले वर्ष के लेखापरीक्षित तुलन पत्र में दिखाए अनुसार (पुनर्मूल्यांकन संचति के अलावा) संचति	2332.49	2827.20	2663.00
8	चल रहे और बंद किए गए कार्यों के लिए प्रति शेयर आय (प्रत्येक रु.10/–)			
	1. बेसिक:	-16.53	-6.47	-14.68
	2. डाइल्यूटेड:	-16.53	-6.47	-14.68

नोट:
क) 30 सितंबर 2019 को समाप्त छमाही के लिए उपरोक्त वित्तीय परिणामों की लेखापरीक्षा समिति द्वारा समीक्षा की गई है और 15.11.2019 को आयोजित निदेशक मंडल की बैठक में अनुमोदित किया गया है। इस प्रारूप को बीमा अधिनियम/आईआरडीएआई विनियमों में प्रयुक्त शब्दावली को प्रतिबिंबित करने के लिए संशोधित किया गया है।
ख) उपरोक्त वित्तीय परिणाम भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सूचीबद्धता (लिस्टिंग) बाध्यताएँ और प्रकटीकरण), 2015 के विनियम 52(8) के विनियम 52 के अंतर्गत स्टॉक एक्सचेंज के साथ दायर किए गए छमाही वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का एक उद्धरण है। छमाही वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (www.nseindia.com) और कंपनी (www.orientalinsurance.org.in) की वेबसाइटों पर उपलब्ध है।

दि ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के लिए और की ओर से
ए.वी. गिरिजाकुमार
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीआईएन: 02921377

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 15.11.2019

पंजीकृत कार्यालय: "ओरिएण्टल हाउस" ए–25/27, आसफ अली रोड, नई दिल्ली–110002 टोल फ्री नं. 1800118485
सी.आई.एन–यू 66010 डी एल 1947 जी ओ आई 007158 | आई.आर.डी.ए.आई. पंजीकृत संख्या नं.: 556

पावरग्रिड
POWERGRID
पावर ग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड

मौसम

तापमान	नोएडा	गाजियाबाद	गुरुग्राम	फरीदाबाद
अधिकतम	29.0 डि.से.	29.0 डि.से.	28.3 डि.से.	29.0 डि.से.
न्यूनतम	16.2 डि.से.	16.2 डि.से.	15.8 डि.से.	16.0 डि.से.

कारखाने में लगी आग, एक की मौत

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 17 नवंबर।

नरेला के डीएसआइआइडीसी में शनिवार देर रात एक कारखाने में भीषण आग लग गई। चपेट में आने से वहां तैनात एक सुरक्षाकर्मी की मौत हो गई। मृतक की पहचान मंगल मंडल (32) के तौर पर हुई है। बताया जा रहा है कि शनिवार को कारखाने में छुट्टी रहती थी। इस कारण जब आग लगी थी। केवल सुरक्षाकर्मी ही काम पर था। चार मंजिला कारखने में चप्पल-जूता बनाया जाता है। आग लगने की सूचना बीती रात करीब 12:45 बजे पुलिस और दिल्ली दमकल विभाग को मिली थी। सूचना मिलने पर 21 दमकलों ने कड़ी मशक्कत करने के बाद आग पर काबू पाया। सर्च अभियान के दौरान दमकल विभाग को गार्ड का शव मिला। शुरुआती छानबीन में पता चला है कि आग शार्ट-सर्किट की वजह से लगी थी। फिलहाल पुलिस ने मालमा दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है।

जानकारी के मुताबिक, मृतक मंगल मंडल मूलरूप से बिहार का रहने वाला था। वह कारखाना में सुरक्षाकर्मी था। दमकल विभाग को देर रात करीब 12:45 जी-ब्लॉक, डीएसआइआइडीसी स्थित एक जूते-चप्पल बनाने के कारखाना में आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलने के बाद एक के बाद एक 21 दमकल मौके पर पहुंचे। लोगों की सुरक्षा को देखते हुए पुलिस ने आसपास के इलाके को खाली करा लिया। कारखाना चार मंजिला था, जिसका मुख्य द्वार अंदर से बंद था। कड़ी मशक्कत के बाद रविवार सुबह करीब 11:20 बजे दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। देर शाम तक कारखाना में कूलिंग का काम चल रहा था। सर्च अभियान के दौरान दमकल विभाग को सुरक्षाकर्मी का शव मिला था। शुरुआती छानबीन में पुलिस को पता चला कि शनिवार को कारखाना की साप्ताहिक छुट्टी रहती है। इस दौरान कारखाना में केवल सुरक्षाकर्मी काम पर था।

बताया जा रहा है कि आग लगने के वक्त उसने बाहर निकलने की कोशिश की होगी, लेकिन किसी कारण से वह दरवाजा नहीं खोल पाया और वह आग में झुलस गया। दमकलकर्मी ने बताया कि आग के बाद इमारत पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है और उसे खतरनाक बताया जा रहा है। इमारत किसी भी समय गिर सकती है। आसपास के लोगों को वहां से दूर रहने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, सूत्रों की मानें तो कारखाना में आग बुझाने का कोई यंत्र नहीं था। जिससे वक्त रहते आग पर काबू पाया जा सकता। पुलिस ने बताया कि कारखाना मालिक प्रवीण कुमार से पूछताछ कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

कार डिवाइडर से टकराकर पलटी, छात्र की जान गई

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 17 नवंबर।

गोविंदपुरी थाना क्षेत्र के क्राउन प्लाजा के पास तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे में पैरामेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्र अंश गिरधर (19) की मौत हो गई। इस हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए। बताया जा रहा है कि घटना के समय कार की रफ्तार करीब 100 किमी प्रतिघंटा के आसपास थी। सूचना मिलने पर पुलिस ने छात्र के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में रखवा दिया है।

दक्षिणी पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त चिन्मय बिश्वाल ने बताया कि अंश गिरिधर, पॉकेट-13, कालकाजी, एक्सटेंशन में परिवार के साथ रहता था। वह बंसत कुंज से फिजियोथेरेपी का कोर्स कर रहे थे। रविवार देर रात साढ़े तीन बजे पुलिस को सूचना मिली कि ओखला ईस्टेट रोड नियर हनुमान मंदिर के पास एक कार हादसे का शिकार हो गई है। पुलिस युवक को तुरंत एम्स अस्पताल में गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के दौरान युवक क्राउन प्लाजा की ओर से आ रहा था। जांच में पुलिस को पता चला कि हादसे के वक्त कार की रफ्तार काफी तेज थी। अंश ने जैसे ही सड़क पर पेड़ के तने से बचाने की कोशिश की, तभी उसकी कार का संतुलन बिगड़ गया और कार फुटपाथ से टकरा कर पलट गई। इस दौरान वह गंभीर रूप से घायल हो गया। अंश की मौत के बाद परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

सड़क हादसों में तीन की मौत

तिमारपुर और बादली में सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। तिमारपुर में जान गंवाने वाले लोगों की पहचान जगमोहन (45) और जोगेंद्र (23) के तौर पर हुई है, जबकि बादली में जीवन कुमार मंडल (33) हादसे का शिकार हो गया। वहीं, घायल दीन मोहम्मद की हालत नाजुक बनी हुई है। जानकारी के मुताबिक तिमारपुर मेट्रो स्टेशन के पास गुरुवार को मोटरसाइकिल और स्कूटी की भिड़त में दो लोग घायल हो गए, जहां डॉक्टरों ने जगमोहन को मृत घोषित कर दिया, जबकि दीन मोहम्मद की हालत नाजुक बनी हुई है। दूसरी घटना वजीराबाद के सूरघाट पर हुई। यहां शुक्रवार को एक छोटे हाथी (टैंपो) ने बाइक सवार जोगेंद्र को टक्कर मार दी। उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, बादली में एक अज्ञात वाहन ने जीवन कुमार मंडल को टक्कर मार दी। पुलिस उसे लेकर को मैक्स अस्पताल गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

यूपी बोर्ड : रंगीन उत्तर पुस्तिकाओं का होगा प्रयोग

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 17 नवंबर।

जिले में इस बार होने वाली यूपी बोर्ड की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा-2020 में अलग रंग वाली (रंगीन) उत्तर पुस्तिकाओं का प्रयोग होगा। परीक्षा के दौरान उत्तर पुस्तिकाओं की अदला-बदली को रोकने के लिए उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने यह निर्णय लिया है। उत्तर पुस्तिकाओं को आकर्षक बनाने के लिए मुख्य पृष्ठ (कवर पेज) के साथ अंदर के पन्नों और लाइनों में भी बदलाव किया गया है। जिले के प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर कोड वाली और अंदर लाल, नीली, हरी व काली लाइन वाली उत्तर पुस्तिकाओं का प्रयोग होगा।

जिला विद्यालय निरीक्षक नीरज पांडे के मुताबिक रंगीन उत्तर पुस्तिकाओं के चलते अदला-बदली पर रोक लगेगी। परीक्षा केंद्र पर नकल करने वाले अ में ब के पन्नों को लगाकर पूरी उत्तर पुस्तिका बदल देते हैं। रंगीन उत्तर पुस्तिका के चलते उन्हें बदला नहीं जा सकेगा। अ और ब के पृष्ठ का रंग अलग होने के चलते बदलना संभव नहीं होगा। हर परीक्षार्थी और परीक्षा के आधार पर दो अ और दो ब उत्तर पुस्तिका प्रयोग में लाई जाएगी। उन्होंने बताया कि बोर्ड परीक्षा में इस बार परीक्षार्थियों से जूते-मोजे नहीं उतरवाए जाएंगे। परीक्षा को लेकर बनी नीति में इस पर चर्चा हुई और तय हुआ कि कक्ष में जाने से पहले ही सघन जांच कर ली जाए। ताकि परीक्षा के दौरान किसी तरह का व्यवधान ना हो।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में गांधी बने हुए हैं आकर्षण का केंद्र

निर्भय कुमार पांडेय
नई दिल्ली, 17 नवंबर।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्म के 150 साल पूरे होने पर सरकार ने बीते दिनों उनके जन्मदिवस के मौके पर कई कार्यक्रम आयोजित किए। सरकार हर मंच से गांधी को याद कर रही है। इस साल प्रगति मैदान में आयोजित 39वें अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में महात्मा गांधी आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। हाल नंबर 12 में एक खास स्टॉल भी लगाया गया है, जहां गांधी के जीवन से जुड़े हर पहलुओं का प्रदर्शन किया गया है। इसी स्टॉल में चरखा रखा गया है, जो सभी वर्ग के दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इस चरखे के साथ बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी फोटो खिंचवाते दिखे। साथ ही कई युवा चरखे के साथ सेल्फी लेते हुए भी दिखे।

इसके साथ ही इस स्टॉल में गांधी की मूर्ति लगाई गई है, जिसके साथ दर्शक फोटो खिंचवाते दिखे। इसके साथ ही जगह-जगह पर गांधी जी के सात संदेशों का भी प्रदर्शन किया गया है, जिसे लोग पढ़ते हुए दिखाई दिए। बिहार पवेलियन के बाहर भी गांधी की फोटो के साथ सात संदेश लिखे हुए हैं, जिसे लोग बड़े ही चाव से पढ़ रहे हैं। यही नहीं हर राज्य में एक-दो ऐसे स्टॉल भी लगे हैं, जहां पर खादी के कपड़े बिक रहे हैं। मेले में परिवार के साथ आए दर्शक महेंद्र सिंह ने बताया कि वह अपने बच्चों को गांधी के जीवन से जुड़े पहलुओं के बारे में बताने के लिए पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि उनके एक जानकार ने बताया था कि गांधी के जीवन से जुड़ी कई अहम जानकारियों को मेले में प्रदर्शित किया गया है। इस कारण वह रविवार को छुट्टी के दिन बच्चों को लेकर आए थे।

बिहार पवेलियन के बीचों-बीच बना हस्तशिल्प स्टॉल दर्शकों के बीच कहीं अधिक आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यहां पर बिहार से आई दो महिलाएं हाथों हाथ बना कर घास की टोकरी, दाउरी, गणेश भगवान का मुख, सूर्य देव, छोटे-बड़े डिब्बे के अलावा घर में सजावट के कई सामान बेच रही थीं। मुन्नी देवी ने बताया कि 2008 से वह प्रगति मैदान में लगने वाले मेले में आ रही हैं। उन्होंने यह कला अपनी सास से करीब 28 साल पहले सीखी थी।

बड़े भाई की हत्या में छोटा गिरफ्तार

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 17 नवंबर।

कंझावला थाना क्षेत्र में झगड़े के दौरान छोटे भाई ने बड़े भाई की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। मृतक की पहचान दीपक (31) के तौर पर हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया हैं। रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त एसीडी मिश्रा ने बताया कि पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी सचिन (24) को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से वारदात में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक, दीपक कंझावला में मजदूरी करता था। दीपक के साथ उसके चार भाई रहते हैं। शनिवार रात करीब 10:30 बजे पुलिस को सूचना मिली कि एक युवक को उसके भाई ने चाकू मार दिया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस घायल दीपक को खून से लथपथ हालत में अस्पताल लेकर गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

दादरी कंटेनर डिपो

कर्मचारियों की लापरवाही उड़ा रही है निर्यातकों की नींद

जनसत्ता संवाददाता
ग्रेटर नोएडा, 17 नवंबर।

उत्तर प्रदेश के औद्योगिक महानगर नोएडा समेत गौतम बुद्ध नगर की निर्यात उन्मुख इकाइयों के लिए दादरी अंतर्देशीय कंटेनर डिपो राहत के साथ बड़े नुकसान की भी वजह बन रहा है। दादरी कंटेनर डिपो से हर महीने हजारों करोड़ रुपए मूल्य का सामान विदेशों में निर्यात किया जाता है। प्रत्येक महीने करीब 25 हजार से अधिक कंटेनर यहां से बंदरगाह के लिए जाते हैं। राजस्व के इतने बड़े स्रोत और कारोबार केंद्र होने के बावजूद दादरी का कंटेनर डिपो अप्रशिक्षित कर्मियों और अव्यवस्थाओं के चलते निर्यात इकाइयों के लिए बड़े नुकसान का कारण बन रहा है। हालिया मामले में एक इकाई ने नाइजीरिया भेजने के लिए मशीन बनाकर कंटेनर डिपो भेजी, जहां वेयर हाउस के क्रेन चालक की लापरवाही की वजह से क्रेन पलट कर निर्यात होने वाली मशीन पर जा गिरी। जिससे मशीन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त होकर निर्यात होने लायक नहीं बची। मामला केवल यहीं तक सीमित नहीं रहा, अब इस मशीन को दोबारा बनाकर भेजना होगा, जबकि आयातक कंपनी की तरफ से जारी की गई लेटर ऑफ क्रेडिट (एलसी) के भुगतान की तारीख नजदीक होने से बड़े नुकसान की आशंका है। ग्रेटर नोएडा स्थित मशीन बनाने वाली एक आइएसओ 9001 निर्यातक कंपनी ने गत शुक्रवार को एक मशीन नाइजीरिया भेजने के लिए दादरी कंटेनर डिपो भेजी थी, जहां वेयर हाउस के क्रेन चालक की लापरवाही से क्रेन उस पर पलट गई और मशीन क्षतिग्रस्त हो गई। बताया गया है कि जब क्रेन पलटी तब चालक किसी अन्य कंपनी के काम को कर रहा था। जिससे निर्यातक को बड़े नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। आरोप है कि लापरवाही के चलते हुए नुकसान की भरपाई के बजाए कंटेनर डिपो लीपापोती कर नुकसान को हल्का साबित करने में लगे हैं, जबकि निर्यातक के मुताबिक विदेश भेजे जाने वाले उत्पाद की गुणवत्ता की जांच कई स्तरों पर होती है।

सुरक्षाकर्मी की हत्या

जनसत्ता संवाददाता
ग्रेटर नोएडा, 17 नवंबर।

थाना बीटा टू इलाके से 10 दिन पहले अगवा किए गए सुरक्षाकर्मी राजन सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई। सुरक्षाकर्मी का शव शनिवार रात दादरी क्षेत्र से बरामद हुआ। इस मामले में पुलिस पर लापरवाही का आरोप है। मृतक के परिजन ने तीन युवकों पर अपहरण की आशंका जताते हुए 13 नवंबर को शिकायत दी थी लेकिन पुलिस ना आरोपियों को गिरफ्तारी कर पाई और ना ही अपहृत सुरक्षाकर्मी का पता लगाने का प्रयास किया। हालांकि शव मिलने होने के बाद पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए हैं।

H.C.J. Part III2
(नमूना काबिल फरोख्त)
सम्मन वास्ते करारवाद तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
नंबर मुकदमा 03/19 मुद्दई
व अदालत सि.ज. (सी.जि.) संत कबीर नगर
मुद्दई
धर्मवीर गुप्ता बनाम राकेश तिवारी आदि
(1) राकेश तिवारी वयस्क पुत्र अनिरुद्ध तिवारी निवासी मकान नं. 487/67 पीरागढ़ी पश्चिम विहार गांव नई दिल्ली आधार कार्ड सं. 546827354638 पैन कार्ड सं. AVVPT8756E
(2) बैंक ऑफ इंडिया शाखा पश्चिम विहार नई दिल्ली 4 लोकल शापिंग काम्प्लेक्स वोहरा इन्क्लेव पश्चिम विहार नई दिल्ली जरिए शाखा प्रबंधक
मुद्दाअलेह
हरगाह साकिन ने आपके नाम नॉलिश बावत के दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है बतारीख माह 11/12/2019 सन ई. बावत 10 बजे दिन के अदालत या मारफत वकील के जो मुकदमा के हालात से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और कुछ उमूर अहम मतअल्लिका का जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और शक्श हो कि जवाब सवालात दे सके हाजिर हो जवाबदेही दावा करे और आपको लाजिम है कि उसी राज जुमला के दस्तदाला करना चाहता हो।
आपको इत्तला दी जाती है अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिर आपको मसमुआ और फैसला होगा।
शक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज ब तारीख 18 माह 10-19 ई. जारी किया।
सील
इत्तिला
(1) अगर आपको यह अन्देशा हो कि आपके गवाह अपनी मर्जी से हाजिर न हो तो आप अदालत हाजा से सम्मन नमुराद जारी करा सकते है कि गवाह हाजिर हो। वह जबरन हाजिर कराया जाय और जिन दस्तावेज को किसी से पेश कराने का आप इस्पेकाल रखते हैं वह उससे पेश कराई जाय बशर्ते कि आप खर्चा जरूरी अदालत में दाखिल करके इस अस्त्र को दरख्वास्त गुजरावें।
(2) अगर आप मुतालवा मुद्दई की तस्लीम करते है तो आपका लाजिम है कि खाना खर्चा नालिश अदालत में दाखिल करें ताकि कार्यवाही इजेराय डिग्री के आपका जान व माल दोनों पर हो न करना पड़े।
सील

दिल्ली मेरी दिल्ली

कांग्रेस के प्रयोग

लगातार 15 साल सत्ता में रहने के बाद दिल्ली की राजनीति में हाशिए पर पहुंचने वाली कांग्रेस में सालों से प्रयोग ही चल रहे हैं। यह आमजन की समझ से परे है कि जो नेता प्रदेश की बागडोर संभालने को तैयार नहीं होते हैं, वे दूसरे की बागडोर संभालते ही उनकी जड़ों में मट्ठा डालने का काम क्यों करने लगते हैं। माना यही जाता है कि कांग्रेस के समर्थक कहे जाने वालों के समर्थन से ही आम आदमी पार्टी (आप) दिल्ली में ताकतवर हुई और सत्ता में आ गई। कांग्रेस में गुटबाजी जारी है। अजय माकन के बीमार होकर प्रदेश अध्यक्ष का पद छोड़ने के कई महीने बाद शीला दीक्षित को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। उन्हें तीन कार्यकारी अध्यक्ष दिए गए। पहले तो कार्यकारी अध्यक्षों में नहीं बनी और फिर पहले की तरह सभी शीला दीक्षित को परेशान करने में लग गए। जैसे-तैसे उन्हें लोकसभा चुनाव लड़वाया गया, वे हारी और उनकी मृत्यु हुई। उसके कई महीने बाद पूर्वांचल के प्रवासियों को अपने पक्ष में करने के लिए कीर्ति आजाद को प्रदेश अध्यक्ष बनाते-बनाते सुभाष चोपड़ा को अध्यक्ष और आजाद को चुनाव अभियान समिति का प्रमुख बना दिया गया। दो से तीन महीने में विधानसभा चुनाव होने हैं और कांग्रेस पार्टी के दोनों बड़े नेता आपस में मेल ही नहीं कर पाए। ऐसे में पार्टी हाशिए से मुख्यधारा में कैसे आएगी, यह सवाल अपनी जगह पर ही खड़ा दिख रहा है।

ट्रैफिक पुलिस को राहत

दिल्ली सरकार के ऑड-इवन खत्म होने के बाद सबसे ज्यादा राहत किसी को मिली है तो वह दिल्ली ट्रैफिक पुलिस को है। ट्रैफिक पुलिस की मुस्तैदी में थोड़ी भी ढिलाई पर दिल्ली सरकार इसे प्रदूषण से जोड़कर हवा देना शुरू कर देती है। लिहाजा पुलिस किसी भी सूरत में मामले को कोर्ट तक जाने से रोकने के लिए मुस्तैद रहती है।

शनिवार को संबंध विभाग के एक पुलिस अधिकारी से बात हो रही थी। उनका कहना था कि दिल्ली की जनता की सुरक्षा व्यवस्था देखना हमारी प्राथमिकता है, लेकिन जब से आप की सरकार आई है वह पुलिस को किसी न किसी रूप में घेरते रहती है। इसी कड़ी में ऑड-इवन भी है। हम मौका नहीं देना चाहते ताकि मामला पेंचीदगी में फंस जाए और हमारी किरकिरी हो। इसलिए ऑड-इवन के समाप्त होने पर अतिरिक्त जिम्मेदारी से कुछ देर के लिए मुक्ति मिल जाती है और यह थोड़ी राहत देती है।

योजनाओं की सुध नहीं

आर्थिक खस्ताहाली से उबरने के लिए जहां नोएडा प्राधिकरण औद्योगिक, वाणिज्यिक, संस्थागत, आवासीय समेत तमाम तरह की आबंटन योजनाएं निकालकर राजस्व बढ़ाने की कोशिशें कर रहा है। वहीं, लाखों-करोड़ रुपए खर्च कर पहले से तैयार हो चुकी कई महत्त्वाकांक्षी योजनाएं बर्बाद हो रही हैं। उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार आने के बाद जहां-तहां लगी मांस बेचने वालों को दुकानें व्यवस्थित करने के लिए सेक्टर-8 स्थित नर्सरी के पास मीट-मुर्गा मार्केट बनाया गया है, जहां शहर के विभिन्न इलाकों में सड़क किनारे बैठकर मुर्गा, मछली समेत अन्य तरह का मांस बेचने वालों को बनी दुकानें निर्धारित शुल्क पर आबंटित की जानी थी। निर्माण के दौरान सेक्टर-5, 8 आदि इलाकों के मांस विक्रेताओं की बाकायदा सूची भी तैयार की गई थी। कियोस्क के रूप में दुकानें यहां बनाई गईं। साथ ही आने-जाने वालों के वाहनों को खड़ा करने के लिए अंदर जगह आदि का भी प्रबंध प्राधिकरण ने किया। करीब दो साल पहले पूरी तरह से तैयार हो चुका यह मीट बाजार गुलजार नहीं हो सका है। यहां की दुकानें आबंटित नहीं होने से जहां निर्माण समेत अन्य व्यवस्थाओं पर लाखों-करोड़ रुपए का नुकसान हुआ, साथ ही शहर में सड़क किनारे मांस बेचने का भी क्रम बदस्तूर जारी है।

बहिष्कार और तारीख

काम का बहिष्कार भी और तारीख की दरकार भी। तीस हजारी प्रकरण में पुलिस की गिरफ्तारी की मांग करते हुए हड़ताल पर चले गए कुछ वकीलों पर यह बात कमोवेश सही ठहरती है। बीते दिनों हुआ यूं कि अदालतों में 11 दिन हड़ताल थी। एक दो तीन तो वकीलों ने किसी को भी कोर्ट परिसर में आने नहीं दिया, लेकिन इसके बाद जब जज आते और मुकदमों में पुकार लगती तो वकीलों की जगह बगैर काले कोर्ट पहने कुछ लोग इजलास के पास पहुंच अगली तारीख लेते नजर आते। वकील साहब तो यूनियनों की बाध्यता में कामकाज से दूरी बनाए रखा लेकिन कार्यालय का बंदा भेज अपने मामलों की 'सूध और तारीखें' भी लेते रहें। किसी ने चुस्की ली, ऐसे भी अदालतों में मुकदमों की तारीखे काले कोर्ट वालों को ज्यादा तसल्ली देती है।

झड़प के बाद शांति

तीस हजारी अदालत परिसर में वकीलों और पुलिस के बीच हुई हिंसक झड़प के बाद दिल्ली पुलिस के दो विभाग एकदम से शांत पड़ गए हैं। इस घटना से पूर्व जहां दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा और स्पेशल सेल ने एक के बाद एक ताबड़तोड़ मुठभेड़ किए थे। वहीं, इस घटना के बाद इन दोनों विभाग ने कुछ गिने-चुने अपराधियों को ही गिरफ्तार किया। इसके बाद से यह सवाल उठने लगा है कि क्या दोनों विभाग इस घटना के बाद शांत बैठ गए हैं। हालांकि, दिल्ली पुलिस के जवानों ने एक दिन के लिए हड़ताल भी किया था और की गई कार्रवाई का विरोध भी जताया था, लेकिन जिस प्रकार से अपराध शाखा और स्पेशल सेल ने कुख्यात अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई बंद कर दी है। उससे तो यही लग रहा है कि इस घटना ने दिल्ली पुलिस के मनोबल पर चोट किया है। अब देखना बड़ा ही दिलचस्प होगा कि स्पेशल सेल और अपराध शाखा फिर से अपने फॉर्म में कब लौटती हैं और कुख्यात अपराधियों को जेल तक पहुंचाने का काम करती है।

प्रस्ताव का विरोध

निगम आयुक्त के बजट प्रस्ताव रखने से पहले ही सत्तारूढ़ पार्टी ने उसका विरोध शुरू कर दिया है। ऐसा इसलिए हो रहा है चूंकि कुछ दिन बाद दिल्ली में विधानसभा चुनाव होने हैं। आम आदमी पार्टी दिल्ली सरकार में सत्तारूढ़ है तो भाजपा निगम में। अब विधानसभा चुनाव के ठीक पहले अगर दिल्ली की जनता पर भार पड़ेगा तो उसका खामियाजा चुनाव के समय ही तो लिया जाएगा। शुक्रवार को निगम मुख्यालय सिविक सेंटर में दक्षिणी निगम के आयुक्त का बजट प्रस्ताव था। प्रस्ताव अंदर चल रहा था और बाहर सत्तारूढ़ दल के पार्षद विरोध के स्वर उठा रहे थे। बेदिल ने जब कहा कि अभी ही विरोध तो जवाब मिला कि हमें भी राजनीति करनी है और दिल्ली में ही चुनाव लड़ना है फिर किस मुंह से जनता के पास जाएंगे। लगे हाथ उन्होंने अपना नाम नहीं छापने का अनुरोध भी कर दिया।

केजरीवाल की राजनीति

बिजली हाफ, पानी माफ, महिलाओं को बसों में फ्री यात्रा और न जाने क्या-क्या, सरकारी खजाने के बूते दिल्ली के मुख्यमंत्री हर रोज कोई न कोई घोषणा करते रहते हैं। समस्या यह है कि आखिर कितनी चीजें और कब तक यह सिलसिला वे चलाएंगे, यह तो वे ही जानें, लेकिन सिलसिला बढ़ते जाने के बाद तो सरकारी पैसे से लोगों के घर और सेप्टिक टैंक की सफाई कराने तक की घोषणा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कर दी है। पांच साल की सरकार में साढ़े चार साल केंद्र की सरकार से लड़ने के अलावा कोई घोषणा उन्होंने नहीं की। लोकसभा चुनाव में तीसरे नंबर पर जाने के बाद केजरीवाल ने यही आसान रास्ता अपनाया है। उनका बस चलेगा तो वे यही कहेंगें कि दिल्ली समस्या से ही मुक्त हो चुकी है। पार्टी के किसी नेता में यह हिम्मत नहीं है कि उनसे सच्ची बात बता सकें क्योंकि सभी को राजनीति जो करनी है।

–बेदिल

खबरों में शहर

मिलकर काम करेंगे जामिया और अवध विश्वविद्यालय

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 17 नवंबर।

अंतरराष्ट्रीय भाषा केंद्र, अकादमिक प्रशासकों व शिक्षकों के प्रशिक्षण और साझी विरासत के संरक्षण व दस्तावेजीकरण को लेकर जामिया मिल्लिया इस्लामिया और डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या साथ काम करने को लेकर संभावनाएं तलाश रहे हैं। इस संबंध में अवध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज दीक्षित और जामिया मिल्लिया इस्लामिया की कुलपति प्रो. नजमा अख्तर ने विस्तृत चर्चा दी। इस बैठक में विश्वविद्यालय के अकादमिक सलाहकर अरुण के पांडेय भी उपस्थित रहे।

सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का निर्माण कार्य शुरू

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 17 नवंबर।

दिल्ली में लोगों को मुफ्त व किफायती दरों पर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए गुरुद्वारा बाला साहिब के नजदीक सराय काले खां में 550 बिस्तर क्षमता के सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का निर्माण कार्य रविवार को शुरू हो गया। यह अस्पताल दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति की ओर से सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव के 550वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में बनवाया जा रहा है।

युवती को देख कैब सवार मनचलों ने किए अश्लील इशारे

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 17 नवंबर।

सेक्टर-58 में एक युवती को रास्ते में देखकर उबर कैब सवार मनचलों ने उसे अश्लील इशारे किए और सीटी बजाई। युवती के विरोध करने पर आरोपी सीटी बजाते हुए भाग निकले। युवती ने तुंरत एक ऑटो में बैठकर कैब का पीछा किया। हालांकि युवती केवल कैब का नंबर ही सही तरह से देख पाई। इसको लेकर युवती ने थाना सेक्टर-58 में मामला दर्ज कराया है।

कनाडा के नागरिकों से ठगी के आरोप में 32 गिरफ्तार

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 17 नवंबर।

पश्चिमी दिल्ली जिला पुलिस ने एक अंतरराष्ट्रीय फर्जी कॉल सेंटर का पर्दाफाश करते हुए 32 लोगों को गिरफ्तार किया है। फर्जी कॉल सेंटर मोती नगर औद्योगिक क्षेत्र, कीर्ति नगर में खोल रखा था। ये आरोपी कनाडा में रहने वाले लोगों से सोशल बीमा नंबर (एसआइएस) के माध्यम से संपर्क साधते थे और बाद में उन्हें लाखों का चूना लगाते थे। कनाडा के नागरिक एलविस हेनरी ने इन आरोपियों के बारे में दिल्ली पुलिस से शिकायत की थी और बताया था कि उन से करीब 945000 रुपए ठगे गए हैं। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर कॉल सेंटर के बारे में जानकारी जुटाने में जुट गई थी।

गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों के साथ भाजपा

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 17 नवंबर।

गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए विधानसभा में नेता विपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि स्कूलों को मान्यता देने के लिए भाजपा कृतसंकल्प है, भाजपा की दिल्ली में सरकार आने पर यदि संविधान में संशोधन करने की जरूरत पड़ी तो भाजपा इससे भी पीछे नहीं हटेगी। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों को बंद करना चाहती है, लेकिन आज सवाल स्कूलों को बंद करने का नहीं होना चाहिए, बल्कि स्कूलों को मान्यता कैसे मिले इसका होना चाहिए। विधानसभा में भी गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों को मान्यता देने का प्रश्न उठाया था तो मेरा माइक बंद कर दिया गया और मार्शल बुलाकर सदन से बाहर कर दिया गया।

'मैं नहीं हम की सोच से विकसित होता है समाज'

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 17 नवंबर।

मैत्रेयी कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना और यूथ फॉर सेवा की ओर से आयोजित 'नवोदित' उत्सव में दिल्ली के झुग्गियों में रहने वाले बच्चों ने अपने हुनर से जलवा बिखेरा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रक्षा विशेषज्ञ जनरल पीके सहगल ने कहा कि समाज के विकास के लिए मैं नहीं हम की सोच जरूरी है। बच्चों ने अपने नृत्य, नाटक और अपने गीतों से लोगों का दिल जीत लिया।

आयुष्मान भारत के लाभार्थियों का आरएएन के तहत इलाज नहीं

नई दिल्ली, 17 नवंबर (भाषा)।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने आयुष्मान भारत के लाभार्थियों को राष्ट्रीय आरोग्य निधि (आरएएन) के तहत गंभीर बीमारियों पर ज्यादा खर्च वाला उपचार मुहैया कराने के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। मंत्रालय ने सुझाव दिया है कि स्वास्थ्य बीमा योजना में बदलाव किया जा सकता है और इस तरह के रोगियों को इसमें शामिल करने के लिए पांच लाख रुपए की सीमा को बढ़ाया जा सकता है।

एम्स और राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) ने मंत्रालय से आग्रह किया और ऐसे मामलों को उद्धृत किया जिसमें आयुष्मान भारत के लाभार्थी रक्त कैंसर और पुराने यकृत बीमारियों के लिए उपचार नहीं करा सकते क्योंकि ये बीमारियां स्वास्थ्य बीमा योजना में कवर नहीं हैं। आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी- पीएमजेएवाई) के सीईओ को भेजे गए पत्र में स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारी इंदू भूषण ने कहा कि एनएचए और एम्स के सुझावों पर सहमत नहीं हुआ जा सकता क्योंकि दोनों योजनाओं के लिए योग्यता मानक अलग-अलग हैं।

मंत्रालय ने बताया कि राष्ट्रीय आरोग्य निधि

आयुष्मान भारत के लाभार्थियों को आरएएन के तहत गंभीर बीमारियों पर ज्यादा खर्च वाला उपचार मुहैया कराने के प्रस्ताव को स्वास्थ्य मंत्रालय ने ठुकरा दिया है।

के तहत आर्थिक सहायता के लिए योग्यता समय-समय पर राज्यों द्वारा निर्धारित गरीबी रेखा पर आधारित है जबकि पीएमजेएवाई हक पर आधारित योजना है जिसमें हक का निर्णय 2011 के एसईसीसी आंकड़े के मुताबिक होता है। आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा योजना लागू करने वाली शीर्ष संस्था अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान और एनएचए ने स्वास्थ्य मंत्रालय को पत्र लिखकर सुझाव दिया कि अगर रोगी को एबी-पीएमजेएवाई के तहत उपचार नहीं दिया जाता है तो उसे आरएएन योजना के तहत लाभ दिया जा सकता है।

उन्होंने मंत्रालय का ध्यान ऐसे मामलों के रोगियों की तरफ आकर्षित किया जिन्हें पीएमजेएवाई के तहत उपचार नहीं दिया गया क्योंकि वे रक्त कैंसर और पुरानी यकृत बीमारियों से पीड़ित थे, जो योजना के तहत विणित 1,350 मेडिकल पैकेज में शामिल नहीं हैं। ये रोगी आरएएन योजना के तहत भी उपचार हासिल नहीं कर सके क्योंकि वे एबी-पीएमजेएवाई के कार्डधारक हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने खारिज किए जाने का आधार बताते हुए कहा कि पीएमजेएवाई में केंद्र और राज्यों के बीच वित्त वितरण 60 और 40

दल बदलने वालों की सिर्फ योग्यता के आधार पर राकांपा में वापसी : पाटील

पुणे, 17 नवंबर (भाषा)।

राकांपा की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख जयंत पाटील ने रविवार को कहा कि जो लोग विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी को छोड़कर गए थे, उन्हें केवल योग्यता के आधार पर ही फिर से पार्टी में शामिल किया जाएगा।

राकांपा प्रमुख शरद पवार के आवास पर यहां पार्टी की कोर समिति की बैठक से पहले पत्रकारों से बातचीत में पाटील ने कहा कि चुनावों से पहले भाजपा में शामिल होने वाले कई विधायक पार्टी के संपर्क में हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या राकांपा में 'मेगा भर्ती' होगी, इस पर उन्होंने कहा, 'कोई मेगा-भर्ती नहीं होगी। नेताओं को योग्यता के आधार पर पार्टी में शामिल किया जाएगा। पार्टी में उन्हें शामिल करते समय हमें हर निर्वाचन क्षेत्र से उन युवा नेताओं द्वारा दिखायी वफादारी पर विचार करना होगा, जो हमारे साथ रहे।' पाटील ने बताया कि शिवसेना और कांग्रेस के साथ गठबंधन में महाराष्ट्र में सरकार बनाने से संबंधित मुद्दों पर कोर समिति की बैठक में चर्चा होने की संभावना है।

छगन भुजबल, अजीत पवार, जितेंद्र आव्हाड, नवाब मलिक, धनंजय मुंडे, सुप्रिया सुले और सुनील तटकरे के बैठक में शामिल होने की संभावना

छगन भुजबल, अजीत पवार, जितेंद्र आव्हाड, नवाब मलिक, धनंजय मुंडे, सुप्रिया सुले और सुनील तटकरे के बैठक में शामिल होने की संभावना है। पाटील ने इस बात से इनकार किया कि इस बात को लेकर राकांपा में मतभेद हैं कि पार्टी को शिवसेना को समर्थन देना चाहिए या भाजपा को। उन्होंने कहा, 'अंतिम निर्णय शरद पवार लेंगे लेकिन उस पार्टी (भाजपा) के साथ जाने का सवाल ही नहीं है, जिसके खिलाफ राकांपा ने चुनाव लड़ा, ऐसी पार्टी जो वैचारिक रूप से अलग है।'

राष्ट्रपति 20 को नौसेना अकादमी को ध्वज प्रदान करेंगे

कोच्चि (केरल), 17 नवंबर (भाषा)।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविद 20 नवंबर को कन्नूर में में एझिमाला नौसेना अकादमी में भारतीय नौसेना अकादमी को ध्वज प्रदान करेंगे। रविवार को यहां जारी एक रक्षा विज्ञप्ति के अनुसार ध्वज प्रदान किया जाना किसी सैन्य इकाई को दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है।

भारतीय नौसेना अकादमी को यह सम्मान दिया जाना पिछले 50 वर्षों में कोच्चि, गोवा और एझिमाला में तीन अलग-अलग स्थानों पर भारतीय नौसेना के अधिकारियों को दिए गए प्रशिक्षण और उन्हें तैयार करने में संस्थान की उपयोगी सेवा को मान्यता देना है। नौसेना अकादमी पहली बार 1969 में कोच्चि में एक अस्थायी स्थान पर स्थापित की गई थी। प्रशिक्षुओं की संख्या में वृद्धि के साथ, अकादमी को 1986 में गोवा में आइएनएस मांडवी में स्थानांतरित कर दिया गया था। अकादमी को केरल के एझिमाला में स्थायी रूप से स्थापित किया गया, और 8 जनवरी, 2009 को इसका उद्घाटन किया गया।

नक्सलियों ने उड़ाया ड्रोन, देखते ही गोली मारने का आदेश

नई दिल्ली, 17 नवंबर (भाषा)।

माओवादियों द्वारा ड्रोन कब्जाने और उसके संचालन की घटना के हाल में सामने आने के बाद वामपंथी चरमपंथ प्रभावित राज्यों में तैनात सुरक्षा बलों को इन्हें देखते ही गोली मारने के आदेश जारी किए गए हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। यह नया निर्देश केंद्र में स्थित सुरक्षा एवं खुफिया एजंसियों की केंद्रीय कमान द्वारा दिया गया है। हाल में छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में नक्सल हिंसा से सबसे बुरी तरह प्रभावित सुकमा जिले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (केरिपुब) शिविर पर ड्रोन या मानव रहित यान (यूएवी) मंडराने के मामले सामने आने के बाद यह निर्देश दिया गया है।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मौके पर तैनात बलों से साझा किए गए आधिकारिक संदेश के मुताबिक, लाल और सफेद रोशनी उत्सर्जित करने वाले ड्रोन पिछले महीने तीन दिनों में कम से कम चार बार किस्ताराम और पालोडी में केरिपुब शिविर के पास उड़ते देखे गए। ड्रोन द्वारा होने वाली हल्की आवाज ने शिविर में तैनात जवानों का ध्यान खींचा जिसके बाद जवानों ने मोर्चा संभाला और नक्सलियों द्वारा गड़बड़ी फैलाने की आशंका को देखते हुए आसपास के शिविरों को सतर्क किया गया। सूत्रों ने कहा हालांकि सुरक्षा बल जब तक इन ड्रोनों पर लक्ष्य साधकर उन्हें मार गिराते ये छोटे मानवरहित यान आसमान में गायब हो गए।

इस घटनाक्रम के सामने आने के बाद सुरक्षा प्रतिष्ठानों ने मामले की जांच शुरू की

लाल और सफेद रोशनी उत्सर्जित करने वाले ड्रोन पिछले महीने तीन दिनों में कम से कम चार बार किस्ताराम और पालोडी में केरिपुब शिविर के पास उड़ते देखे गए।

जिसके बाद खुफिया एजंसियां मुंबई के एक दुकानदार के पास पहुंची जिसके बारे में संदेह है कि उसने अज्ञात लोगों को ड्रोन बेचे। ये लोग संभवतः नक्सली थे। सूत्रों ने कहा कि इस संबंध में जांच जारी है।

खुफिया एजंसियां खास तौर पर दो शिविरों को लेकर चिंतित हैं जहां ड्रोन देखे गए। ये दोनों शिविर नक्सल प्रभाव वाले इलाके में हैं जहां समुचित सड़क संपर्क नहीं है और नियमित रूप से इसके आसपास सशस्त्र माओवादियों की आवाजाही देखी गई है क्योंकि इस इलाके की सीमा ओड़ीशा, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश के जंगल से सटे इलाकों से लगती है। इस गतिविधि से जुड़ी जानकारी रखने वाले एक शीर्ष सुरक्षा अधिकारी ने कहा, 'यह घटनाक्रम गंभीर चिंता का विषय है। माओवादियों द्वारा ड्रोन रखना और उसका इस्तेमाल करना एक नई चुनौती है और सुरक्षा बलों को लंबे समय से इसकी आशंका थी। यह अब सामने आया है।'

उन्होंने कहा, 'वामपंथी चरमपंथ प्रभावित सभी राज्यों में सुरक्षा बलों को नक्सलियों द्वारा संचालित ऐसे ड्रोनों या मानवरहित यान को देखते ही मार गिराने का आदेश दिया गया है।' शुरुआती विश्लेषण में सामने आया कि जो ड्रोन देखे गए वो ऐसे थे जिनका इस्तेमाल शादी या सार्वजनिक सभाओं जैसे सामाजिक कार्यक्रमों में किया जाता है। एजंसियों को शक है कि नक्सलियों ने हाल में ये छोटे ड्रोन हासिल किए हैं जिनका उद्देश्य सुरक्षा बलों के शिविरों से जुड़ी जानकारियां हासिल करना, उनकी गतिविधियों पर नजर रखना आदि है।

मौजूदा आरक्षण में ही कश्मीरी पंडितों को भी दाखिले में छूट

नई दिल्ली, 17 नवंबर (भाषा)।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि उच्च शिक्षण संस्थानों में दाखिले के लिए कश्मीरी विस्थापितों के बच्चों को जो छूट दी जाती है, वह रियायत घाटी में रह रहे कश्मीरी पंडितों को मौजूदा आरक्षण के भीतर ही दी जाएगी।

मंत्रालय ने पिछले महीने निर्णय किया था कि कश्मीरी विस्थापितों को जो छूट उपलब्ध है, उसे घाटी में रह रहे कश्मीरी पंडित परिवारों को भी दिया जाएगा। यह छूट देश के अन्य हिस्सों में उच्च शिक्षण संस्थानों में 2020-21 के शैक्षणिक सत्र से शुरू होने वाले दाखिलों में लागू होगी। अधिसूचना जारी होने के बाद मंत्रालय से इस संबंध में शिक्षण संस्थानों पूछा था कि क्या यह पांच फीसद आरक्षण मौजूदा आरक्षण में से ही है या उससे अलग है।

इस पर मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि कश्मीरी विस्थापितों और घाटी में रह रहे कश्मीरी पंडितों के बच्चों के लिए उच्च शिक्षण संस्थानों में शैक्षणिक सत्र 2020-21 से और उससे आगे अगला आदेश आने तक आरक्षण मौजूदा व्यवस्था के तहत दिया जाएगा।

होसकोटे में अरबपति उम्मीदवारों के बीच चुनावी मुकाबला

बंगलुरु, 17 नवंबर (भाषा)।

कर्नाटक में पांच दिसंबर को होने वाले उपचुनावों में जिन 15 विधानसभा सीटों पर मतदान होना है, उनमें होसकोटे एक ऐसी सीट है जहां सारे उम्मीदवार अरबपति हैं। बंगलुरु के पास स्थित विधानसभा सीट पर भाजपा, कांग्रेस और जद (सेकु) समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार के बीच त्रिकोणीय मुकाबला है।

कर्नाटक विधानसभा उपचुनाव

सत्तारूढ़ भाजपा ने अयोग्य ठहराए गए कांग्रेस के पूर्व विधायक एमटीबी नागराज को अपना उम्मीदवार बनाया है, वहीं कांग्रेस ने हेब्बल के विधायक बी सुरेश की पत्नी पद्मावती को प्रत्याशी चुना है। जद (सेकु) ने अपना उम्मीदवार नहीं उतारने का फैसला किया है और भाजपा के बागी सरत बाचेगौड़ा को समर्थन दिया है जो निर्दलीय किस्मत आजमा रहे हैं।

नागराज के चुनावी हलफनामे के अनुसार उनकी कुल संपत्ति करीब 1,200 करोड़ रुपए की है जो पिछले 18 महीने में 180 करोड़ रुपए बढ़ी है। पिछले दिनों अयोग्य करार दिए गए 17 विधायकों में शामिल नागराज के पास 419.28 करोड़ रुपए चल संपत्ति, वहीं उनकी पत्नी एम शांताकुमारी के नाम 167.34 करोड़ रुपए की चल संपत्ति है। नागराज के पास प्राडो, फॉर्च्यूनर, बेंज, बोलेरो, लैंड रोवन और एक आइ10 कार है, जिनकी कुल कीमत 2.54 करोड़ रुपए है, वहीं उनकी पत्नी के नाम 1.72 करोड़ रुपए कीमत की पोर्श कार है।

कांग्रेस उम्मीदवार पद्मावती और उनके विधायक पति बी सुरेश की कुल संपत्ति 424 करोड़ रुपये की है। पद्मावती के चुनाव हलफनामे के मुताबिक उनका पेशा कारोबार है। दोनों के पास 16.63 करोड़ रुपए की चल संपत्ति और 407 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति है। संपत्ति में बड़ी हिस्सेदारी सुरेश की है। दोनों के पास 3.13 करोड़ रुपए कीमत की कारें हैं। निर्दलीय उम्मीदवार सरत बाचेगौड़ा ने हलफनामे में पत्नी प्रतिभा के साथ 138 करोड़ रुपए की संपत्ति घोषित की है। चिकबल्लापुरा से भाजपा सांसद बीएन बाचेगौड़ा के बेटे सरत ने अपना पेशा लोक सेवा और कारोबार बताया है।

निर्वाचन आयोग शेषन की याद में पीठ की स्थापना करेगा

अमदाबाद, 17 नवंबर (भाषा)।

निर्वाचन आयोग ने पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन शेषन की स्मृति में दिल्ली स्थित भारतीय अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन संस्थान में एक पीठ की स्थापना करने का निर्णय लिया है। मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा ने शनिवार को यह घोषणा की।

शेषन का 10 नवंबर को निधन हो गया। वह 1990 के दशक में आदर्श आचार संहिता और चुनाव सुधारों को दृढ़ता से लागू करने वाले व्यक्ति के रूप में जाने जाते हैं।

smartlink HOLDINGS

SMARTLINK HOLDINGS LIMITED

(Formerly known as Smartlink Network Systems Limited)

CIN: L67100GA1993PLC001341
Registered Office: L-7, Verna Industrial Estate, Verna, Salcete, Goa, 403722;
Tel.: (0832) 288 5400; Fax: (0832) 278 3395; E-mail: Company.Secretary@smartlinkholdings.com; Website: www.smartlinkholdings.com

POST BUYBACK PUBLIC ADVERTISEMENT FOR THE ATTENTION OF THE EQUITY SHAREHOLERS/BENEFICIAL OWNERS OF EQUITY SHARES OF SMARTLINK HOLDINGS LIMITED (FORMERLY KNOWN A S SMARTLINK NETWORK SYSTEMS LIMITED)

This post buyback public advertisement (the "**Post Buyback Public Advertisement**") regarding completion of the Buyback by Smartlink Holdings Limited of its fully paid-up equity shares of face value of ₹ 2 each ("**Equity Share**") from the equity shareholders/ beneficial owners of the Company ("**Equity Shareholders**") is being published pursuant to Regulation 24(vi) of the Securities and Exchange Board of India (Buy-Back of Securities) Regulations, 2018 ("**Buyback Regulations**").

The Post Buyback Public Advertisement shall be read in conjunction with the public announcement dated 1 August 2019 published on 2 August 2019 (the "**PA or Public Announcement**"), the letter of offer dated 5 October 2019 (the "**LOF or Letter of Offer**") and the corrigendum to the Letter of Offer dated 15 October 2019 ("**Corrigendum to LoF**").

All terms used but not defined in this Post Buyback Public Advertisement shall have the same meanings as assigned in the Public Announcement and the Letter of Offer.

1. THE BUYBACK

1.1 Smartlink Holdings Limited ("**Company**") had announced the Buyback of 36,50,000 (Thirty Six Lakh Fifty Thousand Only) Equity Shares, that represents 21.53% of the total issued and paid up equity share capital of the Company as on 31 March 2019, on a proportionate basis, from all the Equity Shareholders holding Equity Shares as on 13 August 2019 ("**Record Date**"), through the "Tender Offer" route at a price of ₹ 130 (Rupees One Hundred and Thirty Only) per Equity Share payable in cash, for an amount aggregating to ₹ 47,45,00,000 (Rupees Forty Seven Crore Forty Five Lakh Only) ("**Buyback Size**", and such buyback of Equity Shares, "**Buyback**"). The Buyback Size is 19.65% and 19.96% of the aggregate of the total paid-up equity share capital and free reserves of the Company on standalone and consolidated basis as per the latest audited standalone and consolidated balance sheet as on 31 March 2018, respectively.

1.2 The Company has adopted the Tender Offer route for the purpose of the Buyback. The Buyback was implemented using the "Mechanism for acquisition of shares through Stock Exchange" notified by the Securities and Exchange Board of India ("**SEBI**") vide circular CIR/CFD/POLICYCELL/1/2015 dated April 13,2015 as amended via SEBI circular CFD/DCR2/CIR/P/2016/131 dated December 9, 2016, including any amendments thereof.

1.3 The tendering period for the Buyback Offer opened on 16 October 2019 (Friday) and closed on 4 November 2019 (Monday).

2. DETAILS OF BUYBACK

2.1 36,50,000 (Thirty Six Lakh Fifty Thousand Only) Equity Shares were bought back pursuant to the Buyback, at a price of ₹ 130/- (Rupees One Hundred and Thirty Only) per Equity Share.

2.2 The total amount utilized in the Buyback is ₹ 47,45,00,000 (Rupees Forty Seven Crore Forty Five Lakh Only) excluding transaction costs viz. brokerage, advisors' fees, printing and dispatch expenses, applicable taxes such as securities transaction tax, goods and service tax, buyback tax, stamp duty and other related and incidental expenses.

2.3 The Registrar to the Buyback i.e., Karvy Fintech Private Limited ("**Registrar**"), considered 2,352 (Two Thousand Three Hundred and Fifty Two Only) valid bids for 1,46,81,931 (One Crore Forty Six Lakhs Eighty One Thousand Nine Hundred and Thirty One Only) Equity Shares in response to the Buyback resulting in the subscription of approximately 4.02 times the maximum number of Equity Shares proposed to be bought back. The details of the valid applications considered by the Registrar are as follows:

Category	No. of Equity Shares reserved in Buyback	No. of Valid Bids	Total Equity Shares Validly Tendered	% Response
Reserved category for Small Shareholders	5,47,500	2,225	9,77,176	178.48
General Category for all other Equity Shareholders	31,02,500	127	1,37,04,755	441.73
Total	**36,50,000**	**2,352**	**1,46,81,931**	**402.24**

2.4 All valid applications were considered for the purpose of acceptance in accordance with the Buyback Regulations and the Letter of Offer. The communication of acceptance/rejection, as the case may be, has been dispatched by the Registrar to the eligible Equity Shareholders on 13 November 2019.

2.5 The settlement of all valid bids was completed by Indian Clearing Corporation Limited ("**Clearing Corporation**"), on 13 November 2019. The Clearing Corporation has made direct funds payout to Eligible Shareholders whose Equity Shares have been accepted under the Buyback. If Eligible Shareholders' bank account details were not available or if the funds transfer instruction was rejected by Reserve Bank of India/ respective bank, due to any reason, such funds were transferred to the concerned Seller Broker's settlement bank account for onward transfer to such Eligible Shareholders.

2.6 The dematerialized Equity Shares accepted under the Buyback were transferred to the Company's demat escrow account on 14 November 2019 (Thursday). The unaccepted dematerialized Equity Shares were returned to respective seller members/ custodians by the Clearing Corporation on 14 November 2019 (Thursday).

2.7 The extinguishment of 36,50,000 (Thirty Six Lakh Fifty Thousand) Equity Shares accepted under the Buyback, comprising of 1,33,00,000 (One Crore Thirty Three Lakhs Only) Equity Shares in dematerialized form are currently under process and shall be completed by 29 November 2019.

2.8 All Equity Shareholders holding the Equity Shares in the physical form shall note that in accordance with the proviso to Regulation 40(1) of the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 (notified by the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) (Fourth Amendment) Regulations, 2018), effective from 1 April 2019, read with notice no. 20190424-35 issued by the BSE dated 24 April 2019, and circular no. 51/2019 issued by the NSE dated 9 May 2019, effective from 1 April 2019, any transfer of Equity Shares shall not be processed unless such Equity Shares are held in the dematerialized form with a depository. No Equity Shares were tendered in physical form.

2.9 The Company and its respective directors, accept full responsibility for the information contained in this Post Buyback Public Advertisement and also accepts responsibility for the obligations of the Company in accordance with the Buyback Regulations.

3. CAPITAL STRUCTURE AND SHAREHOLDING PATTERN

3.1 The capital structure of the Company, prior to the Buyback (as on the Record Date) and the capital structure of the Company post the completion of the Buyback is as follows:

Sr. No.	Particulars	Pre Buyback*		Post Buyback**	
		No. of Shares	Amount (in ₹ Lacs)	No. of Shares	Amount (in ₹ Lacs)
1.	**Authorised Share Capital**	3,50,00,000 Equity Shares of ₹2/- each	700.00	3,50,00,000 Equity Shares of ₹2/- each	700.00
2.	**Issued, Subscribed and Paid-Up Share Capital**	1,69,50,000 fully paid-up Equity Shares of ₹2/- each	339.00	1,33,00,000 fully paid-up Equity Shares of ₹2/- each	266.00

*As on Record Date.
** Subject to extinguishment of 36,50,000 (Thirty Six Lakh Fifty Thousand) Equity Shares.

3.2. Details of Equity Shareholders from whom Equity Shares exceeding 1% (of the total Equity Shares bought back) have been accepted under the Buyback are as follows:

Sr. No	Name	Number of Equity Shares accepted under the Buyback	Equity Shares accepted as a % of total Equity Shares bought back (%)	Equity Shares accepted as a % of total Post Buyback Equity Shares Capital of the Company (%)
1	Kamalaksha Rama Naik	19,07,763	52.27	14.34
2	Arati Kamalaksha Naik	3,80,616	10.43	2.86
3	Lakshana Amit Sharma	3,10,564	8.51	2.34
4	Sudha Kamalaksha Naik	1,90,316	5.21	1.43
5	Zen Securities Ltd	92,066	2.52	0.69
6	Kamalaksha Rama Naik	41,401	1.13	0.31

3.3. The shareholding pattern of the Company, prior to the Buyback (as on the Record Date) and the shareholding pattern of the Company post the completion of the Buyback is as follows:

Particulars	Pre Buyback*		Post Buyback**	
	Number of Shares	% to existing share capital	No. of Shares post Buyback	% of holding post Buyback
Promoters	1,26,05643	74.37	9,775,183	73.50
Foreign Investors OCBs/FIIs/NRIs/ Non-residents/Non-domestic companies)	76,718	0.45	3,524,917	26.50
Indian Financial Institutions/ Banks/ Mutual Funds/Govt. Companies	2,230	0.01		
Public including other Bodies Corporate	42,65,209	25.16		
Total	1,69,50,000	100.00	1,33,00,000	100.00

* As on Record Date.
** Subject to extinguishment of 36,50,000 (Thirty Six Lakh Fifty Thousand) Equity Shares.

4. MANAGER TO THE BUYBACK

ICICI Securities

ICICI SECURITIES LIMITED
Address: ICICI Centre, H.T. Parekh Marg, Churchgate, Mumbai – 400 020.
Phone: +91 22 2288 2460
Fax: +91 22 2282 6580
Contact Person: Arjun A Mehrotra/Sameer Purohit
Email: smartlinks.buyback@icicisecurities.com
SEBI Registration Number: INM000011179
Validity period: Permanent
CIN: L67120MH1995PLC086241

5. DIRECTOR'S RESPONSIBILITY

As per Regulation 24(i)(a) of the Buyback Regulations, the Board of Directors of the Company accept full responsibility for the information contained in this Post Buyback Public Advertisement or any other advertisement, circular, brochure, publicity material which may be issued and confirms that such document contains true, factual and material information and does not contain any misleading information.

For and on behalf of all members of the Board of Directors of Smartlink Holdings Limited

Sd/-	Sd/-	Sd/-
Kamalaksha Naik	**K. M. Gaonkar**	**Urjita Damle**
DIN: 00002013	**DIN: 00002425**	**Company Secretary & Compliance Officer**
		ICSI Membership No. A24654

Date : November 15, 2019
Place : Mumbai

PRESSWAY

जनसत्ता

18 नवंबर, 2019

विद्रोह की आग

उत्तर प्रदेश के उन्नाव में जिस तरह किसानों का गुस्सा फूटा, वह वहां की प्रशासनिक खामियों को रेखांकित करता है। उन्नाव में बन रही गंगा ट्रांस सिटी के लिए अधिग्रहीत जमीन पर जब शनिवार को निर्माण के लिए कार्यदल पहुंचा तो किसानों ने उन्हें काम करने से रोक दिया। इस पर पुलिस और किसानों के बीच झड़पें हुईं। पुलिस ने बल प्रयोग करने का प्रयास किया, तो किसानों ने पथराव शुरू कर दिया, कई वाहनों में तोड़फोड़ की। रविवार को आंदोलन ने और उग्र रूप ले लिया। किसानों ने पथराव किया और वहां के बिजली विभाग के केंद्र पर आगजनी कर दी। इसमें कई पुलिस अधिकारी और कर्मी घायल हुए, तो कुछ किसानों को भी गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने आधा दर्जन लोगों को गिरफ्तार किया, तो करीब दो सौ अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। बताया जा रहा है कि किसानों का आंदोलन शांतिपूर्वक चल रहा था, पर उसमें कुछ उपद्रवी तत्त्व शामिल हो गए और उन्होंने आंदोलन को हिंसक रूप दे दिया। किसान अपनी जमीन के मुआवजे को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। करीब तीन साल से यह आंदोलन चल रहा है।

उत्तर प्रदेश प्रशासन का कहना है कि किसानों को उनकी जमीन का पूरा मुआवजा भुगतान कर दिया गया है। फिर किसान क्यों आंदोलन कर रहे हैं, यह समझ से परे है। करीब ढाई साल पहले उन्नाव के जिलाधिकारी ने आश्वासन दिया था कि वे इसके लिए विशेष दल गठित कर मामले का निपटारा कराने का प्रयास करेंगे। मगर अब तक प्रशासन की तरफ से कोई संतोषजनक नतीजा सामने नहीं आ पाया है, जिसकी वजह से किसान आंदोलन पर उतर आए हैं। इस तरह विकास परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण में पारदर्शिता न बरते जाने या फिर अधिग्रहीत भूमि के मुआवजे की रकम का संतोषजनक भुगतान न हो पाने की वजह से देश के विभिन्न हिस्सों से किसानों और आदिवासियों के आंदोलन उभरते रहे हैं। कई बार ऐसे आंदोलन हिंसक रूप भी अख्तियार कर लेते रहे हैं। हालांकि पुराने अनेक मामलों के मद्देनजर भूमि अधिग्रहण कानून को काफी पारदर्शी बनाने का प्रयास किया गया है। इसमें मुआवजे की रकम भी बाजार भाव से अधिक रखी गई है। किसानों की मंजूरी के बिना भूमि अधिग्रहण नहीं किया जा सकता। पर हकीकत बहुत सारी जगहों पर उलट नजर आती है। भूमि अधिग्रहण के लिए प्रशासन बल का प्रयोग या फिर मनमानी करता है। उसमें मुआवजे की रकम पर भी अड़चनें देखी जाती हैं। उन्नाव में बन रहे गंगा ट्रांस सिटी के मामले में भी ऐसी ही तकनीकी दिक्कतें हैं।

भूमि अधिग्रहण कानून में बदलाव से अब मुआवजे की रकम बाजार भाव से अधिक तो मिलने लगी है, पर इसके भुगतान में जिस तरह सरकारी अमले का भ्रष्ट आचरण अड़चनें पैदा करता है, वह किसी से छिपा नहीं है। इसे लेकर उत्तर प्रदेश प्रशासन पर कुछ अधिक अंगुलियां उठती रही हैं। इसलिए उन्नाव में किसानों के मुआवजे के भुगतान में विलंब हुआ है या फिर उन्हें उचित मुआवजा नहीं मिला है, तो उनका रोष समझा जा सकता है। हालांकि एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में हिंसा के रास्ते अपनी बात मनवाने का तरीका उचित नहीं कहा जा सकता। मगर इसमें प्रशासनिक लापरवाही की ओर से भी सरकार आंखें नहीं मूंद सकती।

सबक और चुनौती

सुप्रीम कोर्ट के सख्त निर्देशों और सरकारों को डांट-फटकार व चेतावनियों के बावजूद दिल्ली सहित उत्तर भारत के बड़े हिस्से में वायु प्रदूषण से निपटने को लेकर सरकारी तंत्र और जनप्रतिनिधियों में जिस तरह की उदासीनता और लापरवाही देखने को मिल रही है, वह हतप्रभ करने वाली है। ताजा मामला यह है कि शुक्रवार को शहरी विकास मंत्रालय से जुड़ी संसद की स्थायी समिति ने दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण के मुद्दे पर बैठक बुलाई थी, जिसमें सभी सदस्य सांसदों, पर्यावरण मंत्रालय, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और नगर निकायों के अधिकारियों को पहुंचना था। हैरानी की बात यह है कि उनतीस में पच्चीस सांसद बैठक से नदारद रहे। ज्यादातर वरिष्ठ अधिकारियों ने भी इसे कोई तवज्जो नहीं दी। नतीजा यह हुआ कि बैठक रद्द करनी पड़ी। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के इस गैरजिम्मेदाराना व्यवहार से यह परिलक्षित होता है कि उनके लिए न तो वायु प्रदूषण का मुद्दा कोई अहमियत रखता है, न सरकार व सर्वोच्च अदालत के निर्देश। जबकि सबको पता है कि दिल्ली की जहरीली हवा को लेकर प्रधानमंत्री चिंता व्यक्त कर चुके हैं।

दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए प्रयासों के नाम पर जो किया जा रहा है, उससे सर्वोच्च अदालत भी संतुष्ट नहीं है। इसीलिए उसे यह कहना पड़ा है कि दिल्ली सरकार की सम-विषम योजना एक तरह से आधा अधूरा प्रयास है। सम-विषम योजना के पीछे मूल भावना को लेकर किसी तरह का कोई संदेह नहीं है, लेकिन जिस तरह से इसे लागू किया जाता रहा है, उससे इस पर सवाल खड़े होते हैं। आपत्ति का बड़ा कारण तो दोपहिया, तिपहिया वाहनों को छूट दी गई है। फिर महिलाओं को इससे अलग रखा गया है। अगर वायु प्रदूषण से निपटने के लिए कोई ठोस योजना लागू करनी है तो उसे सब पर लागू किया जाना चाहिए, तभी उनके नतीजे देखने को मिलेंगे। दुपहिया और तिपहिया से होने वाले प्रदूषण की भागीदारी कारों के प्रदूषण से काफी ज्यादा है। सम-विषम योजना से छूट के प्रावधान इसकी गंभीरता को कम करते हैं।

सच्चाई यह है कि हम वायु प्रदूषण को लेकर केवल विलाप कर रहे हैं, लेकिन उससे निपटने के उपाय खोजने के लिए हमारे पास वक्त है, न इच्छाशक्ति। वायु प्रदूषण से निपटने के नाम पर जो थोड़ा-बहुत कुछ होता दिख रहा है, वह सिर्फ सर्वोच्च अदालत के डंडे का असर है। सुप्रीम कोर्ट ने इस समस्या से पार पाने के लिए दुनिया की अच्छी से अच्छी तकनीक इस्तेमाल करने को कहा है। उसी के बाद सरकार ने चीन की तर्ज पर स्मॉग टावर बनाने की बात कही। भारत में एक से बढ़ कर एक वैज्ञानिक संस्थान, वैज्ञानिक, तकनीकीविद, नौकरशाह सब हैं, लेकिन हैरत की बात यह है कि स्मॉग टावर लगाने, पराली नष्ट करने के विकल्प तलाशने की बात अब हो रही है, जबकि दिल्ली पिछले कई सालों से इस गंभीर संकट से जूझ रही है। दुख की बात यह है कि मिल कर प्रयास करने के बजाय इस पर राजनीति ज्यादा हो रही है, राजनीतिक दल एक-दूसरे की टांग खिंचाई में लगे हैं, आरोप-प्रत्यारोपों का दौर जारी है। वायु प्रदूषण से उत्पन्न गंभीर हालात पर अगर सर्वोच्च अदालत सक्रियता और कड़ा रुख नहीं दिखाती तो सरकारें शायद इतना भी नहीं करतीं और लोगों को मरने के लिए छोड़ दिया जाता।

कल्पमेधा

धार्मिकता पिछड़ेपन का ठप्पा है। दिमागी पिछड़ापन जितना ज्यादा होगा, धार्मिक प्रवृत्तियां उतनी ही मजबूत होंगी।

– एम. एन. रॉय

ब्रिक्स की बाधाएं और भविष्य

विकेश कुमार बडोला

ब्रिक्स देश परस्पर व्यापार, निवेश और अन्य द्विपक्षीय गतिविधियों के आदान-प्रदान के लिए यूरोपीय नीतियों के विपरीत जो सांगठनिक व्यवस्था स्थापित करना चाहते हैं, वह उस स्थिति में उपयोगी कैसे हो सकती है जिसमें ब्रिक्स के सदस्य देश अमेरिका सहित यूरोपीय और अन्य विकसित देशों के साथ एकल रूप में अपने व्यापारिक समझौते कर चुके हैं, कर रहे हैं और भविष्य में भी करते रहेंगे। यह एक बड़ी चुनौती है।

ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया में संपन्न ब्रिक्स के ग्यारहवें सम्मेलन का मुख्य विषय था 'ब्रिक्स : एक उन्नत भविष्य के लिए आर्थिक प्रगति' था। पांचों सदस्य देशों ने अपनी आवश्यकताओं और नवोन्मेषी प्रौद्योगिकियों को ब्रिक्स देशों के बीच संचालित करने के विषय सम्मेलन में रखे। सम्मेलन की समाप्ति पर जो साझा बयान जारी किया, उसमें सदस्य देशों के बीच परस्पर संपर्क और विश्व व्यवस्था, विशेषरूप से वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ ब्रिक्स के समुचित संपर्कों की रूपरेखा और उपलब्धियों का उल्लेख है। ब्रिक्स राष्ट्रों ने उन्नत ब्रिक्स कार्यक्रम की अद्यतन रूपरेखा अपनाने, ब्रिक्स ऊर्जा (भारत की पहल पर सौर ऊर्जा) सहयोग मंच साकार करने, ब्रिक्स महिला व्यवसाय संस्था का गठन करने, ब्रिक्स व्यापार व निवेश से जुड़ी कंपनियों और एजेंसियों के बीच हस्ताक्षरित सहमतियों-समझौतों को ठोस स्वरूप प्रदान करने की दिशा में सहमति जताई। रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने ब्रिक्स के मध्य सूचना और कंप्यूटिंग के क्षेत्र में सुरक्षात्मक सहयोग बढ़ाने पर बल दिया। पुतिन के अनुसार वे ब्रिक्स सहित अन्य देशों को उनके अपने देश में विकसित की गई उन अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के उपयोग की सलाह देना पंसद करेंगे, जो सूचना व कंप्यूटिंग आधारित वैश्विक लेन-देन को मौलिक एंटी-वायरस कार्यक्रमों से सर्वोत्तम सुरक्षा उपलब्ध कराती हैं। पुतिन ने ब्रिक्स देशों के लिए एक आंकड़ा-विनिमय कार्यक्रम का प्रस्ताव भी रखा है।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने विश्वस्तर पर बढ़ रहे संरक्षणवाद और आर्थिक चुनौतियों के संदर्भ में चिंता व्यक्त की। इस संदर्भ में उनका साफ इशारा अमेरिका की ओर था। जिनपिंग का कहना था कि व्यावसायिक संरक्षण की नीतियों ने व्यापक संकट उत्पन्न कर दिया है और इससे न केवल अंतरराष्ट्रीय व्यापार और निवेश प्रभावित हुआ है, बल्कि वैश्विक आर्थिक प्रगति भी प्रभावित हुई है। हालांकि अमेरिका से व्यापार युद्ध में उलझने के बाद वैश्विक आर्थिक मंदी का एक कालखंड व्यतीत हो रहा है, फिर भी चीन की विकास दर प्रशंसनीय है और इसीलिए चीन का अर्थतंत्र संपूर्ण विश्व के लिए व्यापार के सुनहरे अवसर उपलब्ध कराने का एक आकर्षक स्थल बना हुआ है।

भारत ने ब्रिक्स सम्मेलन में ब्रिक्स देशों के बीच कराधान और सीमा शुल्क प्रक्रिया को आसान बनाए जाने के संदर्भ में उत्साह प्रदर्शित किया। भारत का मानना है कि सदस्य देशों के मध्य व्यवसाय का हितकारी वातावरण बन रहा है। भारत की दृष्टि में अंतर-ब्रिक्स व्यापार और निवेश लक्ष्यों को अधिक महत्त्वाकांक्षी अवश्य होना चाहिए। सदस्य देशों द्वारा व्यापार लागतों में कटौती किए जाने की बात पर भारत ने सहमति दिखाई और इसे उपयोगी बताया। भारत का कहना था कि ब्रिक्स को आगामी दस वर्षों में प्राथमिकता पर आधारित कुछ व्यवसाय के क्षेत्रों की पहचान करनी चाहिए और इसके बलबूते हम अंतर-ब्रिक्स सहयोग की रूपरेखा बनानी ताहिए। भारत का लक्ष्य वर्ष 2024 तक पांच खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का है। ऐसे में ब्रिक्स देशों के लिए भारत में निवेश करने के लिए यह बड़ा मौका है। ब्राजील ने ब्रिक्स के आयोजक के रूप में कुछ प्राथमिकताएं निर्धारित कीं, जिन पर वह सदस्यों देशों से सहयोग चाहता है। इन प्राथमिकताओं में नवप्रवर्तन, अंतरराष्ट्रीय अपराध के विरुद्ध अभियान छेड़ना, स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग, व्यापार तथा निवेश को बढ़ाना जैसे कदम शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका ने अपने देश में व्याप्त बेरोजगारी, गरीबी और असमानतामूलक सामाजिक स्थिति से उबरने के लिए सदस्य देशों के बीच व्यापार, निवेश, पर्यटन, क्षमता विकास, कौशल और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की नीतियों को सामूहिक कार्यसंकल्प से जोड़ने की प्रतिबद्धता दिखाई।

ब्रिक्स समूह विश्व की पांच प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं का संगठन है। इसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। इन देशों में विश्व की बयालीस फीसद जनसंख्या रहती है। वैश्विक जीडीपी का तेईस फीसद इनके खाते मे हैं। दुनिया का तीस फीसद भूभाग इस समूह के सदस्यों के पास है और इन पांचों देशों के बीच विश्व का अठारह फीसद व्यापार होता है। ब्रिक्स देशों के प्रमुख नेता वार्षिक सम्मलेन में जो भावी कार्ययोजनाएं प्रस्तुत करते हैं, वस्तुतः उनकी रूपरेखा इन देशों के व्यापारिक प्रतिनिधिमंडलों द्वारा व्यापक स्तर पर की गई परस्पर वार्ताओं के बाद तैयार की जाती है। अनेक बार की गई ऐसी वार्ताओं के बाद ब्रिक्स देशों के शीर्ष रणनीतिकारों को लगता है कि पांचों देशों की विभिन्न समस्याओं के उन्मूलन के लिए ब्रिक्स के वित्तीय संस्थानों को सशक्त बनाए जाने की आवश्यकता है।

हालांकि इस बैठक में भारत ने अपने संबोधन में आतंकवाद का मुद्दा भी उठाया और विश्व में आतंक के कारण दस खरब डॉलर की क्षति का वर्णन किया, पर लगता नहीं है कि आतंकवाद से निपटने के लिए भारत को छोड़ कोई अन्य ब्रिक्स देश बड़ी और व्यापक भागीदार करने के पक्ष में है। ब्राजील में मादक पदार्थों की अत्यधिक खपत के कारण वहां अपराध काफी ज्यादा होते हैं, परंतु यदि इस अपराध को ब्राजील उस आतंक के समान समझता है, जो पाकिस्तान और जम्मू एवं कश्मीर के रास्ते भारत विगत तीन दशकों से झेल रहा है तो यह ब्राजील की भूल है। ब्रिक्स में आतंकवाद और इसके कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था को होने वाले आर्थिक नुकसान का जिक्र करना भारतीय कूटनीति का एक हिस्सा है, पर अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ब्रिक्स के बाकी सदस्य देश इस पर भारत ही की तरह गंभीर हैं कि नहीं।

ब्रिक्स देश परस्पर व्यापार, निवेश और अन्य द्विपक्षीय गतिविधियों के आदान-प्रदान के लिए यूरोपीय नीतियों के विपरीत जो सांगठनिक व्यवस्था स्थापित करना चाहते हैं, वह उस स्थिति में उपयोगी कैसे हो सकती है जिसमें ब्रिक्स के सदस्य देश अमेरिका सहित यूरोपीय और अन्य विकसित देशों के साथ एकल रूप में अपने व्यापारिक समझौते कर चुके हैं, कर रहे हैं और भविष्य में भी करते रहेंगे। यह एक बड़ी चुनौती है। अनेक पारस्परिक आवश्यकताओं के लिए बहुत ही सरलतापूर्वक विश्वग्राम में परिवर्तित हो चुके विश्व में भला ब्रिक्स के स्तर पर तैयार नव आर्थिक नीतियां दीर्घकाल तक लाभकारी कैसे हो सकती हैं, इस बिंदु पर भी विचार किए जाने की आवश्यकता है।

ब्रिक्स में चीन, भारत और रूस महत्त्वपूर्ण देश हैं। इनमें से भी चीन की व्यापारिक कार्ययोजनाएं किसी एक संगठन या समूह को विश्वास में लेकर संचालित नहीं होती। कुछ साल पहले तक भारत भी ब्रिक्स की नीतियों को पांचों देशों के हितों के अनुकूल लागू करने में असमर्थ था। ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका में ऐसी ही स्थितियां अब भी हैं। वस्तुतः इन देशों की शासकीय प्रणाली पारदर्शिता के अभाव से जूझ रही है। जहां ब्राजील मादक पदार्थों की अवैध तस्करी के संगठित व्यापार से गंभीर भ्रष्टाचार में फंसा है, वहीं दक्षिण अफ्रीका में शासकीय अयोग्यता के कारण राष्ट्रीय नीतियां ब्रिक्स के संकल्पों के अनुकूल नहीं ढल पा रहीं। रूस का बिजनेस बेस स्टेट-ऑफ-द-आर्ट प्रौद्योगिकी पर अधिक निर्भर है, जिसमें ब्रिक्स के सदस्य देशों में से केवल भारत व चीन ही कुछ सीमा तक व्यापारिक भागीदारी निभा पाते हैं। यही कारण है कि ब्रिक्स के देशों की संपूर्ण आबादी विश्व की चालीस फीसद होने के बाद भी इनके बीच केवल दस फीसद कारोबार हो पा रहा है।

विनम्रता के बजाय

अतुल चतुर्वेदी

दुनिया मेरे आगे

भले ही अंग्रेज हमें 'सॉरी' कहना सिखा गए हों, लेकिन हमने उसके भाव को आज भी समझने की कोशिश नहीं की है, केवल शब्द को रट लिया है। उसकी मूल चेतना तक हम नहीं पहुंच सके हैं। तेजी से समाज में क्षमा का भाव लुप्त होता जा रहा है, बल्कि हम किसी से अपनी गलती बोल कर मानना तो दूर, उसका अहसास तक नहीं करना चाहते हैं। अपने बच्चों को भी हम यह शिक्षा घरों में नहीं देते दिखते कि कोई गलती या छोटा-मोटा अपराध हो जाए तो तुरंत माफी मांग लो! एक समय राजनीतिक शुचिता का आलम यह था कि किसी मंत्री के महकमे में कोई गलती हो जाए तो वह उसकी जिम्मेदारी लेते हुए तुरंत अपने पद से इस्तीफा दे देता था। आज उसका इस्तीफा तो दूर, पार्टी अपने स्तर पर पहले तो उसे बचाने का भरसक प्रयास करती है और बहुत दबाव होने पर ही संबंधित मंत्री का इस्तीफा लिया जाता है।

गलत या अशोभनीय बयान देने पर भी ग्लानि भाव की जगह नेता मीडिया पर दोष लगाते हुए उसे तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया बताते रहते हैं। व्यक्तिगत जीवन में हमारे अंदर का यह पश्चाताप का बोध समाप्त-सा होता जा रहा है। संयुक्त परिवारों के विघटन के कारणों में एक यह भी है। अपने आसपास अगर आप किसी को डांटते या समझाते हैं तो वह अपनी गलती को मानने की जगह मन में बैर भाव पाल लेता है और उसे स्वस्थ दृष्टि से नहीं लेता।

दरअसल, हमारे जीवन में अहंकार-बोध प्रबलतर होता जा रहा है। अपने व्यक्तित्व, अपनी जाति और पद को लेकर हम ज्यादा सजग रहने लगे हैं। खुद को श्रेष्ठ मानने की बीमारी समाज और परिवार में तेजी से घर करती जा रही है। मन की निर्मलता का भाव समाप्त हो गया है। आज का मनुष्य इतना भौतिकतावादी और अहंबोध से ग्रस्त है कि उसे कोई सलाह या सबक देना नागवार गुजरता है। यही कारण है कि लोगों के बीच आपस में टकराव बढ़ रहे हैं। एक-दूसरे को नीचा दिखाने की प्रवृत्ति तेजी से पनप रही है। कुछ हद तक इसमें बाजारवाद और विज्ञापनों की भी भूमिका है। शरीर के रंग रूप या आकार को लेकर दूसरे के प्रति मखौल का भाव और वस्तुओं को लेकर यह कहना कि इससे पड़ोसी को ईर्ष्या होगी या आपका ब्रांड सर्वश्रेष्ठ है और यही आपके समाज में आगे बढ़ने का कारण है आदि। इन विज्ञापनों का प्रभाव मनोवैज्ञानिक रूप से कहीं न कही आपके अचेतन पर पड़ता है और आप जाने अनजाने रूखा या उद्दंड व्यवहार कर बैठते हैं। इन सबका दुष्प्रभाव यह हो रहा है कि हम एक ऐसे कृतघ्न समाज में तब्दील होते जा रहे हैं, जिसको अपने महापुरुषों, शहीदों, कलाकारों और यहां तक कि पुरखों के प्रति कृतज्ञता भाव भी नहीं बचा है। बिना उनके योगदान को जाने या पढ़े हम व्हाट्सऐप के ज्ञान के चलते आपसी बातचीत में भी हम उनके योगदान का उपहास उड़ाते नजर आते हैं।

कलाकारों, साहित्यकारों की जन्मस्थली आदि की दुर्दशा और राष्ट्रीय प्रतीक चिह्नों के प्रति विवाद का स्वर जब तब उठता रहता है। यह एक कृतघ्न समाज के निर्माण की ओर बढ़ते कदम ही हैं। हाल में राष्ट्रपिता गांधीजी को लेकर कुछ लोगों के बयान और उनके हत्यारे नाथूराम गोड्से का महिमामंडन भी एक अहसानफरामोश समाज का ही उदाहरण है। पहले किसी गलती के लिए विनम्रता से माफी मांग लिया जाता था और उसे एक अच्छी बात के रूप देखा जाता था। अब इस तरह सोचने वाले लोग तेजी से कम हो रहे हैं।

खेलों में क्रिकेट कभी 'जेंटलमेन गेम' कहा जाता था, लेकिन बढ़ते धनागम ने उसको व्यावसायिक अधिक बना दिया है और उसकी शालीनता गायब हो चुकी है। क्रिकेट के मैदान पर कई शर्मिंदा पैदा करने वाली घटनाएं सामने आ चुकी हैं। क्षमा को वीरों का आभूषण कहा गया है। दिनकर ने लिखा कि 'क्षमा शोभती उस भुजंग को जिसके पास गरल हो'। नयी पीढ़ी ने इसका भावार्थ यह लिया कि गरल ही उगलो और बाहुबल का दुरुपयोग करो। इस आभूषण का त्याग कर वे 'आभूषणों' का भी गलत अर्थ हथियार समझ कर उसकी ओर बढ़ रहे हैं। अहिंसा, क्षमा, दया जैसे भाव किताबी रह गए हैं। हम तेजी से एक ऐसे देश में बदल रहे हैं जो न अपनी गलतियों से सीखना चाहता है और न उसके लिए कोई ठहर कर पश्चाताप करना चाहता है। आज गलती करके सीनाजोरी करना ही शगल हो गया है।

बढ़ते अपराध और परिवारों में टूटन तथा कामकाजी वातावरण में तनाव इसी कारण बढ़ रहा है। जरूरत है कि दैनिक जीवन में अभिभावक अपने बच्चों के विनम्रता का पाठ सिखाएं, क्योंकि बिना विनय के विद्या प्राप्त करने का कोई औचित्य नहीं है। अगर आप एक संवेदनशील और सभ्य नागरिक नहीं बन सके तो ऊंचे नंबरों की अंक तालिकाएं व्यर्थ हैं!

किसानों की दुर्दशा

किसान हमारे देश के लिए वैसी ही भूमिका निभाता है, जैसे मानव शरीर में रीढ़ की हड्डी निभाती है। समस्या यह है कि यह रीढ़ (हमारे किसान) कई समस्याओं से पीड़ित है। ज्यादातर किसानों की हालत ये है कि हाड़-तोड़ मेहनत के बावजूद वे दो वक्त की रोटी का जुगाड़ मुश्किल से कर पाते हैं। भारत में कृषि और किसानों की हालत दिनों-दिन बदतर होती जा रही है, और इसी वजह से किसान आत्महत्या जैसा आत्मघाती कदम उठाने तक को मजबूर हो रहे हैं। भारत में आज भी सत्तर फीसद लोग कृषि पर निर्भर हैं। सरकार भी जान रही है कि देश में किसान और किसानी दोनों ही दयनीय हालत में हैं, लेकिन इस समस्या से निपटने के लिए कोई ठोस और दूरगामी कदम नहीं उठाए जा रहे। जाहिर है, किसान सरकार की प्राथमिकता में है ही नहीं। इसलिए तिसानों के नाम पर राजनीति तो जमकर हो रही है, लेकिन ऐसा कोई काम नहीं हो रहा जिससे किसान का भला हो और उसकी हालत सुधरे। जब भी किसी किसान की खुदकुशी की खबर आती है तो राजनीतिक बयानबाजी और चैनलों पर बहस तो खूब होती है, लेकिन फिर मामला वहीं खत्म हो जाता है। भारतीय अर्थव्यवस्था में किसानों का योगदान सत्रह फीसद से ज्यादा है। उसके बाद भी वे गरीबी का जीवन जीने को मजबूर हैं। किसान रोजगार के लिए किसी अन्य स्रोत पर निर्भर नहीं हैं। वे स्वयं कार्यरत हैं और दूसरों के लिए रोजगार भी पैदा करते हैं। हम आजादी के बाद सत्तर साल से ज्यादा लंबा सफर तय कर चुके हैं, लेकिन हमारा अन्नदाता भूखा ही है। क्या यह हमारे लिए शर्म की बात नहीं होनी चाहिए?

● *प्रीति चौहान, बीएचयू, वाराणसी*

कर्ज और किसान

'कब थमेगी खेतिहर की खुदकुशी' पढ़ा। भारत की अर्थव्यवस्था खेती-किसानी पर टिकी है और इसका कर्ताधर्ता किसान है। लेकिन आज बड़ी संख्या में किसान कर्ज में डूबे पड़े हैं। हालत यह है कि किसान और कर्ज एक दूसरे के पर्याय हो गए हैं। यही कारण है कि हताश किसान कई बार मौत को गले लगा लेने जैसे कदम तक उठा लेता है। देश की लगभग सत्तर फीसद आबादी गांवों में रहती है और खेती ही ग्रामीण आबादी का मुख्य धंधा है। मौसम में अचानक बदलाव क्या आता है, अन्नदाता की सारी मेहनत पर चंद मिनटों में पानी फिर जाता है। बेशक यह प्राकृतिक प्रकोप है। इसमें दो राय नहीं कि इस तरह के प्राकृतिक प्रकोप से अन्नदाता को हर साल रूबरू होना पड़ता है। कृषि घाटे का सौदा न रहे, सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए, तभी किसान खुश रह पाएगा।

● *साजिद अली, इंदौर*

प्रदूषण बनाम राजनीति

उत्तर भारत में बढ़ते प्रदूषण के चलते जहां एक ओर जनता की सांसें फूल रही हैं, वहीं दूसरी ओर निर्वाचित नुमाइंदे इस समस्या का हल निकालने के बजाय राजनीति कर रहे हैं। इसका ताजा उदाहरण दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण पर होने वाली महत्त्वपूर्ण बैठक में इकतीस में से सिर्फ चार सांसदों का इस बैठक में पहुंचना है। यहां तक कि बुलाए गए सभी आला अधिकारी भी इस बैठक से नदारद रहे जिसके चलते ये बैठक टालनी पड़ी। बैठक में भाग लेने के बजाय इंदौर में जलेबी खाते दिल्ली से सांसद गौतम गंभीर की तस्वीरें सोशल मीडिया में छाई हुई हैं। सांसदों और आला अधिकारियों की इस संवेदनहीनता के चलते जहां एक ओर जनता खुद को ठगा महसूस कर रही है वहीं उनमे रोष भी है जो सोशल मीडिया पर दिख रहा है।

दिल्ली सरकार के पास प्रदूषण को नियंत्रित करने के सीमित उपाय हैं। सरकार सम-विषम लागू करके, सार्वजनिक यातायात के साधनों को सुलभ करके और निर्माण कार्य पर रोक लगाकर कर रही है। बड़े पैमाने पर पौधारोपण भी किया गया है। प्रश्न ये उठता है कि क्या दिल्ली सरकार के इन प्रयासों से प्रदूषण नियंत्रित हो पाएगा? इस समस्या का हल मात्र एक राज्य की सरकार पर छींटाकशी करके या उसे दोषी बता कर राजनीति करने से निकलना संभव नही है। इस समस्या से निपटने के लिए केंद्र और राज्यों की सरकारों को मिलकर गंभीरता से सोचना होगा और बेहतर समन्वय स्थापित करना होगा। संबंधित संस्थाओं और विशेषज्ञों की राय लेकर उचित और दूरगामी उपायों पर युद्धस्तर से काम करना होगा। पर जो हो रहा है, वह इसके एकदम उलट है। सरकारों, संस्थानों और नागरिकों को अपना-अपना दायित्व ईमानदारी से निभाना होगा, नहीं तो एक दिन कोई कुछ भी करने की स्थिति में नहीं रहेगा और आने वाली पीढ़ियां हमें दोष देंगी।

● *अश्विनी राघव 'रामेंदु', नई दिल्ली*

खतरे की घंटी

भारत का दूरसंचार क्षेत्र ठप होने के कगार पर पहुंच गया है। इसका बैंकों पर सात लाख करोड़ का बकाया है। तीन बड़ी कंपनियों वोडाफोन, आईडिया और एयरटेल को पिछली तिमाही में अठहत्तर हजार करोड़ का नुकसान हुआ। यह नुकसान उस प्रावधान के चलते हुआ जिसे समायोजित सकल राजस्व यानी एजीआर कहा जाता है। यानी पिछली सरकार ने जो स्पेक्ट्रम का लाइसेंस जारी किया था और इस सरकार ने जो नीलामी करके राजस्व वसूल किया है, उस अंतर को दंड के रूप में वसूलने का फरमान सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया है। अच्छी बात है, सरकारी राजस्व में वृद्धि होगी। मगर जिस तरह से दस कंपनियां बंद हो गई हैं, उसी तरह बचे हुई तीन-चार भी इसी रास्ते पर जा सकती हैं। फिर इस देश में वन मैन शो रह जाएगा। अगर वोडाफोन ने अपना बोरिया बिस्तर समेटा तो ये भारत में विदेशी पूंजी निवेश पर अंतिम कील साबित होगा। उसके बाद कोई भी विदेशी इस देश में निवेश नहीं करेगा। पिछली तारीख से दंड सहित शुल्क वसूलना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए घातक साबित हो सकता है।

● *जंग बहादुर सिंह, गोलपहाड़ी, जमशेदपुर*

चौपाल

किसी भी मुद्दे या लेख पर अपनी राय हमें भेजें। हमारा पता है : ए-8, सेक्टर-7, नोएडा 201301, जिला : गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश

आप चाहें तो अपनी बात ईमेल के जरिए भी हम तक पहुंचा सकते हैं। आइडी है : chaupal.jansatta@expressindia.com

epaper.jansatta.com

आस्था

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच रवि शास्त्री रविवार को उज्जैन में श्री महाकालेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना करते हुए।

जानकारी

तमस देवता हैं भैरव : उपासना की दृष्टि से भैरव तमस देवता हैं। उनको बलि दी जाती है और जहां कहीं यह प्रथा समाप्त हो गई है वहां भी एक साथ बड़ी संख्या में नारियल फोड़ कर इस कृत्य को एक प्रतीक के रूप में सम्पन्न किया जाता है। यह एक ऐतिहासिक सत्य है कि भैरव उग्र कापालिक सम्प्रदाय के देवता हैं और तंत्रशास्त्र में उनकी आराधना को ही प्राधान्य प्राप्त है। तंत्र साधक का मुख्य लक्ष्य भैरव भाव से अपने को आत्मसात करना होता है।

कैलेंडर

तीज त्योहार

नवंबर माह (18 से 30)

19 नवंबर- मंगलवार : काल भैरव जयंती।
22 नवंबर- शुक्रवार : उत्पन्ना एकादशी।
23 नवंबर- शनिवार : गौड़ उत्पन्ना एकादशी, वैष्णव उत्पन्ना एकादशी।
24 नवंबर- रविवार : रवि प्रदोष व्रत।
25 नवंबर- सोमवार : मासिक शिवरात्रि।
26 नवंबर- मंगलवार : मार्गशीर्ष या दर्श अमावस्या।
30 नवंबर- शनिवार : विनायक चतुर्थी।

भगवान का मासावतार
मार्गशीर्ष

शास्त्री कोसलेंद्रदास

मार्गशीर्ष मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को भगवान श्रीकृष्ण ने आश्रित अर्जुन पर वात्सल्य से विवश होकर गीता का उपदेश किया था।

मार्गशीर्ष मास भगवान का रूप है। यह जानने योग्य तथ्य है कि गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने इस मास को अपना साक्षात स्वरूप बताया है। वैदिक सनातन धर्म की दार्शनिक मान्यता में भगवान का एक रूप काल है। काल उनका शरीर है, जो विभिन्न उपाधियों से कई रूपों में बंट जाता है। धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र में अर्जुन के असमय उत्पन्न नकारात्मक चिंतन के समूल निदान हेतु श्रीकृष्ण ने लौकिक एवं अलौकिक ज्ञान का उपदेश दिया। यह विस्तृत ज्ञानराशि ही 'गीता' है। यह सकारात्मक चिंतन का उत्पादक और प्रेरक ग्रंथ है। 18 अध्यायों में बंटी गीता में दशम अध्याय के एक श्लोक का अंश है – मासानां मार्गशीर्षोऽहम। अर्थात हे अर्जुन, मैं बारह महीनों में मार्गशीर्ष हूं।

भगवद्-विभूति मार्गशीर्ष

नवम अध्याय तक भक्ति योग के विस्तार से वर्णन के बाद श्रीकृष्ण विभूति योग में अपनी विभूतियों के बारे में बताते हैं। विभूति का तात्पर्य ऐश्वर्य से है। चर-अचर में व्याप्त भगवान को सांसारिक जीव जान सकें, इस हेतु श्रीकृष्ण अपनी उपस्थिति कुछ विशिष्ट पदार्थों में दर्शाते हैं। इसी क्रम में बारह महीनों में विभक्त संवत्सर में भगवान स्वयं को मार्गशीर्ष कहते हैं।

'मासों में प्रथम होने से मार्गशीर्ष वर्ष का गर्भ यानी प्रारंभ कहा जाता है। बारह महीनों के अधिदेवों के रूप में भगवान नारायण के बारह भिन्न-भिन्न नाम हैं।

मृगशिरा से मार्गशीर्ष

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जिस मास में पूर्णिमा तिथि पर मृगशिरा नक्षत्र होता है, वह मार्गशीर्ष है। शरद एवं हेमंत ऋतु को अपने भीतर समेटे यह मास सर्दी और गर्मी, दोनों की साम्यावस्था का द्योतक है। मार्गशीर्ष का संबंध मृग से भी है, जिसे पवित्र माना गया है। यज्ञ-अनुष्ठानों में पुरोडाश जैसे पवित्र पदार्थ रखने के लिए मृगचर्म का ही उपयोग किया जाता है। आकाश में मृग के सिर की भांति दिखाई देने वाला यह नक्षत्र मृगशिरा कहलाता है, जिससे मार्गशीर्ष नाम पड़ा।

धान का महत्त्व

मार्गशीर्ष मास की महिमा अपरिमित है। विगत दो सहस्राब्दियों में गीता पर विभिन्न आचार्यों ने अपने भाष्यों में इस भगवद्-वचन का तार्किक विवेचन किया है। उनका आशय है कि सारा काल भगवद्रूप होने पर भी भगवान की विभूति मार्गशीर्ष मास है। प्रतिवर्ष भगवान का ही अवतार मार्गशीर्ष मास के रूप में होता है। जिस धान से संपूर्ण प्रजा जीवित रहती है, वर्षा से उत्पन्न होने वाले उस धान की पैदावार मार्गशीर्ष महीने में होती है। इसी कारण इस महीने में नए अन्न से यज्ञ करने का शास्त्रीय विधान है। पुरातन काल में होने वाले श्रौत-यज्ञ मार्गशीर्ष मास में ही किए जाते थे, जिनमें नए धान का उपयोग अनिवार्य होता था। यहां तक कि मृगारिष्टि अनुष्ठान करने का सर्वाधिक उपयुक्त समय मार्गशीर्ष है।

मार्गशीर्ष से नव वर्ष

वेदों में प्रथम नक्षत्र है कृत्तिका। कृत्तिका से नक्षत्रों की गणना प्रारंभ होती है। कालांतर में इससे पहले अश्विनी और भरणी नामक दो नक्षत्र जुड़ गए। फिर भी यह प्राचीन शास्त्रीय परंपरा है कि प्रथम नक्षत्र कृत्तिका ही है। कार्तिक मास की पूर्णिमा पर कृत्तिका नक्षत्र होने से मासों की गणना मार्गशीर्ष से शुरू होती है। महाभारत में नया वर्ष मार्गशीर्ष मास से ही आरंभ हुआ है। बारहवीं शताब्दी के आचार्य वेदांतदेशिक ने गीता के रामानुज भाष्य पर 'तात्पर्य-चंद्रिका' टीका में लिखा है, 'मासों में प्रथम होने से मार्गशीर्ष वर्ष का गर्भ यानी प्रारंभ कहा जाता है। बारह महीनों के अधिदेवों के रूप में भगवान नारायण के बारह भिन्न-भिन्न नाम हैं, उनमें प्रथम नाम केशव होने से मार्गशीर्ष को केशव मास भी कहते हैं।' इस मास में न वर्षा की आर्दता या सांद्रता होती है और न ग्रीष्म ऋतु की उष्णता। इससे यह अत्यंत मनोहर एवं शांत मास है।

सुखदायी है मार्गशीर्ष

धान के पक जाने से आनंददायी मार्गशीर्ष सभी को सुख देता है। मधुसूदन सरस्वती गीता भाष्य में लिखते हैं, 'नए धान की उपज होने से तथा शीत और आतप से शून्य होने के कारण बारह महीनों के बीच मार्गशीर्ष सुखहेतु मास है।' कभी इसी मार्गशीर्ष मास में वृंदावन की कुमारियों ने भगवती कात्यायनी की पूजा यमुना किनारे की थी। भागवत महापुराण के अनुसार वे कुमारियां श्रीकृष्ण को पति के रूप में चाहती थीं। इसी कारण महाप्रभु वल्लभाचार्य ने गीता भाष्य में लिखा है, 'यह मार्गशीर्ष मास कुमारियों की इच्छापूर्ति का महीना है। इस मास में किए व्रत, जप और अनुष्ठान निश्चित ही सफल होते हैं।'

महिमा अपरिमित

अलौकिक आध्यात्मिक ऊर्जा

महाभारत की एक प्रसिद्ध कथा के अनुसार पितामह भीष्म ने युधिष्ठिर से कहा था कि जो मनुष्य मार्गशीर्ष में धर्मानुष्ठान करता है, वह अलौकिक आध्यात्मिक ऊर्जा और ज्ञान प्राप्त कर लेता है। सांसारिक सुखों के लिए किए जाने वाले काम्य अनुष्ठान मागशीर्ष में संपूर्ण फलदायी होते हैं। ऐसी अनेकानेक विशेषताओं के कारण ही भगवान ने मार्गशीर्ष को अपनी विभूति बताकर इसे सर्वाधिक महत्व प्रदान किया है।

मार्गशीर्ष में सुनाई थी कृष्ण ने गीता

मार्गशीर्ष मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को भगवान श्रीकृष्ण ने आश्रित अर्जुन पर वात्सल्य से विवश होकर गीता का उपदेश किया था। कुरुक्षेत्र में सभी के सामने भगवान ने अर्जुन को रथी और स्वयं को सारथी बनाया था। इस मार्गशीर्ष मास की ही महिमा है कि आज सारे संसार को गीता जैसा अमर ग्रंथ प्राप्त है।

सोच की शक्ति

कुंदन कुमार

मनुष्य की सोच उसके जीवन की दशा और दिशा तय करती है। सकारात्मक सोच वाला मनुष्य अपने जीवन में हमेशा प्रसन्नता से सराबोर रहता है। मानव जीवन में सोच का बहुत महत्व है। सोच की वजह से ही कोई विद्यार्थी अपनी कक्षा में सर्वश्रेष्ठ बन जाता है।

स्वामी विवेकानंद सकारात्मक सोच वाले व्यक्तित्व हैं। स्वामी विवेकानंद ने कहा है 'अगर आप आपदाओं के बारे में सोचेंगे तो वह आ जाएगी, अगर आप मृत्यु के बारे में गंभीरता से सोचते हैं तो आप अपनी मौत की ओर बढ़ने लगते हैं, जब आप सकारात्मक और स्वेच्छा से सोचेंगे, तब विश्वास और निष्ठा के साथ आपका जीवन सुरक्षित हो जाएगा। वहीं विस्टन चर्चिल का कहना था 'किसी निराशावादी को हर अवसर में मुश्किलें दिखाई देती हैं, वही आशावादी को मुश्किलों में भी अवसर दिखाई देता है।' नकारात्मक एवं निराशावादी व्यक्ति हमेशा दुख एवं दर्द समंदर में डूबा रहता है। नकारात्मक सोच व्यक्ति को अकेला, निस्तेज, उर्जाविहीन एवं निराशावादी बना देता है। कोई व्यक्ति कितना ही फौलादी इरादों वाला एवं उर्जावान क्यों न हो! अगर उसके मन मस्तिष्क में नकारात्मक विचार अपना घर बना लें तो व्यक्ति सामर्थ्यवान होने के बावजूद कभी अपने लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सकता।

विचार

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने सकारात्मक नजरिए पर कहा था कि मनुष्य वह प्राणी है जो अपने विचारों से बना होता है, वह जैसा सोचता है, वैसा ही बन जाता है। सकारात्मक सोच व आशावादी नजरिए को अपनाकर हम खुद के साथ दूसरों का भी भला कर देते हैं।

सकारात्मक सोच परिवर्तन का आधार है। दुनिया में ऐसे बहुत सारे दृष्टांत ऐसे व्यक्तियों के मौजूद हैं, जिन्होंने अपने सकारात्मक सोच से न सिर्फ अपने व्यक्तित्व को निखारा बल्कि दुनिया को भी संवारा।

सकारात्मक सोच वाला व्यक्ति कभी संसाधनों का रोना नहीं रोता है और सीमित संसाधनों का उपयोग कर अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में सफल रहता है। इसरो के चेयरमैन के सिवान का संबंध एक गरीब परिवार से था। उनके पिता अखबार बेच कर परिवार का पालन पोषण करते थे। एक साधारण छात्र के पास जितने साधन उपलब्ध होने चाहिए थे, उसका आधा हिस्सा भी के सिवान के पास नहीं था। बावजूद इसके अपने सकारात्मक सोच की बदौलत के सिवान ने जो कर दिखाया, वह सुखी संपन्न एवं सामर्थ्यवान मनुष्य के बस की बात नहीं है। एक आशावादी एवं सकारात्मक सोच वाले व्यक्ति को पूरा खाली गिलास भी हवा से भरा नजर आता है, वहीं नकारात्मक सोच एवं निराशावादी व्यक्ति को वह भी नहीं दिखता जो उसके आंखों के सामने घट रहा होता है। सकारात्मक सोच जीने की एक बेहतरीन शैली है। अपनी सोच को हमेशा सकारात्मक एवं नजरिए को स्पष्ट एवं आशावादी बनाए रखिए।

देवगढ़
मंदिरों का गढ़

सुरेन्द्र अग्निहोत्री

ललितपुर जनपद (उत्तर प्रदेश) के दर्शनीय स्थलों में प्राचीन भारतीय संस्कृति, कला और दर्शन का गौरवशाली प्रतीक देवगढ़ बेतवा नदी के किनारे ललितपुर स्टेशन से 33 किमी की दूरी पर है। बुंदेलखंड की जीवन दायिनी बेतवा नदी की गोद में बसा देवगढ़ भारतीय पुरातत्व के अनूठे आगार अपने आंचल में छिपाए है। आध्यात्मिकता से परिपूर्ण इस क्षेत्र का प्राचीन नाम 'लूच्छिगिरि' था। शांति नाथ मंदिर से प्राप्त शिलालेख के अनुसार गुर्जर प्रतिहार वत्सराज आम के प्रपौत्र और भट्ट द्वितीय का शासन काल था। 12वीं शताब्दी के मध्य इस क्षेत्र का कीर्तिगिरि रखा गया।

दशावतार मंदिर

गुप्तकालीन मूर्तिकला की पंचायत शैली का दशावतार मंदिर प्रवेश करते ही मिलता है। इसकी कला के संबंध में पुरातत्ववद् स्मिथ कहते हैं कि देवगढ़ में गुप्तकाल का सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण और आकर्षक स्थापत्य है। इस मन्दिर की दीवारों पर तीन प्रस्तर-फलक लगे हैं। एक फलक पर गजेन्द्र मोक्ष का दृश्य उत्कीर्ण है। दक्षिण की ओर के फलक पर शेषाशयी विष्णु हैं। विष्णु शेष नागों के फनों की छाया में लेटे हुए हैं, लक्ष्मी जी उनका पैर दबा रही हैं। आकाश में इन्द्र, शिव आदि देव अपने वाहनों से इस लीला को देख रहे हैं। नीचे पांच पुरुष व एक स्त्री की आकृति बनी हुई है। स्त्री की आकृति अपने बाल खोले हुए है। इससे यह प्रतिबिम्बित होता है कि यह दृश्य पांच पांडव व द्रोपदी का है। तीसरे फलक पर बद्रिकाश्रम का दृश्य अंकित है। शेर व हिरण को साथ-साथ तपोभूमि में विचरण करते दिखाया है। इस मन्दिर से तीन किलोमीटर पहाड़ पर पंचायतन शैली का एक दक्षिणाभिमुख नृबराह मंदिर के भाग्नावशेष मौजूद हैं। इसके गर्भगृह के ऊपर पीठिका पर लेटे अंजलि मुद्रा में नाग व नागिन बनी हुई है। ऊपरी भाग में भगवान नृबराह की विशाल प्रतिमा थी। अब सरकारी मालखाने में रखी है।

बुंदेलखंड की जीवन दायिनी बेतवा नदी की गोद में बसा देवगढ़ भारतीय पुरातत्व के अनूठे आगार अपने आंचल में छिपाए है

तीर्थस्थल

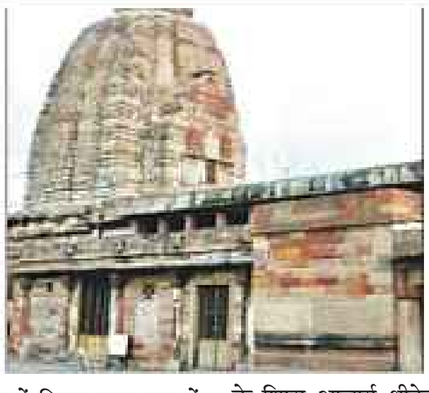

जैन मंदिर और मूर्तिकला

देवगढ़ में इस समय 31 जैन मंदिर हैं। जिनकी स्थापत्य कला मध्य भारत की अपूर्व देन है। इनमें से नंबर 4 के मंदिर में तीर्थंकर की माता सोती हुई स्वप्नावस्था में विचार मग्न मुद्रा में दिखलाई गई है। नंबर 5 का मंदिर सहसकूट चैत्यालय जिसकी कलापूर्ण मूर्तियां अपूर्व दृश्य दिखलाती हैं। इस मंदिर के चारों ओर 1008 प्रतिमाएं खुदी हुई हैं। बाहर सं. 1120 का लेख भी उत्कीर्णित है, जो सम्भवतः इस मंदिर के निर्माण काल का ही द्योतक हैं। नंबर 11 के मंदिर में दो शिलाओं पर 24 तीर्थंकरों की बारह-बारह तीर्थकार-प्रतिमाएं अंकित हैं। इस सब में सबसे विशाल मंदिर नंबर 12 है जो शांतिनाथ मंदिर के नाम से प्रसिद्ध है। इसमें शांतिनाथ भगवान की 12 फुट उत्तुंग जिन-प्रतिमा विराजमान है। चारों कोनों पर अम्बिका देवी की चार मूर्तियां है, जो मूर्तिकला के गुणों से समन्वियत हैं। इस मंदिर की बाहरी दीवार पर 24 यक्षयक्षिणियों की सुंदर कला-कृतियां बनी हुई है।

आर्य नागर शैली में मंदिर

देवगढ़ के जैन मंदिरों का निर्माण उत्तर भारत के विकसित आर्य नागर शैली से अत्यन्त भिन्न है। नागर शैली का विकास गुप्तकाल में हुआ है। देवगढ़ में तो उक्त शैली का विकास पाया ही जाता है, किन्तु खजुराहों आदि के जैन मंदिरों में भी इसी कला का विकास देखा जाता है। यह कला पूर्ण भारतीय है। इस कला का गुप्त, गुर्जर, प्रतिहार और चंदेलवंशी राजाओं के राज्यकाल में पल्लवित और विकसित होने का प्रश्रय मिला है।

देवगढ़ की मूर्तियों में दो प्रकार की कला देखी जाती है। प्रथम आकार की कला में कलाकृतियां अपने परिकारों से अंकित देखी जाती है। दूसरी प्रकार की कला मुख्य मूर्ति पर ही अंकित है, उसमें अन्य अलंकरण और कलाकृतियां गौण हो गई हैं। मालूम होता है कि इस युग में सामप्रदायिक विद्वेष नहीं था, और न धर्मान्धता ही थी। इस युग में भारतीय कला का विकास जैनों, वैष्णवों और शैवों में निर्विरोध हुआ है। प्रस्तुत देवगढ़ जैन और हिंदू संस्कृति का संधिस्थल रहा है।

महत्त्वपूर्ण शिलालेख

भारतीय पुरातत्व विभाग को देवगढ़ से 200 शिलालेख मिले हैं, जो जैन मदिरों मूर्तियों और गुफाओं आदि में अंकित हैं। इसमें 60 शिलालेख ऐसे हैं जिनमें समय का उल्लेख दिया हुआ है। ये शिलालेख सं 600 से 1876 तक के उपलब्ध हैं। इनमें सं 609 सन 552 का लेख नाहर घाटी से प्राप्त हुआ था। इसमें सूर्यवंशी स्वामीभट्ट का उल्लेख है। सं. 919 का शिलालेख जैन संस्कृति की दृष्टि से प्राचीन है। इस लेख में भोजदेव के समय पंच महाशब्द प्राप्त महासामन्त विष्णु-राम के शासन में इस लच्छागिरि के शिष्य आचार्य श्रीदेव लारा नक्षत्र में प्रतिष्ठित किया था। शांति मंदिर के बाहर अठारह लिपि वाला शिलालेख उत्कीर्णित है। जिसे 'ज्ञानशिला' के नाम से पुकारा जाता है।

रौद्र रूप के कल्याणकारी कालभैरव

ज्योतिर्मय

भैरव दुर्गा के अनुचर हैं। कुत्ता उनका वाहन है। चमेली के फूल उन्हें खास पसंद है। वे रात्रि के अभिमानी देवता भी हैं। ठीक आधी रात के बाद प्रहर भर तक का उनकी पूजा पाठ के लिए सर्वोत्तम समय माना जाता है। सामान्यतया वे शिव के वह रूप माने जाते हैं, जो रौद्र रूप वाले हैं, भयानक और विकराल। आठ रूपों में से भैरव उनके प्रमुख योद्धा हैं। जिनमें प्रमुक्त काला और गोरा भैरव अति प्रसिद्ध हैं। रूद्र माला से सुशोभित जिनकी आँखों में से आग की लपटे निकलती हैं।

लोग भयभीत हो जाते हैं और कहते हैं कि ये उग्र देवता हैं। लोग सोचते हैं कि साधना वाममार्गी हैं इसलिए उपयोगी नहीं है। प्रत्येक देवता सत्व, रजस और तमस रूप वाले होते हैं। स्वरूप साधकों की कार्यसिद्धि के लिए हैं। उन्हें शिव का पूर्ण रूप बताया गया है। आराधना के लिए किन्हीं कठोर नियमों का पालन भी जरूरी नहीं है। वैसे तो लोग आम-आदमी शनि देवता, काली मां और काल भैरव का नाम सुनते ही घबराने लगते हैं। लेकिन सच्चे दिल से की गई इनकी आराधना वन के रूप रंग को बदल सकती है। ये सभी देवता आपको घबराने के लिए नहीं बल्कि आपको सुखी जीवन देने के लिए तत्पर रहते हैं पर आपको सही रास्ते पर चलते रहना चाहिए।

भैरव अपने भक्तों की सारी मनोकामनाएं पूर्ण कर-के उनके कर्म-सिद्धि को अपने आशीर्वाद से नवाजते हैं। उनकी उपासना जल्दी फल देने के साथ-साथ क्रूर ग्रहों के प्रभावों को समाप्त कर देती है। कोलतार से भी गहरा काला रंग, विशाल प्रलंब, स्थूल शरीर, अंगारकाय त्रिनेत्र, काले डरावने चोगेनुमा वस्त्र, रूद्राक्ष की कंठमाला, हाथों में लोहे का भयानक दंड और काले कुत्ते की सवारी – यह है महाभैरव, अर्थात मृत्यु-भय के भारतीय देवता का बाहरी स्वरूप।

शास्त्रीय संगीत में एक राग का नाम इन्ही के नाम पर भैरव रखा गया है। लगभग पूरे देश में, अलग-अलग अंचलों में अलग-अलग नामों से जाने जाते हैं।

देव-देवता

राग भैरव

शास्त्रीय संगीत में एक राग का नाम इन्हीं के नाम पर भैरव रखा गया है। लगभग पूरे देश में, अलग-अलग अंचलों में अलग-अलग नामों से जाने जाते हैं। कालभैरव पूरे देश में अलग अलग नामों और रूपों में लोकप्रिय हैं। महाराष्ट्र में खंडोबा उन्हीं का एक रूप है। खंडोबा की पूजा-अर्चना गांव-गांव में की जाती है। दक्षिण भारत में भैरव का नाम शास्ता है। भूत, प्रेत, पिशाच, पूतना, कोटरा और रेवती आदि की गणना भगवान शिव के अन्यतम गणों में की जाती है। दूसरे शब्दों में कहें तो विविध रोगों और आपत्तियों-विपत्तियों के भी वे अधिदेवता हैं। वे ध्वंस और प्रलय शिव के देवता भी हैं। विपत्ति, महामारी और मृत्यु-अपमृत्यु के दूत और देव उनके सैनिक हैं। इन सब के अधिपति या सेनानायक हैं महाभैरव। कह सकते हैं कि भय वह सेनापति है जो बीमारी, विपत्ति और विनाश के समय उनके संचालक के रूप में उपस्थित रहता है।

शिव के अंश से भैरव का जन्म

'शिवपुराण' के अनुसार कार्तिक मास के कृष्णपक्ष की अष्टमी को मध्यान्ह समय शिव के अंश से भैरव जन्में। इस तिथि को काल-भैरवाष्टमी के नाम से भी जानते हैं। आख्यानों के अनुसार अंधकासुर नामक दैत्य अनीति और अत्याचार की सीमाएं पार करने लगा, घमंड में चूर होकर वह शिव पर भी आक्रमण कर बैठा तो उसके संहार के लिए शिव के रुधिर से भैरव की उत्पत्ति हुई। शिव से लेष और द्रोह की और भी कथाएं हैं। कुछ पुराणों के अनुसार शिव का अपमान करने पर भैरव की उत्पत्ति हुई।

पुराणों और तंत्रशास्त्रों में भैरव के आठ रूपों का उल्लेख है। असितांग,रुद्र,चंद्र,भैरव, कपाली, भीषण और संहार-भैरव के अलावा कालिका पुराण में भैरव को नंदी, भृंगी, महाकाल, वेताल की तरह भैरव को शिव के गण बताया गया है। ध्यान के बिना साधक गूंगा बताया गया है, भैरव साधना में भी ध्यान की विशिष्ट महत्ता है। ध्यान का अर्थ है-उस देवी-देवता का संपूर्ण आकार एक क्षण में मानस-पटल पर अंकित होना। सात्विक ध्यान अनिष्ट अपमृत्यु का निवारक और आरोग्य के साथ निश्रेयस की प्राप्ति कराता है, वहीं धर्म, अर्थ व काम की सिद्धि के लिए राजस ध्यान की उपादेयता है, इसी प्रकार कृत्या, भूत, ग्रहादि के द्वारा शत्रु का शमन करने वाला तामस ध्यान कहा गया है। ग्रंथों में लिखा है कि सदा भैरव के सात्विक ध्यान को ही प्राथमिकता देनी चाहिए।

अनुच्छेद 370 खत्म करना लद्दाख के लिए सही कदम : शाह

नई दिल्ली, 17 नवंबर (भाषा)।

● केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से लद्दाख में ऊंचाई वाले क्षेत्रों के लिए विशिष्ट विंटर ग्रेड डीजल की शुरुआत की जहां ठंड के मौसम में तापमान शून्य से नीचे चला जाता है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार नवगठित केंद्र शासित क्षेत्र लद्दाख में सर्वांगीण विकास करने के लिए प्रतिबद्ध है और अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को खत्म करना इस दिशा में सही कदम है। गृह मंत्री ने कहा कि लद्दाख के लिए 50 हजार करोड़ रुपए की लागत से बनाई जाने वाली नई जल विद्युत और सौर ऊर्जा परियोजना से 7500 मेगावाट बिजली पैदा होगी और यह अगले चार वर्षों में पूरा होगा। शाह ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से ऊंचाई वाले क्षेत्रों के लिए विशिष्ट विंटर ग्रेड डीजल की शुरुआत की जहां ठंड के मौसम में तापमान शून्य से नीचे चला जाता है।

उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में राजग सरकार लेह-लद्दाख क्षेत्र को देश के अन्य हिस्से के बराबर लाने के लिए प्रतिबद्ध है जो पिछले 70 वर्षों से उपेक्षित है।' गृह मंत्री ने कहा कि जब अनुच्छेद 370 को समाप्त करने की घोषणा की गई तो प्रधानमंत्री ने कहा था कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का तेजी से विकास करने के लिए यह सही कदम है। अनुच्छेद 370 के तहत पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा हासिल था। गृह मंत्री ने पांच अगस्त को अनुच्छेद 370 को खत्म करने और पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को दो केंद्र शासित क्षेत्रों- जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित करने की घोषणा की थी जो 31 अक्तूबर को अस्तित्व में आए।

शाह ने कहा कि लद्दाख की स्थिति में बदलाव लाना और बजट आवंटन में बढ़ोतरी करना, क्षेत्र का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने कहा कि स्थानीय कर के प्रावधान की शुरुआत करने से लद्दाख का वित्तीय संसाधन बढ़ेगा। पिछले पांच वर्षों में मोदी सरकार के विकास कार्यों का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि लद्दाख, लेह और करगिल के लोगों को बराबर अधिकार होंगे और देश के विकास में वे बराबर के भागीदार होंगे। उन्होंने कहा कि जल और सौर विद्युत परियोजनाएं अगले चार वर्षों में पूरी होंगी, जिनसे न केवल लद्दाख क्षेत्र में विकास होगा बल्कि रोजगार के अवसर पर पैदा होंगे।

शाह द्वारा शुरुआत किए गए विंटर ग्रेड डीजल का उत्पादन इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन की पानीपत रिफाइनरी पहली बार कर रही है। यह डीजल शून्य से नीचे तापमान में भी नहीं जमता, जबकि इतने तापमान पर सामान्य डीजल का इस्तेमाल करना कठिन हो जाता है। इस अवसर पर केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, लद्दाख के सांसद जेमयांग सेरिंग नामग्याल तथा गृह मंत्रालय और पेट्रोलियम मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

राजनाथ-एस्पर वार्ता में हिंद-प्रशांत के हालात पर चर्चा

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 17 नवंबर।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अमेरिका के रक्षा मंत्री मार्क टी एस्पर के साथ रविवार को बैंकाक में मुलाकात की और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में हालात समेत रणनीतिक महत्त्व के कई मामलों एवं द्विपक्षीय सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर बातचीत की। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, यह बैठक 'आसियान डिफेंस मिनिस्टर्स मीटिंग-प्लस' (एडीएमएम-प्लस) से पहले हुई। एडीएमएम-प्लस में आसियान और भारत समेत इसके आठ अन्य वार्ता साझीदार शामिल हैं। रक्षा मंत्री ने जापान के अपने समकक्ष तारो कानो के साथ भी एक अलग बैठक की और दोनों ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने पर बातचीत की।

सिंह ने एस्पर के साथ बैठक में ऐसे मुक्त, खुले एवं समावेशी हिंद-प्रशांत क्षेत्र को लेकर नई दिल्ली की अवधारणा की दोबारा पुष्टि की जो कानून आधारित व्यवस्था और संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता के प्रति सम्मान पर आधारित हो। चीन हिंद प्रशांत क्षेत्र में सैन्य एवं आर्थिक प्रभाव तेजी से बढ़ा रहा है, जिसके कारण क्षेत्र और इसके बाहर विभिन्न देशों की चिंताएं बढ़ गई हैं।

सिंह ने कहा कि हिंद-प्रशांत को लेकर भारत और अमेरिका के बीच निकटता बढ़ रही है। यह आसियान क्षेत्र के लिए नई दिल्ली के दृष्टिकोण का केंद्र है। उन्होंने ट्वीट किया, 'अमेरिका के रक्षा मंत्री मार्क टी एस्पर के साथ आज बैंकाक में मुलाकात शानदार रही। हमने भारत और अमेरिका के बीच रक्षा सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर बातचीत की।' रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि सिंह ने अपने अमेरिकी समकक्ष से कहा कि वे वाशिंगटन में अगले महीने दोनों देशों के बीच विदेश एवं रक्षा मंत्री स्तरीय 'टू प्लस टू' वार्ता के तहत विचार विमर्श के दौरान ठोस बातचीत करना चाहते हैं। भारत और अमेरिका के बीच पहली 'टू प्लस टू' वार्ता पिछले साल सितंबर में यहां हुई थी।

विधायक आवास भेजे गए राजनीतिक बंदी

पेज 1 का बाकी

के सज्जाद लोन, नेशनल कांफ्रेंस के अली मोहम्मद सागर, पीडीपी के नईम अख्तर और पूर्व आइएएस अधिकारी शाह फैसल समेत कई अन्य शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती को शुक्रवार को जाबेरवान रेंज की पहाड़ियों पर स्थित एक पर्यटक हट से शहर में एक सरकारी स्थान पर भेजा गया। इस मामले से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि भारतीय पर्यटन विकास निगम के स्वामित्व वाले सेंटूर होटल ने इन लोगों के 100 दिन के आवास और अन्य खर्च का करीब तीन करोड़ रुपए का बिल गृह विभाग को भेजा है। हालांकि प्रशासन ने सेंटूर होटल के बिल को खारिज करते हुए दलील दी है कि होटल को पांच अगस्त को एक सहायक अस्थायी जेल बनाया गया था और इसलिए सरकारी दरों पर भुगतान किया जाएगा।

डल झील के किनारे स्थित होटल में पांच अगस्त को इन नेताओं को रखा गया था। उसी दिन सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को समाप्त करने तथा राज्य को दो केंद्रशासित प्रदेशों में बांटने का फैसला किया था। श्रीनगर समेत कश्मीर घाटी में सर्द हवाएं चल रही हैं। इस महीने की शुरूआत में मौसम की पहली बर्फबारी हुई।

गोटबाया ने शुभकामनाओं के लिए मोदी को शुक्रिया कहा

कोलंबो, 17 नवंबर (भाषा)।

श्रीलंका के राष्ट्रपति चुनाव में विजयी रहे गोटबाया राजपक्षे ने शुभकामनाओं के लिए भारत के लोगों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि वह मित्रता के और मजबूत होने व निकट भविष्य में उनके साथ मुलाकात को लेकर आशान्वित हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीलंका के राष्ट्रपति चुनाव में जीत पर राजपक्षे को बधाई दी और कहा कि वह दोनों राष्ट्रों के बीच संबंध और प्रगाढ़ होते देखना चाहेंगे। मोदी ने ट्वीट किया, 'राष्ट्रपति चुनाव में जीत के लिए गोटबाया राजपक्षे आपको बधाई। मैं, हमारे दोनों देशों और नागरिकों के बीच घनिष्ठ तथा भाईचारे वाले संबंधों को और अधिक मजबूत करने, शांति, समृद्धि तथा क्षेत्र में सुरक्षा के लिए आपके साथ मिलकर काम करने की आशा करता हूं।' प्रधानमंत्री मोदी की शुभकामनाओं पर जवाब देते हुए राजपक्षे ने उनका शुक्रिया अदा किया और कहा कि दोनों देश इतिहास और समान मान्यताओं से बंधे हैं।

अयोध्या पर दो फाड़

पेज 1 का बाकी

को सुप्रीम कोर्ट का फैसला स्वीकार करना चाहिए और दावा किया कि महात्मा गांधी ने सोमनाथ मंदिर के मामले में इसी तरह की अपील की थी। उन्होंने कहा, 'गांधी ने कहा था कि मुसलिमों को निर्णय स्वीकार करना चाहिए अन्यथा गलत संदेश जाएगा कि उनका लगाव मंदिर तोड़ने वालों के साथ है।'

सुन्नी वक्फ बोर्ड के अध-यक्ष जफर फारूकी ने कहा कि सुन्-नी वक्-फ बोर्ड पुनर्विचार याचिका दायर नहीं करने के अपने रुख पर अब भी कायम है। उन्-होंने कहा कि जब फैसले से पहले एआइएमपीएलबी बार-बार कह रहा था कि वह किसी भी निर्णय को मानेगा तो अब अपील क्-यों की जा रही है। फारूकी ने कहा कि जहां तक बाबरी मस्जिद के बदले जमीन लेने का सवाल है तो उस पर वक्-फ बोर्ड की आगामी 26 नवं-बर को होने वाली बैठक में ही कोई फैसला किया जाएगा।भूमि विवाद मामले के मुख्य वादी इकबाल अंसारी ने कहा कि पुनर्विचार की मांग करने का कोई मतलब नहीं है क्योंकि नतीजा यही रहेगा। यह कदम सौहार्दपूर्ण वातावरण को भी बिगाड़ेगा। उन्होंने कहा कि मैं इसी समय मंदिर-मस्जिद मुद्दे को समाप्त करना चाहता हूं।'

उधर, जमीयत के प्रमुख मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि जमीयत उलेमा-ए-हिंद सुप्रीम कोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए पुनर्विचार याचिका दायर करेगा। मौलाना मदनी ने एक बयान में कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में मुसलिम पक्ष के अधिकतर तर्कों को स्वीकार किया। ऐसे में अभी भी कानूनी विकल्प मौजूद हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मुसलमान मस्जिद स्थानांतरित नहीं कर सकता इसलिए वैकल्पिक जमीन लेने का सवाल ही नहीं उठता। मदनी ने कहा कि अदालत ने भी माना कि 1857 से 1949 तक मुसलमान वहां नमाज पढ़ता रहा तो फिर 90 साल तक जिस मस्जिद में नमाज पढ़ी जाती हो उसको मंदिर को देने का फैसला समझ से परे है। जमीयत प्रमुख ने कहा कि पुनर्विचार याचिका पर विरले ही निर्णय बदले जाते हैं लेकिन फिर भी मुसलमानों को न्याय के लिए कानूनी तौर पर उपलब्ध विकल्पों का उपयोग करना चाहिए।

इस मुद्दे पर संगठन की ओर से गठित पांच सदस्यीय पैनल ने कानून विशेषज्ञों से विचार-विमर्श करने के बाद यह निर्णय लिया ।एआइएमपीएलबी ने फैसले के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दाखिल करने और बाबरी मस्जिद के बदले किसी और जगह जमीन न लेने का फैसला किया है।

बोर्ड के सचिव जफरयाब जीलानी ने रविवार को यहां हुई बोर्ड की वर्किंग कमेटी की आपात बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए कहा कि बोर्ड की बैठक में यह महसूस किया गया कि फैसले में कई बिंदुओं पर न सिर्फ विरोधाभास है बल्कि यह समझ से परे और पहली नजर में अनुचित महसूस होता है। बोर्ड के सचिव ने कहा कि पूरी कोशिश की जाएगी कि 30 दिन के अंदर पुनर्विचार याचिका दाखिल कर दी जाए। बोर्ड की यह बैठक संगठन के अध्यक्ष मौलाना राबे हसनी नदवी की अध्यक्षता में हुई जिसमें 45 सदस्यों ने हिस्सा लिया। जीलानी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने खुद माना है कि 23 दिसंबर 1949 की रात बाबरी मस्जिद में भगवान राम की मूर्तियां रखा जाना असंवैधानिक था तो फिर अदालत ने उन मूर्तियों को आराध्य कैसे मान लिया।

न्यायमूर्ति गोगोई प्रधान न्यायाधीश के पद से सेवानिवृत्त

नई दिल्ली, 17 नवंबर (भाषा)।

पूर्वोत्तर से सर्वोच्च न्यायिक पद पर पहुंचने वाले पहले व्यक्ति न्यायमूर्ति रंजन गोगोई रविवार को भारत के प्रधान न्यायाधीश के पद से सेवानिवृत्त हो गए। उन्हें दशकों से चले आ रहे राजनीतिक और धार्मिक रूप से संवेदनशील अयोध्या भूमि विवाद के पटाक्षेप का श्रेय जाता है।

न्यायाधीश और प्रधान न्यायाधीश के तौर पर न्यायमूर्ति गोगोई का कार्यकाल कुछ विवादों और व्यक्तिगत आरोपों से अछूता नहीं रहा लेकिन यह कभी भी उनके न्यायिक कार्य में आड़े नहीं आया और इसकी झलक बीते कुछ दिनों में देखने को मिली जब उनकी अध्यक्षता वाली पीठ ने कुछ ऐतिहासिक फैसले दिए। उनकी अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय पीठ ने नौ नवंबर को अयोध्या भूमि विवाद में फैसला सुनाकर अपना नाम इतिहास में दर्ज करा लिया। यह मामला 1950 में सुप्रीम कोर्ट के अस्तित्व में आने के दशकों पहले से चला आ रहा था।

न्यायमूर्ति बोबडे आज संभालेंगे प्रधान न्यायाधीश का पद

पेज 1 का बाकी

बोबडे भी थे। अगस्त 2017 में तत्कालीन सीजेआई जेएस खेहर की अध्यक्षता में नौ न्यायाधीशों की पीठ ने एकमत से, निजता के अधिकार को भारत में संवैधानिक रूप से संरक्षित मूल अधिकार होने का फैसला दिया था। इस पीठ में भी न्यायमूर्ति बोबडे शामिल थे। न्यायमूर्ति बोबडे 17 महीने तक सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश पद पर रहेंगे और 23 अप्रैल 2021 को सेवानिवृत्त होंगे।

न्यायमूर्ति बोबडे महाराष्ट्र के वकील परिवार से आते हैं और उनके पिता अरविंद श्रीनिवास बोबडे भी मशहूर वकील थे। वरिष्ठता क्रम की नीति के तहत निवर्तमान प्रधान न्यायाधीश गोगोई ने उनका नाम केंद्र सरकार को अपने उत्तराधिकारी के तौर पर भेजा था। न्यायमूर्ति बोबडे को सीजेआइ पद पर नियुक्त करने के आदेश पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने दस्तखत किए जिसके बाद विधि मंत्रालय ने उन्हें भारतीय न्यायपालिका के शीर्ष पद पर नियुक्त करने की अधिसूचना जारी की।

अखनूर में एलओसी के पास विस्फोट, जवान शहीद

पेज 1 का बाकी

नियंत्रण रेखा के पास पल्लनवाला इलाके में हुआ। सैन्य प्रवक्ता ने बताया कि शहीद हवलदार संतोष कुमार आगरा के पुरा भदौरिया गांव के रहने वाले थे। इस बीच, उधमपुर स्थित सैन्य अस्पताल में भर्ती अन्य जवानों की हालत नाजुक बताई जा रही है और उन्हें चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है। अखनूर के जिस इलाके में विस्फोट हुआ है, वहां सेना की राष्ट्रीय राइफल्स की टीमों ने विभिन्न सुरक्षा एजंसियों की टीमों के साथ घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी है। सेना ने इलाके में तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। बीते दिनों इस इलाके में पाकिस्तान की ओर से विस्फोट की खबरें खुफिया एजंसियों को मिली थीं। सेना और अन्य सुरक्षा एजंसियों ने गश्त बढ़ा दी थी।

'राजग संयोजक की नियुक्ति हो'

पेज 1 का बाकी

की अनुपस्थिति को महसूस किया गया, क्योंकि यह पार्टी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सबसे पुराने सदस्यों में से एक थी। उन्होंने कहा, 'गठबंधन के घटक दलों के बीच बेहतर समन्वय के लिए राजग के संयोजक की नियुक्ति की जानी चाहिए। यह चिंता की बात है कि पहले तेलुगू देशम पार्टी ने गठबंधन छोड़ा, इसके बाद राष्ट्रीय लोक समता पार्टी ने ऐसा किया और अब शिवसेना। लेकिन हम सभी (सहयोगी) आगामी सत्र में एक साथ मिलकर काम करेंगे और इस तरह की और बैठकें होनी चाहिए।'

गठबंधन सरकार पर लग सकती है अंतिम मुहर

पेज 1 का बाकी

में हुई। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस और राकांपा नेताओं की शिवसेना के प्रमुख नेताओं से हुई बातचीत के बाद सरकार गठन का मसविदा तैयार हो गया है और तीनों दल एक न्यूनतम साझा कार्यक्रम के तहत सत्ता में साझेदारी को तैयार हैं। हालांकि तीन दलों के बीच विभागों के बंटवारे की बात अभी तय होनी है। यह भी बताया गया कि अगले एक सप्ताह में सरकार गठन का ब्लूप्रिंट पूरी तरह तैयार हो जाएगा। उसके बद तीनों दल एक साथ मिलकर महाराष्ट्र के राज्यपाल से मुलाकात करेंगे और सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। महाराष्ट्र सरकार में गठन में देरी की एक प्रमुख वजह यह है कि अभी कांग्रेस को यह स्पष्ट करना है कि वह सरकार में शामिल होगी या नहीं। पार्टी के महाराष्ट्र के ज्यादातर विधायक सरकार में हिस्सेदारी करने के पक्ष में हैं। उनकी राय है कि जब सरकार हमारे दम पर चलेगी तो हम सत्ता से बाहर क्यों रहें लेकिन सरकार का हिस्सा बनने से पहले कुछ मुद्दों पर कांग्रेस शिवसेना से भी सफाई चाहती है। अब तक शिवसेना प्रखर हिंदुत्व की सियासत करती रही है।

संसद सत्र आज से, विपक्ष में शिवसेना

पेज 1 का बाकी

बैठेंगे। संसद का शीतकालीन सत्र 13 दिसंबर तक चलेगा। बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हवाले से बताया कि सरकार नियमों के अनुसार सभी मुद्दों पर बहस को तैयार है। जोशी ने कहा कि शिवसेना के मंत्री ने राजग सरकार से इस्तीफा दे दिया है और उन्हें राज्यसभा और लोकसभा में विपक्ष में बैठने की जगह दी जा रही है। लंबे समय से सहयोगी रही भाजपा के साथ संबंध खत्म होने के बाद महाराष्ट्र में सरकार गठन के लिए शिवसेना के कांग्रेस-राकांपा गठबंधन के साथ बातचीत जारी रखने के बीच लोकसभा में उसके 18 सांसदों और राज्यसभा में तीन सदस्यों को अब विपक्ष की पंक्तियों में सीटें आवंटित की गई हैं। सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद, अधीर रंजन चौधरी, बसपा के सतीश चंद्र मिश्र, तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ ब्रायन, सुदीप बंदोपाध्याय, डीएमके से टीआर बालू, सपा से रामगोपाल यादव, राजद से मनोज झा समेत तमाम दलों के कई नेता शामिल हुए। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने सर्वदलीय बैठक में आर्थिक सुस्ती, बेरोजगारी और किसानों के मुद्दों को संसद सत्र में उठाने की मांग की।

कांग्रेस के गुलाम नबी आजाद और नेशनल कांफ्रेंस के सांसदों समेत विपक्षी नेताओं ने फारुक अब्दुल और कश्मीर के अन्य नेताओं को हिरासत में रखने का मुद्दा उठाया। विपक्षी नेताओं ने मांग की कि उन्हें सत्र में भाग लेने की अनुमति दी जाए। हालांकि, सरकार की ओर से कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं मिली।

संसद सत्र में भाजपा अपने विधायी एजंडे पर सदन की मंजूरी को लेकर आश्वस्त दिख रही है। सरकार ने नागरिकता (संशोधन विधेयक) को इस सत्र में पारित कराने के लिए सूचीबद्ध किया है। सरकार ने अपने पहले कार्यकाल में इस विधेयक को पेश किया था लेकिन विपक्षी दलों के विरोध के चलते इसे पारित नहीं कराया जा सका। विपक्ष ने इस विधेयक की आलोचना करते हुए इसे धार्मिक आधार पर भेदभावपूर्ण बताया। विधेयक में बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान में धर्म के आधार पर प्रताड़ित किए जाने के कारण संबंधित देश से पलायन करने वाले हिंदू, जैन, ईसाई, सिख, बौद्ध एवं पारसी समुदाय के लोगों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने का प्रावधान है। असम एवं अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में इस विधेयक का विरोध हो रहा है, जहां अधिकतर मुसलिम प्रवासी रह रहे हैं।

इसके अलावा सरकार की दो अहम अध्यादेशों पर भी स्वीकृति पाने की योजना है। आयकर अधिनियम, 1961 और वित्त अधिनियम, 2019 में संशोधन को प्रभावी बनाने के लिए सितंबर में एक अध्यादेश जारी किया गया था। दूसरा अध्यादेश भी सितंबर में जारी किया गया था, जिसमें ई-सिगरेट और इसी तरह के उत्पाद की बिक्री, निर्माण एवं भंडारण पर प्रतिबंध लगाया गया है।

एनसीआर में दो दिनों में फिर बढ़ सकता है प्रदूषण

पेज 1 का बाकी

पराली जलाने के मामले बढ़कर 232 हो गए हैं। इन राज्यों में 14 नवंबर को यह संख्या 209 थी। सफर ने भी रविवार को बताया कि तीनों पड़ोसी राज्यों के अलावा पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी पराली जलाने के मामले दिखे हैं। मौसम व पर्यावरणविदों का कहना है कि चूंकि हवा पश्चिमोत्तरी दिशा से आ रही है व उसकी रफ्तार अधिक है इसलिए वह दिल्ली में जमा प्रदूषण को इधर से उड़ा कर पूरब की ओर ले गई लेकिन दिल्ली की ओर आ रही यही हवाएं जहां राहत दे रही हैं, वही हवाएं अगले दो दिनों में पश्चिम से धुएं का गुबार भी लेकर आएंगी। उसके बाद हवा थमने से वह गुबार यहीं जमा हो जाएगा और प्रदूषण का स्तर बढ़ा कर घातक कर देगा।

कृषि मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक तीनों राज्यों में इस साल एक अक्तूबर से 15 नवंबर तक पराली जलाने की 55,031 घटनाएं दर्ज की गईं। इनमें से 46,313 घटनाएं पंजाब, 5853 हरियाणा में और 2865 मामले उत्तर प्रदेश में दर्ज किए गए। पिछले साल इसी अवधि की तुलना में तीनों राज्यों में पराली जलाने के कुल मामलों में 15.8 फीसद की कमी आई है। पराली के मामले में सबसे अधिक(41.9 फीसद) कमी उत्तर प्रदेश में दर्ज की गई। हरियाणा में 19.3 फीसद और पंजाब में 12.9 फीसद कमी आई है।

इसके साथ ही मौसम विभाग की उत्तर क्षेत्रीय पूर्वानुमान इकाई के प्रमुख डॉ कुलदीप श्रीवास्तव ने बताया कि सोमवार को हवा की गति घटकर 15 से 20 किमी प्रति घंटा रह जाएगी। मंगलवार को यह सात से 10 किलोमीटर प्रतिघंटा होने का अनुमान है। हल्के बादल भी रहेंगे। सुबह कोहरा भी रहने के आसार हैं। तापमान में गिरावट की संभावना भी है जिसके कारण मंगल व बुधवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक में फिर से बढ़ोत्तरी की आशंका है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक इस दिन दिल्ली के कई इलाकों में एक्यूआई 400 से 500 के बीच रहने की आशंका है।

रफ्तार के सौदागरों का बढ़ा दबदबा

पेज 1 का बाकी

गेंदबाज पिछले सभी दस मैचों में खेला और वे शमी हैं जिन्होंने इस बीच 18.42 के औसत से 45 विकेट लिए। उनके अलावा बुमराह ने छह मैचों में 34, इशांत ने आठ मैचों में 27 और उमेश ने चार मैचों में 17 विकेट हासिल किए। स्पिनरों में अश्विन (पांच मैच) और जडेजा (आठ मैच) ने 26-26 विकेट चटकाए। भारत 1932 से टैस्ट क्रिकेट खेल रहा है और लंबे समय तक उसका आक्रमण स्पिनरों पर निर्भर रहा। भारत ने अब तक 539 मैच खेले हैं जिनमें गेंदबाजों ने 7760 विकेट लिए। इनमें से तेज या मध्यम गति के 112 गेंदबाजों ने 3260 और 97 स्पिनरों ने 4401 विकेट प्राप्त किए। बाकी 99 विकेट ऐसे गेंदबाजों ने लिए जो स्पिन और मध्यम गति दोनों तरह से गेंदबाजी करते थे जैसे दत्तू फड़कर जिन्होंने अपने करिअर में 62 विकेट लिए। इन 539 मैचों में से कोहली 52 मैचों में टीम की कप्तानी कर चुके हैं जिनमें गेंदबाजों ने 911 विकेट लिए हैं। इसमें तेज गेंदबाजों का योगदान 434 विकेट और स्पिनरों का 477 विकेट है। स्पिनरों ने इनमें से 307 विकेट घरेलू सरजमीं पर खेले गए 25 मैचों में लिए जबकि तेज गेंदबाजों ने ऐसे मैचों में 151 विकेट हासिल किए।

इंदौर में बांग्लादेश के खिलाफ खेले गए मैच में तेज गेंदबाजों ने 14 विकेट हासिल किए। यह घरेलू मैदानों पर एक मैच में भारतीय तेज गेंदबाजों का सातवां सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। रेकार्ड 17 विकेट का है जो उन्होंने 2017 में श्रीलंका के खिलाफ कोलकाता में बनाया था। इससे पता चलता है कि पिछले कुछ वर्षों में तेज गेंदबाजों ने देश और विदेश दोनों जगह अपनी छाप छोड़ी है। पिछले चार वर्षों के आंकड़ों पर गौर करें तो इस बीच तेज गेंदबाजों को 408 और स्पिनरों को 418 विकेट मिले। कोहली अभी तक 52 मैचों में कप्तानी कर चुके हैं जिनमें से भारत को रेकार्ड 32 मैचों में जीत मिली है। इन जीते गए मैचों में स्पिनरों ने अगर 346 विकेट लिए तो तेज गेंदबाज भी 275 विकेट लेकर बहुत पीछे नहीं रहे। कोहली की कप्तानी में भारत ने 19 मैच स्वदेश में जीते हैं। अगर अन्य भारतीय कप्तानों के कार्यकाल में तेज और स्पिन गेंदबाजों के रेकार्ड पर गौर करें तो महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में गेंदबाजों को अब तक सर्वाधिक 936 विकेट मिले। धोनी ने हालांकि 60 मैचों में कप्तानी की जिनमें 466 विकेट तेज गेंदबाजों और 470 विकेट स्पिनरों ने लिए। भारत के सबसे सफल कप्तानों में से एक सौरव गांगुली के कप्तानी में 49 मैचों में स्पिनरों ने 404 और तेज गेंदबाजों ने 361, मोहम्मद अजहरूद्दीन (47 मैच) की अगुवाई में स्पिनरों ने 379 और तेज गेंदबाजों ने 319, सुनील गावसकर (47 मैच) के नेतृत्व में स्पिनरों ने 310 और तेज गेंदबाजों ने 304, मंसूर अली खां पटौदी (40) की अगुआई में स्पिनरों ने 468 और तेज गेंदबाजों ने 109, कपिल देव (34) के नेतृत्व में स्पिनरों ने 228 और तेज गेंदबाजों ने 211, सचिन तेंदुलकर (25) की अगुआई में स्पिनरों ने 157 और तेज गेंदबाजों ने 182 तथा राहुल द्रविड़ (25) की कप्तानी में स्पिनरों ने 186 और तेज गेंदबाजों ने 211 विकेट लिए थे।

श्रीलंका राष्ट्रपति चुनाव में गोटबाया राजपक्षे की जीत

पेज 1 का बाकी

परिवार से राष्ट्रपति बनने वाले वे दूसरे सदस्य हैं। उनके बड़े भाई महिंदा राजपक्षे 2005 से 2015 तक राष्ट्रपति रहे थे। चुनाव आयोग ने बताया कि राजपक्षे को 52.25 फीसद (6,924,255) मत मिले जबकि प्रेमदास को 41.99 फीसद (5,564,239) वोट प्राप्त हुए। आयोग ने बताया कि अन्य उम्मीदवारों को 5.76 फीसद वोट मिले।

राजपक्षे (70) ने अपने समर्थकों से शांतिपूर्ण ढंग से जीत का जश्न मनाने की अपील की है। गोटबाया राजपक्षे ने ट्वीट किया, 'हम श्रीलंका के लिए नई यात्रा शुरू कर रहे हैं, ऐसे में हमें यह याद रखना चाहिए कि श्रीलंका के सभी लोग इस यात्रा का हिस्सा हैं। आइए शांतिपूर्वक, गरिमा और अनुशासन के साथ उसी तरह जश्न मनाएं, जिस प्रकार हमने प्रचार किया था।' गोटबाया ने चुनाव जीतने पर श्रीलंका के सबसे बड़े ऋणदाता चीन के साथ 'संबंध बहाल' करने का वादा किया था।

दूसरी तरफ प्रेमदास (52) को भारत एवं अमेरिका की तरफ झुकाव रखने वाले के तौर पर देखा जाता है। प्रेमदास ने निर्वाचन सचिवालय की ओर से परिणाम की आधिकारिक घोषणा से भी पहले चुनाव में हार स्वीकार करते हुए यूनाइटेड नेशनल पार्टी (यूएनपी) के उपनेता के पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया था।

प्रेमदास को देश के तमिल बहुल उत्तरी और पूर्वी हिस्सों में ज्यादा वोट मिले हैं। सिंहली बहुल जिलों में राजपक्षे आगे रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजपक्षे को बधाई दी और कहा कि वह दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए तत्पर हैं। राजपक्षे ने भारत के लोगों और मोदी को धन्यवाद दिया।

चुनाव में 80 फीसद मतदाताओं ने मताधिकार का इस्तेमाल किया। अनुमान है कि इस नतीजे के बाद प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे इस्तीफा दे सकते हैं। मौजूदा संसद को कम के कम अगले साल फरवरी से पहले भंग नहीं किया जा सकता। इस तरह विक्रमसिंघे को तब तक पद से हटाया नहीं जा सकता, जब तक वे इस्तीफा नहीं दे देते। ऐसा माना जा रहा है कि राष्ट्रपति बनने के बाद गोटबाया राजपक्षे अपने बड़े भाई महिंदा को प्रधानमंत्री नियुक्त करेंगे। महिंदा राजपक्षे ने चुनावी जीत पर अपने छोटे भाई को ट्विटर पर बधाई दी।

श्रीलंका में इस चुनाव से सात महीने पहले हुए आत्मघाती बम हमलों में 269 लोगों की मौत हो गई थी। इससे पर्यटन उद्योग को भी खासा नुकसान हुआ था। इस हमले ने देश में सुरक्षा को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए थे।

'छात्रावास शुल्क के रूप में लागत खर्च ही लेते हैं'

पेज 1 का बाकी

इसी वजह से हमें शुल्क में वृद्धि करनी पड़ी है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की ओर से गरीब तबके के विद्यार्थियों के लिए राहत दे दी गई है। ऐसे में अब आंदोलनकारी विद्यार्थियों को आंदोलन समाप्त कर कक्षाओं में लौट आना चाहिए। उनके साथ जेएनयू के कुछ शिक्षक भी मौजूद थे। प्रोफेसर कदम रविवार को एक प्रेसवार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जेएनयू के अधिकतर विद्यार्थियों को कोई न कोई छात्रवृत्ति मिल रही है। ऐसे में उन्हें बढ़ा हुआ शुल्क देने में क्या परेशानी है। यह पूरा आंदोलन छात्र संघ को अधिसूचित कराने के लिए है, जो नियमानुसार अभी नहीं हुआ है।पिछले सही बिल उपलब्ध नहीं करा पाने की वजह से छात्र संघ को अधिसूचित नहीं किया गया था। इस साल भी प्रक्रिया को पूरी नहीं करने की वजह से अभी तक छात्र संघ की अधिसूचना जारी नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि आइएचए (इंटर हॉल एडमिनिस्ट्रेशन) की बैठक तक छात्रावास की नई नियमावली का कोई मुद्दा ही नहीं था। जब तक प्रक्रिया पूरी नहीं होगी विश्वविद्यालय की ओर से छात्र संघ को अधिसूचित नहीं किया जाएगा। जेएनयू की कार्यकारी परिषद (ईसी) ने गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) श्रेणी के विद्यार्थियों के लिए राहत की घोषणा की है। जब उनसे पूछा गया कि बीपीएल को किस तरह परिभाषित करेंगे तो उन्होंने कहा कि हर राज्य सरकार बीपीएल परिवारों को कोई न कोई दस्तावेज जारी करती है। हम उसी दस्तावेज को मान्य कर देंगे।उन्होंने कहा कि नए शुल्क अगले सत्र से लागू होने हैं इसलिए इनमें बातचीत करके बदलाव भी संभव है।

प्रशासनिक खंड को छोड़ें विद्यार्थी

छात्र कल्याण डीन ने कहा कि विद्यार्थियों के आंदोलन की वजह से प्रशासनिक खंड में स्थिति किसी भी कार्यालय में कामकाज नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों ने पूरे प्रशासनिक खंड को विरूपित कर दिया है। आंदोलन का यह तरीका बिलकुल सही नहीं है। उन्होंने कहा कि हमने इस संबंध में पुलिस में मामला भी दर्ज कराया है। जल्द ही चीफ प्रॉक्टर की ओर से दोषी विद्यार्थियों के खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी।

विवेकानंद मूर्ति मामले में दो हफ्ते में दोषियों पर होगी कार्रवाई

प्रोफेसर कदम ने कहा कि परिसर में लगी स्वामी विवेकानंद की मूर्ति पर आपत्तिजनक शब्द लिखने वाले विद्यार्थियों को पहचान लिया गया है। दो हफ्ते में जेएनयू के नियमानुसार मुख्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा कोई फैसला लिया जाएगा। प्रशासन इन दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की योजना बना रहा है। पुलिस में मामला दर्ज किया गया है और हमने सभी सबूत पुलिस को सौंप दिए हैं।

आज संसद मार्च करेंगे विद्यार्थी

विभिन्न मांगों को लेकर सोमवार को संसद मार्च करेंगे। संसद मार्च की शुरुआत जेएनयू परिसर से सुबह 10 बजे होगी। जेएनयू छात्र संघ की ओर से आयोजित से मार्च में सभी विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को आमंत्रित किया गया है। पुलिस ने एहतियान विश्वविद्यालय के सभी गेटों पर पुलिस बल तैनात कर दिया है।

खबर कोना

ईरान में विरोध प्रदर्शन, एक की मौत

दुबई, 17 नवंबर (एपी)।

ईरान के शीर्ष नेता अयातुल्ला खामेनी ने पेट्रोल के दाम बढ़ाने के सरकार के फैसले का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि जो लोग विरोध प्रदर्शन के दौरान सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचा रहे हैं, वे 'डाकू' हैं और उन्हें ईरान के दुश्मनों का समर्थन प्राप्त है। विरोध प्रदर्शनों के दौरान एक व्यक्ति के मारे जाने और कई अन्य के घायल होने की खबर है।ईरान सरकार ने घोषणा की है कि हर माह शुरुआती 60 लीटर पेट्रोल की खरीद पर कीमत में 50 फीसदी बढ़ोतरी की जाएगी और इस सीमा से अधिक पेट्रोल खरीदने पर कीमत में 300 फीसदी बढ़ोतरी की जाएगी। इस घोषणा के कुछ घंटे बाद ही ईरान में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। प्रदर्शनकारियों ने एक ईंधन डिपो में आग लगाने की कोशिश की, लेकिन सुरक्षार्किमयों ने इसे नाकाम कर दिया।

शरीफ कल इलाज के लिए लंदन जाएंगे

लाहौर, 17 नवंबर (भाषा)।

पाकिस्तान के बीमार चल रहे पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ इलाज के लिए हवाई एम्बुलेंस से मंगलवार को लंदन के लिए रवाना होंगे। लाहौर हाई कोर्ट ने इलाज के वास्ते शरीफ को चार सप्ताह के लिए विदेश जाने की अनुमति दी है। न्यायमूर्ति बकर नजफी की अध्यक्षता वाले लाहौर हाई कोर्ट के दो सदस्यीय पीठ ने शनिवार को शरीफ की याचिका पर यह फैसला सुनाया था। हाई कोर्ट ने यह भी कहा था कि चिकित्सकों की सिफारिशों के आधार पर विदेश में रहने की अवधि बढ़ाई जा सकती है। पार्टी प्रवक्ता मरियम औरंगजेब ने रविवार को यहां जारी बयान में कहा कि मियां नवाज शरीफ हवाई एंबुलेंस के जरिये मंगलवार को इलाज के वास्ते लंदन के लिए रवाना होंगे।

हांगकांग में अधिकारी को तीर लगा, झड़प बढ़ी

प्रदर्शनकारियों का अर्थव्यवस्था चौपट करने का संकल्प

हांगकांग, 17 नवंबर (एएफपी)।

हांगकांग के एक प्रदर्शनकारी ने रविवार को पुलिस अधिकारी के पैर में तीर मार दिया। शहर पुलिस ने बताया कि लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनकारियों का केंद्र एक विश्वविद्यालय है जहां सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी झड़प हुई। प्रदर्शनकारियों ने संकल्प लिया कि वे 'अर्थव्यवस्था को खराब' करेंगे क्योंकि महानगर महीनों से चल रहे हिंसक प्रदर्शन का सामना कर रहा है।

बयान के अनुसार तस्वीरों में दिखा कि तीर पुलिस अधिकारी के पैर में लगा जो बल की मीडिया टीम के साथ हांगकांग पॉलीटेक्निक यूनिवर्सिटी में काम कर रहे थे। इसी विश्वविद्यालय में जोरदार प्रदर्शन जारी है। बयान में कहा गया है कि अधिकारी को अस्पताल ले जाया गया। कोवलून के हंग होम इलाके में परिसर में जमे प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस ने पानी की बौछारें और आंसू गैस के गोले छोड़ने वाली मशीनें तैनात कर रखी हैं। पास की क्रॉस हार्बर सुरंग पर कब्जा बनाए रखने के लिए प्रदर्शनकारी लड़ाई लड़ रहे हैं। यह सुरंग मंगलवार से ही जाम है।

प्रदर्शनकारियों ने संकल्प लिया कि वे 'अर्थव्यवस्था को खराब' करेंगे क्योंकि महानगर महीनों से चल रहे हिंसक प्रदर्शन का सामना कर रहा है। वैश्विक आर्थिक केंद्र में जून से ही प्रदर्शन जारी है जहां 75 लाख लोग चीनी शासन के अंदर खत्म हो रही स्वतंत्रता के खिलाफ गुस्से का इजहार कर रहे हैं। 'ब्लॉसम एवरीव्हेयर' अभियान के तहत जाम किया जा रहा है और तोड़फोड़ जारी है, हांगकांग ट्रेन नेटवर्क का बड़ा हिस्सा बंद है और स्कूल तथा मॉल जबरन बंद कराए जा रहे हैं। छात्रों और प्रदर्शनकारियों ने महानगर के आसपास कई बड़े विश्वविद्यालयों को अपने कब्जे में ले लिया है।

सोशल मीडिया पर जारी पोस्टर में सोमवार को भी 'डॉन एक्शन' जारी रखने का आह्वान किया गया है। पोस्टर में कहा गया है, 'जल्द उठिए, सीधे शासन को निशाना बनाइए और दबाव बनाने के लिए अर्थव्यवस्था खराब करिए।'

प्रदर्शन हांगकांग में एक पुलिस अधिकारी को तीर लगने के बाद पुलिस ने पानी की बौछार की।

चीनी दस्तावेजों से शिनजियांग में 'कोई दया नहीं' का खुलासा : न्यूयार्क टाइम्स

बेजिंग, 17 नवंबर (एएफपी)।

चीनी सरकार के लीक हुए दस्तावेजों ने देश के शिनजियांग प्रांत में मुसलमान अल्पसंख्यकों पर की गई कार्रवाई पर नई रोशनी डाली है जिसमें राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अधिकारियों को अलगाववाद और चरमपंथ के खिलाफ 'जरा भी दया न' दिखाने का आदेश दिया था। अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर में यह जानकारी दी गई है।

मानवाधिकार समूहों और बाहरी विशेषज्ञों ने कहा कि सुदूर पश्चिमी क्षेत्र में फैले नजरबंदी शिविरों में दस लाख से ज्यादा उइगर और अन्य मुस्लिम अल्पसंख्यकों को रखा गया है। टाइम्स द्वारा हासिल किए गए 403 पन्नों वाले आंतरिक दस्तावेज कम्युनिस्ट पार्टी की बेहद गोपनीय विवादास्पद कार्रवाई के बारे में अभूतपूर्व विवरण पेश करते हैं जिनकी अंतरराष्ट्रीय समुदाय और खासकर अमेरिका ने कड़ी निंदा की है। अखबार ने सप्ताहांत पर कहा कि इन दस्तावेजों में शी के कुछ, पूर्व के अप्रकाशित भाषणों के साथ ही उइगर आबादी पर निगरानी और नियंत्रण को लेकर दिए गए निर्देश व रिपोर्ट शामिल हैं। लीक दस्तावेजों से यह भी लगता है कि इस कार्रवाई को लेकर पार्टी के अंदर कुछ असंतोष भी था। अखबार के मुताबिक, ये दस्तावेज चीनी राजनीतिक व्यवस्था से जुड़े अनाम शख्स ने लीक किए जिसने यह उम्मीद जताई कि यह खुलासा शी समेत नेतृत्व को बड़े पैमाने पर हिरासत के दोष से बचने से रोकेगा।

न्यूयार्क टाइम्स के मुताबिक दक्षिण पश्चिम चीन में अल्पसंख्यक उइगर उग्रवादियों द्वारा एक रेलवे स्टेशन पर 31 लोगों की हत्या करने के बाद अधिकारियों को 2014 में दिए गए भाषण में शी ने 'आतंकवाद, घुसपैठ और अलगाववाद' के खिलाफ पूर्ण संघर्ष का आह्वान करते हुए 'तानाशाही के अंगों' का इस्तेमाल करने और 'किसी भी तरह की दया नहीं' दिखाने को कहा था।

शिनजियांग प्रांत में नए पार्टी प्रमुख चेन कुआंगुओ की 2016 में नियुक्ति के बाद नजरबंदी शिविरों में तेजी से इजाफा हुआ था। एनवाईटी के मुताबिक चेन ने अपनी कार्रवाई को न्यायोचित ठहराने के लिए शी के भाषण की प्रतियां बांटीं और अधिकारियों से अनुरोध किया, 'हर किसी को पकड़िए जिन्हें पकड़ा जाना चाहिए।' चीन के विदेश मंत्रालय ने इस मामले में तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है।

रूस के हस्तक्षेप संबंधी रिपोर्ट से ब्रिटिश चुनाव पर सवाल

लंदन, 17 नवंबर (एपी)।

ब्रिटेन की राजनीति में रूस के हस्तक्षेप संबंधी रिपोर्ट लीक होने के बाद लेबर पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी ने अगले महीने देश में होने वाले आम चुनाव की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। ब्रिटिश अखबार 'द संडे टाइम्स' ने संसद की खुफिया मामलों की समिति के निष्कर्ष के हवाले से कहा कि रूसी हस्तक्षेप से देश में 2016 में ब्रेक्जिट को लेकर हुआ जनमत संग्रह प्रभावित हुआ। हालांकि, इस असर का आकलन नहीं किया जा सकता। समिति की रिपोर्ट में रूसी समाचार वेबसाइट पर प्रकाशित लेख के असर पर चर्चा की गई जिसे बड़े पैमाने पर सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसारित किया गया था। लेबर पार्टी में विदेश मामलों की प्रवक्ता एमिली थॉर्नबेरी ने अखबार से कहा कि प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन को इस समिति की रिपोर्ट को लेकर पैदा भ्रम और कयास को दूर करना चाहिए और जल्द से जल्द पूरी रिपोर्ट प्रकाशित करनी चाहिए।

एमक्यूएम नेता अल्ताफ हुसैन ने मोदी से शरण मांगी

लंदन, 17 नवंबर (भाषा)।

ब्रिटेन में निर्वासित जीवन बिता रहे मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट (एमक्यूएम) के संस्थापक अल्ताफ हुसैन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उन्हें और उनके साथियों को भारत में शरण देने या कम से कम अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आइसीजे) में मुकदमा लड़ने के लिए वित्तीय मदद देने की अपील की है। किसी तरह की राजनीति में हस्तक्षेप नहीं करने का वादा करते हुए हुसैन ने पिछले हफ्ते सोशल मीडिया के जरिये यह बयान जारी किया। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की ओर से अयोध्या विवाद पर दिए फैसले का स्वागत किया।

ब्रिटेन में 67 वर्षीय हुसैन पाकिस्तान में कुछ साल पहले अपने समर्थकों को दिए भाषण के जरिये आतंकवाद को बढ़ावा देने के आरोप में मुकदमे का सामना कर रहे हैं। हुसैन ने नौ नवंबर को जारी भाषण में कहा कि अगर आज भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुझे भारत आने की इजाजत देंगे और मुझे समर्थकों के साथ शरण देंगे तो मैं अपने सहयोगियों के साथ भारत आने को तैयार हूं, क्योंकि मेरे दादा वहां दफन हैं, मेरी दादी वहां दफन हैं, मेरे हजारों रिश्तेदार भारत में दफन है। मैं वहां जाना चाहता हूं। मैं उनकी कब्रों पर जाना चाहता हूं। वहां इबादत करना चाहता हूं। मैं शांतिप्रिय इनसान हूं। मैं किसी राजनीति में हस्तक्षेप नहीं करूंगा। मैं वादा करता हूं। बस मुझे, मेरे साथियों के साथ भारत में रहने के लिए जगह दी जाए। मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि कुछ बलोच, सिंधी, जिनके नाम मैं दूं उन्हें भी शरण दी जाए।

भागलपुर बाल गृह की पूर्व संचालिका गिरफ्तार

भागलपुर, 17 नवंबर (जनसत्ता)।

भागलपुर बाल गृह की पूर्व संचालिका व अधीक्षक रूपम कुमारी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उनके खिलाफ जिलाधीश के आदेश पर जीरोमाइल थाना प्रभारी ने बीते साल 18 जुलाई को दफा 201ए, 406ए और 409 के तहत मामला दर्ज किया था। इस मामले में वार्डन पहले ही गिरफ्तार हो चुका है।

राज्य के सभी बाल व बालिका आश्रय गृह की सोशल आडिट टाटा इंस्टीच्यूट आफ सोशल सर्विसेज से 2017 में कराई गई थी। रिपोर्ट के बाद सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर इसकी जांच का जिम्मा सीबीआइ को सौंपा गया है। भागलपुर के बाल गृह से जुड़े मामलों की जांच भी सीबीआइ कर रही है। सीबीआइ के अधिकारी चार बार दौरा कर चुके हैं। जांच में बच्चों को प्रताड़ना, मारपीट, घटिया भोजन और भी कई बातें सामने आई थीं। पुलिस ने वार्डन को फौरन गिरफ्तार कर लिया था। दफा 164 के तहत पांच बच्चों का बयान अदालत में न्यायिक मजिस्ट्रेट के सामने कराया गया था। भागलपुर बाल गृह का संचालन खगड़िया की स्वयंसेवी संस्था रूपम प्रगति समाज समिति कर रही थी। इसका ठेका राज्य के दूसरे बाल व बालिका आश्रय गृह के संचालकों के साथ रद्द कर दिया था और बाल संरक्षण के सहायक निर्देशक को प्रभार लेने का आदेश जिलाधीश ने दिया था।

एक साल गुजर जाने के बाद भी रूपम स्वयंसेवी समिति ने प्रभार नहीं सौंपा बल्कि फरार हो गई। जिलाधीश के आदेश पर समिति की सचिव रूपम कुमारी पर बीते साल आठ दिसंबर को बाल संरक्षण सहायक निदेशक विकास कुमार के लिखित आवेदन पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

पिंकाथन मैराथन गुवाहाटी में रविवार को महिलाओं के स्वास्थ्य व तंदुरुस्ती के लिए आयोजित पिंकाथन गुवाहाटी 2019 का नजारा।

नई शिक्षा नीति जल्दी ही लागू होगी : निशंक

जनसत्ता संवाददाता
देहरादून, 17 नवंबर।

केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री डा. रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा कि जल्दी ही नई शिक्षा नीति देश में लागू होगी। नई शिक्षा नीति का मसौदा बिल्कुल तैयार हो चुका है। नई शिक्षा नीति नैतिकता, भारतीय संस्कृति और संस्कारों पर आधारित होगी।

निशंक रविवार को देहरादून के जौलीग्रांट क्षेत्र में स्वामी राम हिमालयन मेडिकल विश्वविद्यालय के चौथे दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। निशंक ने कहा कि नई शिक्षा नीति रोजगारपरक और कौशल विकास पर आधारित होगी। नई शिक्षा नीति के आने से शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन आएगा। देश में चिकित्सकों की कमी है। उसे दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। चिकित्सा सुविधाएं ऐसी होनी चाहिए जो गरीबों को आसानी से उपलब्ध हो सकें। प्रधानमंत्री ने इसके लिए आयुष्मान योजना लागू की है जो स्वास्थ्य के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन है। निशंक ने डिग्री प्राप्त कर रहे डाक्टरों से अपील की कि वे अपने जीवन में मानव सेवा को अपना धर्म बनाएं और रोगियों का इलाज भगवान की पूजा के रूप में करें। इस अवसर पर दीक्षांत समारोह को उत्तराखंड के उच्च शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत और मेडिकल विश्वविद्यालय के कुलपति विजय धस्माना ने भी संबोधित किया। डॉ. निशंक ने चिकित्सकों को डिग्रियां दीं।

छोटे बच्चों में भी बढ़ रहा है मधुमेह

जनसत्ता संवाददाता
देहरादून, 17 नवंबर।

श्री रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम कनखल हरिद्वार में रविवार को अंतरराष्ट्रीय मधुमेह दिवस मनाया गया। इसका उद्घाटन हरिद्वार के जिलाधिकारी दीपेंद्र कुमार चौधरी ने किया। इस मौके पर ऋषिकेश एम्स के चिकित्सा अधीक्षक डाक्टर ब्रह्म प्रकाश, हरिद्वार की मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ सरोज नैथानी समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। मिशन के सचिव स्वामी नित्यशुद्धानंद महाराज के सानिध्य में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य संयोजक डॉ. शिवकुमार स्वामी दयाधिपानंद महाराज ने बताया कि मिशन के चिकित्सकों ने चार साल से लेकर 12 साल के बच्चों में हुई मधुमेह की बीमारी को लेकर महत्त्वपूर्ण शोध कार्य किया है। मधुमेह पीड़ित इन बच्चों को बीमारी के बारे में जागृत किया गया है और इससे निपटने के उपाय बताए गए हैं। बच्चों ने इन उपायों को अपना कर मधुमेह से लड़ाई जीती है। यह बच्चे आज सामान्य बच्चों की तरह अपने कार्य में लगे हैं और पढ़ाई-लिखाई कर रहे हैं।

कार्यक्रम में मधुमेह से पीड़ित बच्चों ने बताया कि उन्होंने कैसे मधुमेह से लड़ाई लड़ी। उन्होंने बताया कि जीवनशैली बदल कर व प्रकृति के निकट जाकर मधुमेह की बीमारी से बचा जा सकता है और इस बीमारी के खतरों से मुक्ति पाई जा सकती है। दस साल के बच्चे ने बताया कि वह कैसे डाक्टर के अनुसार बताए रास्ते पर चलकर मधुमेह की बीमारी से मुकाबला कर रहा है और सामान्य जीवन जी रहा है। एक बच्चे ने बताया कि मधुमेह शुरू में उसे बहुत डर लगता था। अब वे धीरे-धीरे मधुमेह की बीमारी से लड़ने के लिए हर समय तैयार रहते हैं। चिकित्सक की सलाह पर चलते हैं और सामान्य जीवन जी रहे हैं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व हरिद्वार के जिलाधिकारी दीपेंद्र कुमार चौधरी ने कहा कि उन्हें यह जानकर आश्चर्य हुआ कि छोटे-छोटे बच्चों को भी मधुमेह की बीमारी ने घेर लिया है। उन्होंने मिशन के चिकित्सकों की चिकित्सा पद्धति द्वारा इन बच्चों को मधुमेह से लड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि मधुमेह बहुत तेजी के साथ भारत में पैर पसार रहा है। मधुमेह से निपटने के लिए इसे जन अभियान के रूप में चलाया जाना चाहिए। जिलाधिकारी ने कहा कि मिशन का मानव सेवा का कार्य अनुकरणीय है।

इस अवसर पर अध्यक्षीय संबोधन में मिशन के सचिव स्वामी नित्यशुद्धानंद महाराज ने कहा कि मिशन का मुख्य उद्देश्य स्वामी विवेकानंद के नर सेवा नारायण सेवा के सिद्धांत का पालन करना है। एम्स ऋषिकेश के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर ब्रह्म प्रकाश ने कहा कि मधुमेह की बीमारी से सावधानियां बरतने पर बचा जा सकता है। हरिद्वार की मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सरोज नैथानी ने कहा कि जीवनशैली में बदलाव लाकर मधुमेह से बचा जा सकता है।

मेरे जन्मदिन पर बैनर-पोस्टर न लगाएं : कमलनाथ

भोपाल, 17 नवंबर (भाषा)।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं व अन्य लोगों से अपील की है कि 18 नवंबर को उनके जन्मदिन के अवसर पर कहीं किसी प्रकार का बैनर, पोस्टर, होर्डिंग्स, फ्लेक्स आदि न लगाया जाए।

कमलनाथ ने ट्वीट किया है- '18 नवंबर को मेरे जन्मदिन पर कोई बैनर, पोस्टर, होर्डिंग्स, फ्लेक्स आदि न लगाएं। लोग, संस्थाएं और कार्यकर्ता इस तरह के प्रचार से दूर रहें।' मध्य प्रदेश कांग्रेस के मीडिया समन्वयक नरेंद्र सलूजा ने बताया कि कमलनाथ अपने जन्मदिन पर बाबा केदारनाथ के दर्शन करेंगे और प्रदेशवासियों की समृद्धि व खुशहाली की कामना करेंगे। बाबा केदारनाथ मंदिर के पट अभी बंद हैं और उनकी पालकी गुप्तकाशी में है, कमलनाथ वहीं दर्शन करेंगे।

इसी बीच, मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता भूपेंद्र गुप्ता ने बताया कि कमलनाथ ने यह अपील जनहित में किया है ताकि उनके जन्मदिन पर होर्डिंग, पोस्टर या बैनर लगाकर सड़कों को खराब न किया जाए। उन्होंने कहा कि वह अनावश्यक खर्च के खिलाफ हैं। उनका मानना है कि पोस्टरों और होर्डिंग पर होने वाले अनावश्यक खर्च का उपयोग मानव सेवा और परोपकार के कार्यों में करना चाहिए।

गुप्ता ने बताया कि मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कमलनाथ का जन्मदिन सोमवार को मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय स्थित सभाकक्ष में मनाया जाएगा।

उपभोक्ता आंकड़ों को लेकर चिदंबरम ने सरकार को घेरा

- आतिश तासीर व आकार पटेल से सरकार के खिलाफ लड़ाई में डटे रहने का किया आह्वान
- 2017-18 में चार दशक से अधिक समय में पहली बार उपभोक्ता खर्च में गिरावट आई है

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 17 नवंबर।

पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने उपभोक्ता खर्च से संबंधित आंकड़े दबाने के आरोपों के मद्देनजर रविवार को केंद्र की राजग सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि यह सूचना का अधिकार है जिसका सरकार पालन करती है। चिदंबरम ने पत्रकार आतिश तासीर और एमनेस्टी इंडिया के प्रमुख आकार पटेल से सरकार के खिलाफ लड़ाई में डटे रहने का भी आह्वान किया।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा कराए गए ताजा उपभोक्ता व्यय सर्वेक्षण का हवाला देते हुए दावा किया गया कि 2017-18 में चार दशक से अधिक समय में पहली बार उपभोक्ता खर्च में गिरावट आई है जिसकी मुख्य वजह ग्रामीण क्षेत्र में कम होती मांग है।

खबर में यह दावा भी किया गया कि एनएसओ की रिपोर्ट इस साल 19 जून को जारी करने के लिए स्वीकृति दी गई थी लेकिन सरकारी एजंसी ने प्रतिकूल आंकड़ों के कारण इसे रोक लिया।

भ्रष्टाचार और धनशोधन के मामलों में जेल में बंद चिदंबरम ने हिंदी में किए ट्वीट में कहा कि पिछले साल रोजगार पर आंकड़े छिपाए गए। अब उपभोक्ता खर्च पर आंकड़ों को दबाया जा रहा है। यह सूचना का अधिकार है जिसे सरकार निभाती है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने एक अन्य ट्वीट में पत्रकार आतिश तासीर और एमनेस्टी इंडिया के प्रमुख आकार पटेल से लड़ाई से हाथ पीछे नहीं खींचने को भी कहा।

चिदंबरम की ओर से उनके परिवार ने ट्वीट किया कि आतिश तासीर और आकार पटेल निश्चिंत रहें। धमकाने में न आएं, लड़ाई नहीं छोड़ें। गृह मंत्रालय ने पिछले सप्ताह ब्रिटिश लेखक तासीर का ओसीआइ कार्ड निरस्त करते हुए कहा था कि उन्होंने अपने पिता के पाकिस्तानी होने के तथ्य को छिपाया।

आलोचकों ने इस पर विरोध जताते हुए कहा कि टाइम पत्रिका में 'डिवाइडर इन चीफ' शीर्षक से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करने वाले लेख के लिए तासीर को निशाना बनाया जा रहा है।

सीबीआइ ने शुक्रवार को एमनेस्टी इंटरनेशनल इंडिया और उसके तीन सहयोगी संगठनों के खिलाफ 36 करोड़ रुपए के विदेशी चंदे से संबंधित मामले में कानून के कथित उल्लंघन के लिए मामला दर्ज किया था।

गुजरात : तीन हफ्ते में 11 तेंदुए पकड़े गए

अमदाबाद, 17 नवंबर (भाषा)।

गुजरात के जूनागढ़ और अमरेली जिलों में पिछले लगभग तीन सप्ताह में 11 तेंदुए पकड़े गए हैं। वन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

ऐसा संदेह है कि इस वर्ष अप्रैल से वहां आठ लोगों की मौत के लिए ये तेंदुए जिम्मेदार हैं। जूनागढ़ वन्यजीव सर्किल के मुख्य वन संरक्षक दुष्यंत वासवदा ने बताया कि 11 में से एक मादा तेंदुआ थी जिसे अमरेली के मानेकवाड़ा गांव में कुरजीभाई कयादा के खेत से शनिवार की रात पकड़ा गया।

अधिकारी ने बताया कि 13 नवंबर को अमरेली के लुनधिया गांव से एक तेंदुए को पकड़ा गया था जबकि इसके अगले दिन यहां से लगभग 300 किलोमीटर दूर जूनागढ़ के शिवथली गांव से एक अन्य तेंदुए को पकड़ा गया।

वासवदा ने कहा, 'इन तेंदुओं को जूनागढ़ के विसावदर तालुका और अमरेली से सटे धारी और बागसारा तालुका के आसपास के क्षेत्र में पकड़ा गया। इन क्षेत्रों से इस वर्ष अप्रैल से तेंदुए के कथित हमलों के कारण आठ लोगों की मौत होने की खबर है।' अधिकारी ने कहा, 'हमें संदेह है कि इन हमलों के लिए ये तेंदुए जिम्मेदार हैं। उन्हें एहतियातन पकड़ा गया है।'

सहकारी बैंकों के नियमन के लिए रिजर्व बैंक को मिलें पूरे अधिकार : मराठे

नई दिल्ली, 17 नवंबर (भाषा)।

रिजर्व बैंक के केंद्रीय बोर्ड में निदेशक सतीश मराठे ने सरकार से सभी शहरी सहकारी बैंकों के नियमन को लेकर रिजर्व बैंक को पूरी शक्तियां देने को कहा है। उन्होंने घोटाले में फंसे पीएमसी बैंक से जमाकर्ताओं को अपनी राशि निकालने में हो रही दिक्कतों के बीच यह बात कही है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को लिखे पत्र में मराठे ने कहा कि सहकारी बैंक क्षेत्र के लिए एक दृष्टिकोण दस्तावेज और रूपरेखा तैयार करने के लिए व्यापक आधार वाली समिति बननी चाहिए। समिति में रिजर्व बैंक, वित्त मंत्रालय, कृषि मंत्रालय और कम से कम दो लोग प्रख्यात सहकारी संस्थानों से होने चाहिए। मंत्री को लिखे पत्र में मराठे ने कहा कि सभी शहरी सहकारी बैंकों के नियमन को लेकर आरबीआइ को पूर्ण नियामकीय शक्तियां देने के लिए बैंकिंग नियमन कानून में संशोधन किए जाएं। बहु-राज्य सहकारी समिति कानून में संशोधन करना पर्याप्त नहीं होगा।

सीतारमण ने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा कि सरकार सहकारी बैंकों के प्रभावी नियमन को लेकर कानून लाएगी ताकि वे भी उन नियमों का पालन करें जो वाणिज्यिक बैंकों के लिए हैं। मराठे ने कहा कि सरकार को सभी श्रेणी के जमाकर्ताओं और सहकारी बैंक क्षेत्र में कठिनाइयों को दूर करने के लिए अलग हटकर समाधान तलाशना चाहए। उन्होंने कहा कि पंजाब एंड महाराष्ट्र कोआपरेटिव बैंक (पीएमसी) में धोखाधड़ी का मामला सामने आने के बाद उस पर संज्ञान लिया गया। आरबीआइ, वित्त मंत्रालय और महाराष्ट्र पुलिस का आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ ने जमाकर्ताओं के हितों की रक्षा के लिए तुरंत कदम उठाए।

देश के शीर्ष 10 सहकारी बैंकों में शामिल पीएमसी ने 6,500 करोड़ रुपए का कर्ज एचडीआइएल को दिया जो उसके कुल कर्ज का 73 फीसद है। कंपनी के दिवालिया होने के कारण कर्ज बाद में एनपीए (फंसा कर्ज) बन गया। पीएमसी फिलहाल आरबीआइ द्वारा नियुक्त प्रशासक के अधीन है। इसका कारण फंसे कर्ज के बारे में सही जानकारी नहीं देना है। इस घोटाले से लाखों ग्राहक प्रभावित हुए। ग्राहकों को आरबीआइ की पाबंदियों के कारण अपनी पूरी राशि निकालने में कठिनाई हो रही है।

भारत में तीव्र आर्थिक वृद्धि हासिल करने की क्षमता : बिल गेट्स

नई दिल्ली, 17 नवंबर (भाषा)।

उन्होंने यह बात ऐसे समय कही है, जब देश भारी आर्थिक नरमी के दौर से गुजर रहा है। उन्होंने 'आधार' से पहचान प्रणाली की भी तारीफ की। गेट्स तीन दिन की भारत यात्रा पर हैं।

माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने कहा है कि भारत में अगले दशक में काफी तेज गति से आर्थिक वृद्धि हासिल करने की क्षमता है। इससे बड़ी संख्या में लोगों को गरीबी से बाहर निकाला जा सकेगा। इससे सरकार को जोर-शोर से स्वास्थ्य व शिक्षा क्षेत्र में निवेश करने का भी अवसर मिलेगा।

गेट्स ने एक बातचीत में देश की 'आधार' से पहचान सुनिश्चित करने की प्रणाली की तारीफ की। उन्होंने वित्तीय सेवा और दवा क्षेत्र में देश के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने ये बातें ऐसे समय कही हैं, जब देश भारी आर्थिक नरमी के दौर से गुजर रहा है। गेट्स ने कहा- निकट भविष्य के बारे में तो मुझे ज्यादा जानकारी नहीं है लेकिन मैं कह सकता हूं कि अगले एक दशक में काफी तेज वृद्धि की संभावनाएं हैं। इससे काफी लोग गरीबी से बाहर निकलेंगे और सरकार स्वास्थ्य व शिक्षा क्षेत्र में निवेश करने में सक्षम होगी।

बिल गेट्स (64) शुक्रवार को एक बार फिर दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए। उनकी कुल सकल पूंजी 110 अरब डॉलर हो गई। उन्होंने अमेजन इंक के प्रमुख जेफ बेजोस को पछाड़कर यह स्थान हासिल किया। गेट्स अब तक 35 अरब डॉलर की राशि बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन को दान कर चुके हैं। यह फाउंडेशन विभिन्न देशों में गरीबी दूर और सामाजिक विकास कार्यक्रमों को चलाता है।

उन्होंने कहा- हर किसी को उम्मीद है कि भारत तेजी से वृद्धि करेगा क्योंकि भारत में इसके लिए पूरी संभावनाएं मौजूद हैं। गेट्स इन दिनों तीन दिन की भारत यात्रा पर हैं। इस दौरान वह यहां अपने फाउंडेशन के कार्यों की समीक्षा करेंगे।

भारत की आर्थिक वृद्धि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में घटकर पांच फीसद रह गई। यह छह साल में देश की सबसे कम तिमाही वृद्धि दर है। उन्होंने आधार पहचान प्रणाली और यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआइ) के जरिए भुगतान करने की व्यवस्था की तारीफ की। उन्होंने कहा कि हमें नंदन नीलेकणि जैसे लोगों के साथ साझेदारी करने के बारे में सोचना चाहिए। दूसरे देश भारत से सीख सकते हैं कि कैसे डिजिटल पहचान या वित्तीय सेवा प्रणालियों को लागू किया जा सकता है। गेट्स ने टीकाकरण विनिर्माण में भारत की अग्रणी भूमिका की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि लोगों का जीवन बेहतर बनाने में सरकार का उल्लेखनीय योगदान रहा है।

औद्योगिक नीति का शुरुआती मसविदा तैयार

नई दिल्ली, 17 नवंबर (भाषा)।

उद्योग व आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग ने औद्योगिक नीति का शुरुआती मसौदा तैयार किया है। इसमें विनिर्माण क्षेत्र में मूल्यवर्धन को 2025 तक 1,000 अरब डॉलर पर पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया है।

इस नीति के तहत वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी कारोबारी उपक्रम बनाने की है जो रोजगार का सृजन करने वाला और सतत जीवनयापन को प्रोत्साहन देने वाला है। अधिकारी ने कहा कि इस नीति का मकसद नवोन्मेषण, प्रौद्योगिकी, वित्तीय दृष्टि से व्यावहारिक और पर्यावरण अनुकूल उद्योग को आगे बढ़ाना है जिसका लाभ समाज के सभी वर्गों को साझा किया जा सके।

नीति के शुरुआती मसौदे को विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के पास उनकी राय लेने के लिए भेजा गया है। अधिकारी ने कहा कि यह नीति कुशल भारत मिशन के साथ मिलकर काम करेगी जिससे भविष्य के कार्यबल की रोजगारोन्मुखता बढ़ाई जा सकेगी। यह नीति विदेश व्यापार नीति के साथ चलेगी जिससे वैश्विक स्तर पर वस्तुओं के निर्यात में भारत का हिस्सा बढ़ाया जा सके।

अधिकारी ने कहा कि यह नीति वृहद राजकोषीय और मौद्रिक नीतियों के बेहतर तरीके से क्रियान्वयन में मदद करेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि प्रोत्साहन की व्यवस्था उद्योग को प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद करे। नीति के मसौदे में कहा गया है कि इसके जरिए उद्योग और विनिर्माण क्षेत्र में निवेश की स्थिति सुधरेगी। यह नीति निवेश की गुणवत्ता और मात्रा के बीच संतुलन बैठाने का भी काम करेगी।

भारती एअरटेल ने आरकॉम के लिए लगाई बोली वापस ली

नई दिल्ली, 17 नवंबर (भाषा)।

दूरसंचार क्षेत्र की कंपनी भारती एअरटेल ने रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) की संपत्ति खरीदने को लेकर सौंपी गई अपनी बोली वापस ले ली है। कंपनी ने कर्जदाताओं की समिति के व्यवहार पर सवाल उठाया है।

एअरटेल के निदेशक (वित्त) हरजीत कोहली ने समाधान पेशेवर अनीश निरंजन नानावती को लिखे पत्र में कहा कि एअरटेल ने जब समय सीमा बढ़ाने का आग्रह किया तो आरकॉम के कर्जदाताओं की समिति (सीओसी) ने खारिज कर दिया था लेकिन बाद में एक कंपनी को प्रक्रिया में शामिल करने के लिए बोली लगाने की समय सीमा बढ़ा दी गई। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित लेन-देन में जटिलताओं को देखते हुए 31 अक्तूबर, 2019 की तारीख वाले पत्र के जरिए हमने समाधान योजना जमा करने की समय सीमा 11 नवंबर, 2019 से बढ़ाकर 1 दिसंबर, 2019 करने का आग्रह किया था। लेकिन हमारे अनुरोध को सीओसी ने खारिज कर दिया।

उन्होंने कहा- हमें पता चला है कि सीओसी ने बोली जमा करने की समय सीमा बढ़ाने का फैसला एकमात्र संभावित बोलीदाता के अनुरोध पर किया है। चूंकि भारती एअरटेल के समय सीमा बढ़ाने के आग्रह को सीओसी ने खारिज कर दिया था, ऐसे में कंपनी को जल्दबाजी में बोली जमा करानी पड़ी। सीओसी का यह आचरण समानता, पारदर्शिता के खिलाफ है। इसीलिए हम नई समय सीमा में नए सिरे से समाधान योजना जमा करने के अधिकार समेत अपने सभी अधिकारों को सुरक्षित रखते हुए अपनी समाधान योजना को वापस ले रहे हैं।

पंजाब नैशनल बैंक ...भरोसे का प्रतीक ! punjab national bank ...the name you can BANK upon !

बीओ.: फैन्सी बाजार एलआईसी बिल्डिंग, एसएस रोड, फैंसी बाजार, गुआहाटी-781001

फोन: 2603307, 2542453, फैक्स (0361) 2517502, ईमेल: bo0189@pnb.co.in

कब्जा सूचना (नियम 8(1) के अंतर्गत अचल सम्पत्ति के लिये)

वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 एवं 9 के साथ पठित धारा 13 (12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने ... [illegible]

तिथि: 17.11.2019 हस्ता./-

स्थान: दिल्ली/नैनीताल प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब नेशनल बैंक

इण्डियन ओवरसीज बैंक

वनस्थली शाखा

प्लॉट नं.-8, पंकज कॉर्नर प्लाजा, प्रिन्स अपार्टमेन्ट के निकट, आई.पी. एक्स्टेंशन, दिल्ली-110092, फोन: 011-22235872, ईमेल: iob1534@iob.in

कब्जा सूचना (परिशिष्ट IV)

(अचल सम्पत्ति के लिए) [नियम 8(1)]

जैसा कि, वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत इंडियन ओवरसीज बैंक के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने मांग सूचना तिथि 11.6.2019 जारी कर ऋणधारकों/ गारन्टरों/ मार्टगैजरों मै. टैक्सस इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड पावर प्रॉजेक्ट्स प्रा. लि. (यूनिट नं. 102, वर्धमान सेन्टर, प्लॉट नं. 3, 1ला तल, शालीमार बाग-110088 तथा प्लॉट नं. 211, सेक्टर-8, आईएमटी मानेसर, गुरुग्राम, हरियाणा-122050 में) (यहां के बाद "ऋणधारक" वर्णित) एवं श्री सत्येन शर्मा (गारन्टर एवं मार्टगैजर), श्री पुनीत सिंह राणा (गारन्टर एवं मार्टगैजर), श्री विजेन्द्र सिंह (गारन्टर एवं मार्टगैजर), श्रीमती प्रज्ञा, पत्नी पुनीत सिंह राणा (गारन्टर एवं मार्टगैजर) तथा श्रीमती मोनिका शर्मा, पत्नी श्री सत्येन शर्मा (गारन्टर एवं मार्टगैजर) को मांग सूचना में वर्णित राशि 31.5.2019 को रु. 7,65,35,807.28 (रु. सात करोड़ पैंसठ लाख पैंतीस हजार आठ सौ तथा पैसे अट्ठाईस मात्र) के साथ 31.5.2019 से आगे का ब्याज तथा 17.7.2019 को रु. 400.00 लाख के लिए एलजी'ज का क्राइस्टलाईजेशन तथा उस पर ब्याज जो सभी मिलाकर रु. 12,34,47,888.46 (रुपए बारह करोड़ चौंतीस लाख सैंतालिस हजार आठ सौ अठासी तथा पैसे छियालिस मात्र) होता है, 13.11.2019 को तथा उसके साथ वसूली की तिथि तक अनुबंधित दरों एवं रेस्ट्स पर आगे के ब्याज, चार्जेज आदि वापस लौटाने का निर्देश दिया था। निरसन पर रु. 30,88,329.00 (रुपए तीस लाख अठासी हजार तीन सौ उन्नतीस मात्र) के अन्क्राइस्टलाईज्ड एलजी'ज को भी आगे इसमें शामिल किया जाएगा।

1) ऋणधारक इस राशि को वापस लौटाने में विफल रहे, अतः एतद्द्वारा ऋणधारक तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आज, 13/15 नवम्बर, 2019 को अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 (4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने यहां नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा कर लिया है।

2) विशेष रूप से ऋणधारकों तथा आम जनता को एतद्द्वारा सतर्क किया जाता है कि वे यहां नीचे वर्णित संपत्ति का व्यवसाय न करें तथा इन संपत्तियों का किसी भी तरह का व्यवसाय मांग सूचना जारी करने के बाद की गई वसूली यदि कोई हो, को घटाकर मांग सूचना में वर्णित उपरोक्त तिथि से भुगतान की तिथि तक स्वीकृत रूप से अनुबंधित दरों एवं रेट्स पर उस पर आगे के ब्याज, चार्जेज आदि के साथ 13.11.2019 को रु. 12,34,47,888.46 (रुपए बारह करोड़ चौंतीस लाख सैंतालिस हजार आठ सौ अठासी तथा पैसे छियालिस मात्र) तथा रु. 30,88,329.00 (रुपए तीस लाख अठासी हजार तीन सौ उन्नतीस मात्र) (एलजी) अन्क्राइस्टलाईज्ड की राशि के लिए इंडियन ओवरसीज बैंक के चार्ज के अधीन होगा। कब्जा लेने की तिथि को बकाया राशि अनुबंधित दरों एवं रेट्स पर उस पर आगे के ब्याज, चार्जेज आदि के साथ रु. 12,34,47,888.46 (रुपए बारह करोड़ चौंतीस लाख सैंतालिस हजार आठ सौ अठासी तथापैसे छियालिस मात्र) तथा रु. 30,88,329.00 (रुपए तीस लाख अठासी हजार तीन सौ उन्नतीस मात्र) (एलजी) अन्क्राइस्टलाईज्ड की राशि के लिए है।

3) ऋणधारक का ध्यान प्रतिभूत परिसंपत्तियों को विमोचित करने के लिए उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों के प्रति आकृष्ट की जाती है।

अचल संपत्ति का विवरण

1 श्री सत्येन शर्मा, पुत्र श्री दिलाराम शर्मा के स्वामित्व में आवासीय भूमि तथा अ-निर्मित प्लॉट नं. 346, ब्लॉक-एस, उप्पल्स' साउथ एंड, सेक्टर 48 एवं 49, सोहना रोड, गुड़गाँव, हरियाणा का सभी भाग तथा हिस्सा। चौहद्दीः उत्तरः प्लॉट नं. एस-351, दक्षिणः रोड, पूर्व-प्लॉट नं. एस-345, पश्चिमः प्लॉट नं. एस-347

2 श्रीमती मोनिका शर्मा, पत्नी श्री सत्येन शर्मा के स्वामित्व में प्लॉट नं. 263, सेक्टर-8, इंडस्ट्रियल इस्टेट, आईएमटी मानेसर, गुड़गाँव में औद्योगिक सम्पत्ति का सभी भाग तथा हिस्सा। चौहद्दीः उत्तरः प्लॉट नं. 262, दक्षिणः प्लॉट 264, पूर्वः 15 मीटर चौड़ा रोड, पश्चिमः प्लॉट नं. 260

3 श्री बिजेन्द्र सिंह, पुत्र श्री बलबीर सिंह के स्वामित्व में कॉमर्शियल सम्पत्ति शॉप नं. 15 हुडा मार्केट, सेक्टर-23-23 ए, गुड़गाँव, हरियाणा का सभी भाग तथा हिस्सा। चौहद्दीः उत्तरः शॉप प्लॉट नं. 14, दक्षिणः शॉप प्लॉट नं. 16, पूर्वः रोड एवं खुला, पश्चिमः शॉप प्लॉट नं. 12

4 श्री पुनीत एस. राणा, पुत्र श्री बिजेन्द्र सिंह राणा एवं श्रीमती प्रज्ञा, पत्नी श्री पुनीत एस. राणा के स्वामित्व में टावर ए "स्पेजएड्ज', सेक्टर 47, सोहना रोड, गुड़गाँव, हरियाणा में तीसरे तल पर कॉमर्शियल यूनिट (कार्यालय) नं-305 का सभी भाग तथा हिस्सा। चौहद्दीः उत्तरः ऑफिस यूनिट नं. 304, दक्षिणः ऑफिस यूनिट नं. 306, पूर्वः खुला, पश्चिमः 8 फीट चौड़ा कॉरीडोर

5 श्री सत्येन शर्मा, पुत्र श्री दिलाराम शर्मा के स्वामित्व में टावर ए "स्पेजएड्ज', सेक्टर 47, सोहना रोड, गुड़गाँव, हरियाणा में तीसरे तल पर कॉमर्शियल यूनिट (कार्यालय) नं-306 का सभी भाग तथा हिस्सा। चौहद्दीः उत्तरः ऑफिस यूनिट नं. 305, दक्षिणः ऑफिस यूनिट नं. 307, पूर्वः खुला, पश्चिमः 8 फीट चौड़ा कॉरीडोर

6 श्री विजेन्द्र सिंह, पुत्र श्री बलबीर सिंह के स्वामित्व में प्लॉट नं. 3, पॉकेट-6, सेक्टर-12, द्वारका, नई दिल्ली में "बेस्ट आर्केड" के नाम से विदित कॉमर्सियल बिल्डिंग में शामिल भू तल पर सम्पत्ति, कॉमर्शियल यूनिट/शॉप प्रा. नं. जी-6 एवं जी-7 का सभी भाग तथा हिस्सा। चौहद्दीः उत्तरः शॉप नं. जी-5, दक्षिणः कॉमन कॉरीडोर, पूर्वः कॉमन कारीडोर, पश्चिमः शॉप नं. जी-8

टिप्पणीः दिल्ली एनसीआर में अवस्थित 6 (छह) नग सम्पत्तियों का सांकेतिक कब्जा दो अलग-अलग तिथि 13.11.2019 एवं 15.11.2019 को किया गया

स्थानः नई दिल्ली प्राधिकृत अधिकारी

तिथिः 15.11.2019 इंडियन ओवरसीज बैंक

बैंक ऑफ इंडिया, कृष्णा नगर शाखा, ए I / II कृष्णा नगर, दिल्ली-110051

कब्जा सूचना

अचल संपत्ति का विवरण

दिनांक : 15-11-2019, स्थान : नई दिल्ली प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ इंडिया

SBI भारतीय स्टेट बैंक, तनावग्रस्त आस्ति वसूली शाखा-I, करोल बाग, दिल्ली-110005, ईमेल : sbi.51521@sbi.co.in

परिशिष्ट IV (नियम-8(1)) कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति हेतु)

अचल संपत्तियों का विवरण

दिनांक : 15-11-2019, स्थान : नई दिल्ली

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर

(गोपनीय शाखा)

क्रमांकः जनावि/गोपनीय शाखा/2019/619 दिनांकः 16.11.2019

ई-निविदा सूचना संख्याः 01/ विज्ञापन सं. 40/2019-20

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर में लगभग 9 लाख 75 हजार उत्तर पुस्तिकाओं एवं तीस हजार OMR Award Sheets व दो लाख OMR Answer Sheets एवं स्टेशनरी सामग्रियों की आपूर्ति करने हेतु ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया के अंतर्गत ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा की विस्तृत शर्तें एवं अन्य विवरण वेबसाईट www.jnvu.edu.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। उक्त निविदा को दिनांक 18.11.2019 से वेबसाईट http://sppp.raj.nic.in से डाउनलोड/ अपलोड किया जा सकता है। UBN No. JNV1920GLOB00061, UBN No. JNV1920GSOB00062, UBN No. JNV1920GSOB00063

हस्ता./-

(अयुब खान)

कुलसचिव

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय

जोधपुर

एम एस टी सी लिमिटेड (भारत सरकार का उपक्रम) MSTC LIMITED

ई-नीलामी कार्यक्रम

www.mstcindia.co.in

केन्द्रीय भण्डारण निगम

www.cwceprocure.com www.cewacor.nic.in

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

सूचना आमंत्रण

रुचि की अभिव्यक्ति (ई.ओ.आइ.)

www.aai.aero

शिवालिक मर्केन्टाइल को-ऑपरेटिव बैंक लि.

परिशिष्ट IV [नियम 8(1) देखें] कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति हेतु)

दिनांक : 15.11.2019 स्थान : दिल्ली/गा.बा. कृते शिवालिक मर्केन्टाइल को-ऑपरेटिव बैंक लि., अधिकृत प्राधिकारी

आयकर अधिनियम, 1961 की द्वितीय अनुसूची के नियम 2 के अंतर्गत सूचना ऋण वसूली अधिकरण

रिकवरी अधिकारी ऋण वसूली अधिकरण, जयपुर

राज्यसभा का शीतकालीन सत्र आरंभ होने की पूर्व संध्या पर रविवार को आयोजित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं की बैठक में 'राज्यसभा : द जर्नी सिंस 1952' का विमोचन करते हुए उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू।

संसदीय समितियों की बैठकों में सदस्यों की गैरहाजिरी चिंता का विषय : नायडू

नई दिल्ली, 17 नवंबर (भाषा)।

राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू ने संसद की विभाग संबंधी समितियों की बैठकों में सदस्यों की अनुपस्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए उच्च सदन में सभी दलों के नेताओं से इन समितियों की बैठकों में उनके दल के सदस्यों की उपस्थिति सुनिश्चित करने का आह्वान किया है।

नायडू ने सोमवार से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र की पूर्वसंध्या पर राज्यसभा में सभी दलों के नेताओं की बैठक में कहा कि विभाग संबधी समितियों की बैठकों में सदस्यों के गैरहाजिर रहने की बढ़ती प्रवृत्ति चिंता का विषय है। राज्यसभा सचिवालय द्वारा जारी बयान के अनुसार नायडू ने बैठक में सभी दलों के नेताओं से समितियों की बैठकों में सांसदों की उपस्थिति सुनिश्चित करने की अपील करते हुए कहा कि समितियां, विभिन्न विषयों पर तभी पर्याप्त विश्लेषण कर अपनी रिपोर्ट दे सकेंगी जब समितियों के सदस्य इनकी बैठकों में नियमित तौर पर उपस्थित होंगे।

उन्होंने कानून बनाने में इन समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका का जिक्र करते हुए कहा, 'विभिन्न मुद्दों पर प्रस्तावित कानून के मसौदे को समितियों की विस्तृत विश्लेषण रिपोर्ट के आधार पर ही अंतिम रूप दिया जाता है। इसलिए समितियों के सभी सदस्य इनकी बैठकों में जरूर शिरकत करें।' इस दौरान नायडू ने सोमवार से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान राज्यसभा में पिछले सत्र की ही तरह आगामी सत्र को भी कामकाज की दृष्टि से कामयाब बनाने की सभी दलों के नेताओं से अपील की।

उन्होंने कहा कि उच्च सदन की कार्यवाही को सुचारू बनाने के लिए सभी सदस्यों ने जो उत्साह और प्रतिबद्धता बजट सत्र में दिखाई थी, उसे आगामी सत्र में भी बरकरार रखना होगा। नायडू ने कहा, 'राज्यसभा के 249वें सत्र के दौरान उच्च सदन में बीते कुछ वर्षों में सर्वाधिक काम हुआ था। राज्यसभा का यह 250वां सत्र होने के कारण और भी अधिक महत्त्वपूर्ण होगा।'

गोवा मिग हादसा : केंद्रीय मंत्री नाइक ने पायलट की प्रशंसा की

पणजी, 17 नवंबर (भाषा)।

केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री श्रीपद नाइक ने दुर्घटनाग्रस्त हुए नौसेना के प्रशिक्षण विमान मिग-29के को आबादी से दूर ले जाने के लिए दोनों पायलटों की रविवार को प्रशंसा।

गौरतलब है कि मिग-29 के विमान डाबोलिम में लंगर डाले आईएनएस हंस से संबंद्ध था और शनिवार को हादसे के बाद उसका मलबा वरना गांव के पास पथरीले पठार पर गिरा था। हालांकि, विमान में सवार दोनों पायलट सुरक्षित बाहर निकलने में कामयाब रहे।

उत्तरी गोवा से लोकसभा सदस्य नाइक ने ट्वीट किया, 'दो सीट वाले मिग-29 के पायलट कैप्टन एम शिवखंड और लेफ्टिनेंट कमांडर दीपक यादव ने सूझबूझ का परिचय देते हुए विमान को आबादी से दूर ले गए और सुरक्षित बाहर निकलकर बहादुरी का काम किया। ईश्वर उन्हें स्वस्थ्य रखे और सफलता दें।' जिलाधिकारी अजीत रॉय ने शनिवार को पत्रकारों को बताया था कि विमान के बाएं इंजन में लपटे निकल रही थी जबकि दाएं इंजन में चिड़िया के टकराने से आग लगी। उन्होंने बताया कि हादसे के वक्त विमान नियमित उड़ान पर था। रॉय ने कहा कि पायलट सूझबूझ दिखाते हुए विमान को आबादी वाले क्षेत्र से दूर ले गए और उससे सुरक्षित निकलने से कामयाब रहे।

शाह ने मंदिर आंदोलन के नेता अशोक सिंघल को किया याद

नई दिल्ली, 17 नवंबर (भाषा)।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने राम जन्मभूमि आंदोलन के नेताओं में से एक अशोक सिंघल को रविवार को श्रद्धांजलि दी और कहा कि इस उद्देश्य के लिए उनका संघर्ष सराहनीय था।

शाह ने कहा कि सिंघल ने बेहद धनी परिवार से आने के बावजूद, सभी खुशियां और वैभव का त्याग कर, एक संन्यासी की तरह देश और धर्म की सेवा सारी जिंदगी की।

उन्होंने एक ट्वीट में कहा, 'राम जन्मभूमि और राम सेतु आंदोलन व धर्म जागरण के लिए उनका संघर्ष वंदनीय था। उनकी पुण्यतिथि पर मैं उन्हें श्रद्धांजलि देता हूं।' सिंघल 20 सालों तक विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष थे और अयोध्या राम जन्मभूमि आंदोलन से बेहद गहराई से जुड़े थे। 89 साल की उम्र में 17 नवंबर 2015 को उनका निधन हो गया था।

गृह मंत्री ने एक अन्य ट्वीट में स्वतंत्रता आंदोलन के नायकों में से एक लाला लाजपत राय को उनकी पुण्यतिथि पर याद करते हुए कहा कि वे देशवासियों के लिये प्रेरणा और देशभक्ति के प्रतीक बने रहेंगे। उन्होंने कहा, 'लाला लाजपत राय जी एक ऐसे स्वतंत्रता सेनानी थे जिनके नाम से आज भी देशवासियों में राष्ट्रभक्ति तथा प्रेरणा का संचार होता है। मां भारती के लिए सर्वस्व अर्पण करना देश व संस्कृति के प्रति उनके अटूट प्रेम और आदर का परिचायक है। लालाजी के बलिदान को यह कृतज्ञ राष्ट्र कभी भुला नहीं पाएगा।'

हरियाणा भाजपा कोर ग्रुप की बैठक में चुनाव परिणामों पर चर्चा नहीं

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 17 नवंबर।

अबकी बार 75 पार का नारा देकर हरियाणा विधानसभा के चुनाव मैदान में उतरी भाजपा ने सूबे में अपनी हुकूमत जरूर कायम कर ली लेकिन इसके लिए उसे जजपा की बैसाखी का सहारा लेना पड़ा। पार्टी अपने बूते बहुमत के आंकड़े को नहीं छू पाई। चुनाव परिणामों ने उसके नारे की हवा निकाल दी। इसके बावजूद रविवार को हरियाणा भाजपा कोर ग्रुप की हुई बैठक में पार्टी नेताओं को उन कारणों की समीक्षा का वक्त नहीं मिल पाया जिनकी वजह से पार्टी 75 की जगह महज 40 सीटों तक सिमट कर रह गई। हालांकि नेताओं का कहना है कि पार्टी इस मुद्दे पर बाद में मंथन करेगी।

हरियाणा के लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री बने मनोहरलाल खट्टर की अगुआई में भाजपा की कोर ग्रुप की बैठक हुई। बैठक के बाद प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बराला ने कहा कि हरियाणा विधानसभा के चुनाव के बाद और सूबे में भाजपा की अगुआई में सरकार कायम होने के बाद हुई इस बैठक का मकसद सभी मुद्दों पर चर्चा करना था लेकिन समयाभाव के कारण चुनाव परिणामों को लेकर विस्तृत चर्चा नहीं हो पाई। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सहित अन्य नेताओं के पहले से तय कार्यक्रमों में शिरकत करनी थी, लिहाजा इस मुद्दे को अगली बैठक में उठाने पर सहमति बनी। उन्होंने कहा कि इसी महीने 22-23 तारीख को पार्टी के चुनाव लड़े सभी नेताओं को बुलाया जाएगा और तब फिर उनके साथ बैठकर उनकी हार-जीत के कारणों की समीक्षा की जाएगी।

बराला ने बताया कि हरियाणा में पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए साधारण सदस्यता का काम तो पूरा हो चुका है लेकिन सक्रिय सदस्यता को लेकर काम अभी बाकी है।

इनामी दस्यु साधना पटेल गिरफ्तार

सतना (मप्र), 17 नवंबर (भाषा)।

मध्य प्रदेश की सतना पुलिस ने 20,000 रुपए की इनामी दस्यु साधना पटेल (21) को रविवार को गिरफ्तार किया। उसका गिरोह मध्य प्रदेश व उत्तर प्रदेश में सक्रिय था और लूट, डकैती व अपहरण की कई वारदातों को अंजाम दे चुका था।

सतना के पुलिस अधीक्षक रियाज इकबाल ने यहां बताया कि मुखबिर की सूचना पर सतना पुलिस ने डकैत सरगना साधना पटेल को सतना जिले के चित्रकूट इलाके के कडियन के जंगलों से रविवार को पकड़ा। मध्य प्रदेश व उत्तर प्रदेश की पुलिस की ओर से उस पर कुल 20,000 रुपए का इनाम घोषित था।

इकबाल ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि साधना पटेल अपने गिरोह के साथ कडियन मोड के जंगलों में पुलिया के पास देखी गई है। इस पर पुलिस ने टीमें तैयार कर इलाके की घेराबंदी की।

अभयारण्य मुद्दे पर याचिका के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने और समय मांगा

रायपुर, 17 नवंबर (भाषा)।

छत्तीसगढ़ में गुरु घासीदास बाघ अभयारण्य के निर्माण को लेकर अधिसूचना जारी करने में राज्य सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट में विस्तृत जानकारी देने के लिए और अधिक समय मांगा गया है।वन्यजीवों के लिए काम करने वाले कार्यकर्ता अजय दुबे की ओर से जनहित याचिका दायर किए जाने के बाद यह कदम सामने आया है। याचिका में बाघ अभयारण्य के लिए अधिसूचना जारी करने में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा कार्रवाई नहीं किए जाने का आरोप लगाया है।

प्रपत्र आईएनसी-26
[कम्पनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30 के अनुसार]
कम्पनी के पंजीकृत पते को एक राज्य से दूसरे राज्य में परिवर्तित करने के लिए समाचार-पत्र में प्रकाशित होने वाला विज्ञापन
केन्द्र सरकार
(क्षेत्रीय निदेशक)
उत्तरी क्षेत्र, दिल्ली के समक्ष
कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 की उपधारा (4) तथा कम्पनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30 के उपनियम (5) के उपपद (अ) के मामले में
तथा
जियोमैट्री इन्फ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड के मामले में, जिसका पंजीकृत कार्यालय 515, नौरंग भवन, 21 के.जी. मार्ग, नई दिल्ली, सेंट्रल दिल्ली-110001 पर है
.... याचिकाकर्ता
एतद्वारा जनसामान्य को सूचित किया जाता है कि कम्पनी अपने पंजीकृत कार्यालय को "राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली" से "पश्चिम बंगाल राज्य" में परिवर्तित करने के लिए 24 सितम्बर, 2019 को आयोजित असाधारण आम बैठक में पारित विशेष प्रस्ताव के सन्दर्भ में कम्पनी की संस्था नियमावली के परिवर्तन के सुनिश्चितीकरण चाहने के लिए कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 के तहत केन्द्र सरकार के पास अवेदन करने का प्रस्ताव करती है।
कोई भी व्यक्ति जो कम्पनी के पंजीकृत पते के परिवर्तन से प्रभावित होना सम्भावित है वह या तो एमसीए-21 पोर्टल (www.mca.gov.in) पर निवेशक शिकायत प्रपत्र भरकर या इसे भेजे जाने का कारण दर्ज करा सकता है या विरोध की पृष्ठभूमि तता अपने हित की प्रकृति बताते हुए एक शपथपत्र द्वारा अपनी आपत्तियों को समर्थित करके पंजीकृत डाक द्वारा इस प्रकाशन की तिथि से चौदह दिनों के भीतर क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, नई दिल्ली, बी-2, विंग, दूसरी मंजिल, पर्यावरण भवन, सीजीओ कॉम्पलेक्स, नई दिल्ली-110003 पर तथा इसकी एक प्रति आवेदक कम्पनी के निम्नलिखित पंजीकृत पते पर भेज सकता है :
आवेदक जियोमैट्री इन्फ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड के लिए तथा उसकी ओर से
अर्जुन सारस्वत
तिथि : 18.11.2019 निदेशक
स्थान : नई दिल्ली (डीआईएन : 00417011)

प्रपत्र आईएनसी-26
[कम्पनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30 के अनुसार]
कम्पनी के पंजीकृत पते को एक राज्य से दूसरे राज्य में परिवर्तित करने के लिए समाचार-पत्र में प्रकाशित होने वाला विज्ञापन
केन्द्र सरकार
(क्षेत्रीय निदेशक)
उत्तरी क्षेत्र, दिल्ली के समक्ष
कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 की उपधारा (4) तथा कम्पनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30 के उपनियम (5) के उपपद (अ) के मामले में
तथा
अमेज टेलीविजन प्राइवेट लिमिटेड के मामले में, जिसका पंजीकृत कार्यालय 515, नौरंग भवन, 21 के.जी. मार्ग, नई दिल्ली, सेंट्रल दिल्ली-110001 पर है
.... याचिकाकर्ता
एतद्वारा जनसामान्य को सूचित किया जाता है कि कम्पनी अपने पंजीकृत कार्यालय को "राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली" से "पश्चिम बंगाल राज्य" में परिवर्तित करने के लिए 25 सितम्बर, 2019 को आयोजित असाधारण आम बैठक में पारित विशेष प्रस्ताव के सन्दर्भ में कम्पनी की संस्था नियमावली के परिवर्तन के सुनिश्चितीकरण चाहने के लिए कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 के तहत केन्द्र सरकार के पास अवेदन करने का प्रस्ताव करती है।
कोई भी व्यक्ति जो कम्पनी के पंजीकृत पते के परिवर्तन से प्रभावित होना सम्भावित है वह या तो एमसीए-21 पोर्टल (www.mca.gov.in) पर निवेशक शिकायत प्रपत्र भरकर या इसे भेजे जाने का कारण दर्ज करा सकता है या विरोध की पृष्ठभूमि तता अपने हित की प्रकृति बताते हुए एक शपथपत्र द्वारा अपनी आपत्तियों को समर्थित करके पंजीकृत डाक द्वारा इस प्रकाशन की तिथि से चौदह दिनों के भीतर क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, नई दिल्ली, बी-2, विंग, दूसरी मंजिल, पर्यावरण भवन, सीजीओ कॉम्पलेक्स, नई दिल्ली-110003 पर तथा इसकी एक प्रति आवेदक कम्पनी के निम्नलिखित पंजीकृत पते पर भेज सकता है:
आवेदक अमेज टेलीविजन प्राइवेट लिमिटेड के लिए तथा उसकी ओर से
दिनेश कुमार
तिथि : 18.11.2019
स्थान: नई दिल्ली निदेशक (डीआईएन : 03421833)

प्रपत्र आईएनसी-26
[कम्पनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30 के अनुसार]
कम्पनी के पंजीकृत पते को एक राज्य से दूसरे राज्य में परिवर्तित करने के लिए समाचार-पत्र में प्रकाशित होने वाला विज्ञापन
केन्द्र सरकार
(क्षेत्रीय निदेशक)
उत्तरी क्षेत्र, दिल्ली के समक्ष
कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 की उपधारा (4) तथा कम्पनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30 के उपनियम (5) के उपपद (अ) के मामले में
तथा
जैनस वैल्यूफोलियो प्राइवेट लिमिटेड के मामले में, जिसका पंजीकृत कार्यालय 515, नौरंग भवन, 21 के.जी. मार्ग, नई दिल्ली, सेंट्रल दिल्ली-110001 पर है .... याचिकाकर्ता
एतद्वारा जनसामान्य को सूचित किया जाता है कि कम्पनी अपने पंजीकृत कार्यालय को "राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली" से "पश्चिम बंगाल राज्य" में परिवर्तित करने के लिए 25 सितम्बर, 2019 को आयोजित असाधारण आम बैठक में पारित विशेष प्रस्ताव के सन्दर्भ में कम्पनी की संस्था नियमावली के परिवर्तन के सुनिश्चितीकरण चाहने के लिए कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 के तहत केन्द्र सरकार के पास अवेदन करने का प्रस्ताव करती है।
कोई भी व्यक्ति जो कम्पनी के पंजीकृत पते के परिवर्तन से प्रभावित होना सम्भावित है वह या तो एमसीए-21 पोर्टल (www.mca.gov.in) पर निवेशक शिकायत प्रपत्र भरकर या इसे भेजे जाने का कारण दर्ज करा सकता है या विरोध की पृष्ठभूमि तता अपने हित की प्रकृति बताते हुए एक शपथपत्र द्वारा अपनी आपत्तियों को समर्थित करके पंजीकृत डाक द्वारा इस प्रकाशन की तिथि से चौदह दिनों के भीतर क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, नई दिल्ली, बी-2, विंग, दूसरी मंजिल, पर्यावरण भवन, सीजीओ कॉम्पलेक्स, नई दिल्ली-110003 पर तथा इसकी एक प्रति आवेदक कम्पनी के निम्नलिखित पंजीकृत पते पर भेज सकता है :
आवेदक जैनस वैल्यूफोलियो प्राइवेट लिमिटेड के लिए तथा उसकी ओर से
दिनेश कुमार
तिथि : 18.11.2019 निदेशक
स्थान : नई दिल्ली (डीआईएन : 03421833)

प्रपत्र आईएनसी-26
[कम्पनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30 के अनुसार]
कम्पनी के पंजीकृत पते को एक राज्य से दूसरे राज्य में परिवर्तित करने के लिए समाचार-पत्र में प्रकाशित होने वाला विज्ञापन
केन्द्र सरकार
(क्षेत्रीय निदेशक)
उत्तरी क्षेत्र, दिल्ली के समक्ष
कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 की उपधारा (4) तथा कम्पनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30 के उपनियम (5) के उपपद (अ) के मामले में
तथा
मलेशिया सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड के मामले में, जिसका पंजीकृत कार्यालय 515, नौरंग भवन, 21 के.जी. मार्ग, नई दिल्ली, सेंट्रल दिल्ली-110001 पर है .... याचिकाकर्ता
एतद्वारा जनसामान्य को सूचित किया जाता है कि कम्पनी अपने पंजीकृत कार्यालय को "राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली" से "पश्चिम बंगाल राज्य" में परिवर्तित करने के लिए 25 सितम्बर, 2019 को आयोजित असाधारण आम बैठक में पारित विशेष प्रस्ताव के सन्दर्भ में कम्पनी की संस्था नियमावली के परिवर्तन के सुनिश्चितीकरण चाहने के लिए कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 के तहत केन्द्र सरकार के पास अवेदन करने का प्रस्ताव करती है।
कोई भी व्यक्ति जो कम्पनी के पंजीकृत पते के परिवर्तन से प्रभावित होना सम्भावित है वह या तो एमसीए-21 पोर्टल (www.mca.gov.in) पर निवेशक शिकायत प्रपत्र भरकर या इसे भेजे जाने का कारण दर्ज करा सकता है या विरोध की पृष्ठभूमि तता अपने हित की प्रकृति बताते हुए एक शपथपत्र द्वारा अपनी आपत्तियों को समर्थित करके पंजीकृत डाक द्वारा इस प्रकाशन की तिथि से चौदह दिनों के भीतर क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, नई दिल्ली, बी-2, विंग, दूसरी मंजिल, पर्यावरण भवन, सीजीओ कॉम्पलेक्स, नई दिल्ली-110003 पर तथा इसकी एक प्रति आवेदक कम्पनी के निम्नलिखित पंजीकृत पते पर भेज सकता है :
आवेदक मलेशिया सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड के लिए तथा उसकी ओर से
दिनेश कुमार
तिथि : 18.11.2019 निदेशक
स्थान : नई दिल्ली (डीआईएन : 03421833)

प्रपत्र आईएनसी-26
[कम्पनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30 के अनुसार]
कम्पनी के पंजीकृत पते को एक राज्य से दूसरे राज्य में परिवर्तित करने के लिए समाचार-पत्र में प्रकाशित होने वाला विज्ञापन
केन्द्र सरकार
(क्षेत्रीय निदेशक)
उत्तरी क्षेत्र, दिल्ली के समक्ष
कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 की उपधारा (4) तथा कम्पनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30 के उपनियम (5) के उपपद (अ) के मामले में
तथा
मैक्सरिच ग्लोबल स्टॉक्स प्राइवेट लिमिटेड के मामले में, जिसका पंजीकृत कार्यालय 515, नौरंग भवन, 21 के.जी. मार्ग, नई दिल्ली, सेंट्रल दिल्ली-110001 पर है
.... याचिकाकर्ता
एतद्वारा जनसामान्य को सूचित किया जाता है कि कम्पनी अपने पंजीकृत कार्यालय को "राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली" से "पश्चिम बंगाल राज्य" में परिवर्तित करने के लिए 25 सितम्बर, 2019 को आयोजित असाधारण आम बैठक में पारित विशेष प्रस्ताव के सन्दर्भ में कम्पनी की संस्था नियमावली के परिवर्तन के सुनिश्चितीकरण चाहने के लिए कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 के तहत केन्द्र सरकार के पास अवेदन करने का प्रस्ताव करती है।
कोई भी व्यक्ति जो कम्पनी के पंजीकृत पते के परिवर्तन से प्रभावित होना सम्भावित है वह या तो एमसीए-21 पोर्टल (www.mca.gov.in) पर निवेशक शिकायत प्रपत्र भरकर या इसे भेजे जाने का कारण दर्ज करा सकता है या विरोध की पृष्ठभूमि तता अपने हित की प्रकृति बताते हुए एक शपथपत्र द्वारा अपनी आपत्तियों को समर्थित करके पंजीकृत डाक द्वारा इस प्रकाशन की तिथि से चौदह दिनों के भीतर क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, नई दिल्ली, बी-2, विंग, दूसरी मंजिल, पर्यावरण भवन, सीजीओ कॉम्पलेक्स, नई दिल्ली-110003 पर तथा इसकी एक प्रति आवेदक कम्पनी के निम्नलिखित पंजीकृत पते पर भेज सकता है :
आवेदक मैक्सरिच ग्लोबल स्टॉक्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए तथा उसकी ओर से
दिनेश कुमार
तिथि : 18.11.2019 निदेशक
स्थान : नई दिल्ली (डीआईएन : 03421833)

प्रपत्र आईएनसी-26
[कम्पनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30 के अनुसार]
कम्पनी के पंजीकृत पते को एक राज्य से दूसरे राज्य में परिवर्तित करने के लिए समाचार-पत्र में प्रकाशित होने वाला विज्ञापन
केन्द्र सरकार
(क्षेत्रीय निदेशक)
उत्तरी क्षेत्र, दिल्ली के समक्ष
कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 की उपधारा (4) तथा कम्पनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30 के उपनियम (5) के उपपद (अ) के मामले में
तथा
स्वीडिश पोर्टफोलियो प्राइवेट लिमिटेड के मामले में, जिसका पंजीकृत कार्यालय 515, नौरंग भवन, 21 के.जी. मार्ग, नई दिल्ली, सेंट्रल दिल्ली-110001 पर है .... याचिकाकर्ता
एतद्वारा जनसामान्य को सूचित किया जाता है कि कम्पनी अपने पंजीकृत कार्यालय को "राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली" से "पश्चिम बंगाल राज्य" में परिवर्तित करने के लिए 25 सितम्बर, 2019 को आयोजित असाधारण आम बैठक में पारित विशेष प्रस्ताव के सन्दर्भ में कम्पनी की संस्था नियमावली के परिवर्तन के सुनिश्चितीकरण चाहने के लिए कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 के तहत केन्द्र सरकार के पास अवेदन करने का प्रस्ताव करती है।
कोई भी व्यक्ति जो कम्पनी के पंजीकृत पते के परिवर्तन से प्रभावित होना सम्भावित है वह या तो एमसीए-21 पोर्टल (www.mca.gov.in) पर निवेशक शिकायत प्रपत्र भरकर या इसे भेजे जाने का कारण दर्ज करा सकता है या विरोध की पृष्ठभूमि तता अपने हित की प्रकृति बताते हुए एक शपथपत्र द्वारा अपनी आपत्तियों को समर्थित करके पंजीकृत डाक द्वारा इस प्रकाशन की तिथि से चौदह दिनों के भीतर क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, नई दिल्ली, बी-2, विंग, दूसरी मंजिल, पर्यावरण भवन, सीजीओ कॉम्पलेक्स, नई दिल्ली-110003 पर तथा इसकी एक प्रति आवेदक कम्पनी के निम्नलिखित पंजीकृत पते पर भेज सकता है :
आवेदक स्वीडिश पोर्टफोलियो प्राइवेट लिमिटेड के लिए तथा उसकी ओर से
दिनेश कुमार
तिथि : 18.11.2019 निदेशक
स्थान : नई दिल्ली (डीआईएन : 03421833)

प्रपत्र आईएनसी-26
[कम्पनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30 के अनुसार]
कम्पनी के पंजीकृत पते को एक राज्य से दूसरे राज्य में परिवर्तित करने के लिए समाचार-पत्र में प्रकाशित होने वाला विज्ञापन
केन्द्र सरकार
(क्षेत्रीय निदेशक)
उत्तरी क्षेत्र, दिल्ली के समक्ष
कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 की उपधारा (4) तथा कम्पनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30 के उपनियम (5) के उपपद (अ) के मामले में
तथा
यूनीरॉयल बिल्डकॉन प्राइवेट लिमिटेड के मामले में, जिसका पंजीकृत कार्यालय 515, नौरंग भवन, 21 के.जी. मार्ग, नई दिल्ली, सेंट्रल दिल्ली-110001 पर है .... याचिकाकर्ता
एतद्वारा जनसामान्य को सूचित किया जाता है कि कम्पनी अपने पंजीकृत कार्यालय को "राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली" से "पश्चिम बंगाल राज्य" में परिवर्तित करने के लिए 24 सितम्बर, 2019 को आयोजित असाधारण आम बैठक में पारित विशेष प्रस्ताव के सन्दर्भ में कम्पनी की संस्था नियमावली के परिवर्तन के सुनिश्चितीकरण चाहने के लिए कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 के तहत केन्द्र सरकार के पास अवेदन करने का प्रस्ताव करती है।
कोई भी व्यक्ति जो कम्पनी के पंजीकृत पते के परिवर्तन से प्रभावित होना सम्भावित है वह या तो एमसीए-21 पोर्टल (www.mca.gov.in) पर निवेशक शिकायत प्रपत्र भरकर या इसे भेजे जाने का कारण दर्ज करा सकता है या विरोध की पृष्ठभूमि तता अपने हित की प्रकृति बताते हुए एक शपथपत्र द्वारा अपनी आपत्तियों को समर्थित करके पंजीकृत डाक द्वारा इस प्रकाशन की तिथि से चौदह दिनों के भीतर क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, नई दिल्ली, बी-2, विंग, दूसरी मंजिल, पर्यावरण भवन, सीजीओ कॉम्पलेक्स, नई दिल्ली-110003 पर तथा इसकी एक प्रति आवेदक कम्पनी के निम्नलिखित पंजीकृत पते पर भेज सकता है :
आवेदक यूनीरॉयल बिल्डकॉन प्राइवेट लिमिटेड के लिए तथा उसकी ओर से
अर्जुन सारस्वत
तिथि : 18.11.2019 निदेशक
स्थान : नई दिल्ली (डीआईएन : 00417011)

प्रपत्र आईएनसी-26
[कम्पनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30 के अनुसार]
कम्पनी के पंजीकृत पते को एक राज्य से दूसरे राज्य में परिवर्तित करने के लिए समाचार-पत्र में प्रकाशित होने वाला विज्ञापन
केन्द्र सरकार
(क्षेत्रीय निदेशक)
उत्तरी क्षेत्र, दिल्ली के समक्ष
कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 की उपधारा (4) तथा कम्पनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30 के उपनियम (5) के उपपद (अ) के मामले में
तथा
ज्यूरिच सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड के मामले में, जिसका पंजीकृत कार्यालय 515, नौरंग भवन, 21 के.जी. मार्ग, नई दिल्ली, सेंट्रल दिल्ली-110001 पर है .... याचिकाकर्ता
एतद्वारा जनसामान्य को सूचित किया जाता है कि कम्पनी अपने पंजीकृत कार्यालय को "राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली" से "पश्चिम बंगाल राज्य" में परिवर्तित करने के लिए 25 सितम्बर, 2019 को आयोजित असाधारण आम बैठक में पारित विशेष प्रस्ताव के सन्दर्भ में कम्पनी की संस्था नियमावली के परिवर्तन के सुनिश्चितीकरण चाहने के लिए कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 के तहत केन्द्र सरकार के पास अवेदन करने का प्रस्ताव करती है।
कोई भी व्यक्ति जो कम्पनी के पंजीकृत पते के परिवर्तन से प्रभावित होना सम्भावित है वह या तो एमसीए-21 पोर्टल (www.mca.gov.in) पर निवेशक शिकायत प्रपत्र भरकर या इसे भेजे जाने का कारण दर्ज करा सकता है या विरोध की पृष्ठभूमि तता अपने हित की प्रकृति बताते हुए एक शपथपत्र द्वारा अपनी आपत्तियों को समर्थित करके पंजीकृत डाक द्वारा इस प्रकाशन की तिथि से चौदह दिनों के भीतर क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, नई दिल्ली, बी-2, विंग, दूसरी मंजिल, पर्यावरण भवन, सीजीओ कॉम्पलेक्स, नई दिल्ली-110003 पर तथा इसकी एक प्रति आवेदक कम्पनी के निम्नलिखित पंजीकृत पते पर भेज सकता है :
आवेदक ज्यूरिच सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड के लिए तथा उसकी ओर से
दिनेश कुमार
तिथि : 18.11.2019 निदेशक
स्थान : नई दिल्ली (डीआईएन : 03421833)

सार्वजनिक घोषणा
एसआरके किचन एप्लायंसेज प्राइवेट लिमिटेड के हितधारकों के ध्यानार्थ (परिसमापनाधीन)
"http://www.cspkrai.com/srk-kitchen-appliances-public-announcement.html"
हस्ता/-
प्रवीण कुमार राय
दिनांक : 17 नवंबर 2019
पंजीकरण सं. IBBI/IPA-002/IP-N00264/2017-18/10777

BOI
शाहदरा शाखा
जी.टी. रोड, शाहदरा, दिल्ली-110032
कब्जा सूचना
... रु. 10,26,214/- (रुपये दस लाख छब्बीस हजार दो सौ चौदह मात्र) दिनांक 30.06.2019 तक और भविष्य का ब्याज, आकस्मिक एवं अन्य प्रभार इत्यादि ... दिनांक 13.11.2019 को लिया है। ...
अचल संपत्ति का विवरण
दिनांक : 13-11-2019, स्थान : नई दिल्ली प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ इंडिया

BOI
शाखा : प्रशान्त विहार, ई-4, प्रशान्त विहार, दिल्ली-110085
फोन : 011-47056876, 27552006
ईमेल : prashantvihar.newdelhi@bankofindia.co.in
परिशिष्ट- IV नियम 8(1) कब्जा सूचना (अचल संपत्ति हेतु)
... रु. 16,31,074.63 ...
अचल संपत्ति का विवरण
... रोहिणी, नई दिल्ली-110085 में स्थित, चौहद्दी : पूरब में - प्लॉट नं. 78, पश्चिम में - प्लॉट नं. 76, दक्षिण में - प्रवेश, उत्तर में - सर्विस लेन
दिनांक : 13.11.2019, स्थान : नई दिल्ली प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ इंडिया

केन फिन होम्स लिमिटेड
स्पीड बिल्डिंग, प्रथम तल, 3, शाहनजफ रोड, हजरतगंज, लखनऊ-226001
Tel- 0522-2230331, 4065123, Mob:- 7625079125
Email: lucknow@canfinhomes.com, CIN: L85110ka198plc008699
माँग सूचना
वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 (सरफेसी अधिनियम) सपठित नियम 3(1) के साथ प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 की धारा 13(2) के अन्तर्गत जैसा कि अधोहस्ताक्षरी कैन फिन होम्स लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी ने सरफेसी अधिनियम के अन्तर्गत धारा 13(12) सपठित नियम 3 के अन्तर्गत एक मांग सूचना निर्गमित की जिसके अंतर्गत धारा 13(2) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मांग सूचना ऋणियों को राशि कथित सूचना (यहां आगे इन्हे ऋण्यिों के रूप मे जाना जाता है) की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अन्दर चुकाने के लिये कहते हुए जारी किया था। ऋणियों/बंधककर्ताओं/जमानतदारों को भेजा गया नोटिस बिना किसी तालिम के स्वीकार नही किये जाने के कारण डाक अधिकारीयों द्वारा वापस लौटा दिया गया है, इसलिये कम्पनी अत्यधिक सावधानी बरतते हुए मांग सूचना का प्रकाशन (नियम 3(1) के प्रावधानों के अनुसार) कर रही है, इसलिये अधोहस्ताक्षरी ने उक्त अधिनियम के अनुसार ऋणी के अंतिम ज्ञात पते/परिसर पर इस नोटिस को चिपकाया है।
अतः सुरक्षा की दृष्टि से बकाया ऋण के पुर्नभुगतान के लिये नीचे वर्णित संपत्ति संबंधित पक्षों द्वारा कंपनी के पास गिरवीकृत रखी गई है। मांग नोटिस के अनुसार बकाया राशि 27,10,160.00 दिनांक 31.08.2019 तक + भविष्य की लागत ब्याज व अन्य खर्चे।
1. श्रीमती अंकिता राजपूत पत्नी स्व0 श्री सूरज कुमार गुप्ता (स्वयं) एवं स्व0 श्री सूरज कुमार गुप्ता की कानूनी अधिकारी।
निवासी- एलआईजी-4/523, सेक्टर-एच, जानकीपुरम्, सहारा एस्टेट, लखनऊ-226021
एवं 58/921, कांशीराम आवास योजना, सीतापुर-261001
2. श्री सुमित कुमार गुप्ता पुत्र श्री राघव राम गुप्ता (गारण्टर)
निवासी- मकान नं0 ई-1/36, सेक्टर-आई, जानकीपुरम्, लखनऊ-226021
बंधक सम्पत्ति का विवरण
मकान प्लॉट नं0 ए-10 एवं ए-11 पर निर्मित खसरा नं0 868 का भाग स्थित मड़ियाव, परगना महोना, तहसील बक्शी का तालाब, जिला लखनऊ। चौहद्दीः-
उत्तरः-रोड 22 फीट चौड़ा
दक्षिणः- भूमि का शेष भाग
पूर्वः- भूमि का शेष भाग
पश्चिमः- रोड 22 फीट चौड़ा
अनुबंध की दरों पर आगे के ब्याज के साथ देय उल्लेखित तारीख पर भुगतान की सहमति के अनुसार उपरोक्त भुगतान की तारीख तक।
आपसे उपरोक्त कथित राशि अनुबंध की दरों पर ब्याज के साथ इस नोटिस की दिनांक से 60 दिनों के भीतर करने की मांग की जाती है जिसमें चूक होने पर अधोहस्ताक्षरकर्ता सरफेसी अधिनियम के अंतर्गत कथित प्रतिभूति को प्रवर्तन करने हेतु बाध्य होगा। इसक अलावा, ऋणियों/जमानतदारों का ध्यान प्रतिभूत आस्तियों के मोचन के लिए उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के उपबंधों की ओर, आकृष्ट किया जाता है।
दिनांकः 07.09.2019
स्थानः लखनऊ
एसडी/-
प्राधिकृत अधिकारी
केनफिन होम्स लिमिटेड

प्रपत्र ए
सार्वजनिक उद्घोषणा
[भारत दिवाला तथा दिवालिया मंडल (कॉर्पोरेट व्यक्तियों के लिए दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया) विनियमन, 2016 के विनियमन 6 के अंतर्गत]
गोयला इन्फ्राज. प्रॉजेक्ट्स प्रा.लि. के क्रेडीटरों के ध्यानार्थ

संबंधित विवरण		
1.	कॉर्पोरेट ऋणधारक का नाम	गोयला इन्फ्राज प्रॉजेक्ट्स प्रा. लि.
2.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के निगमन की तिथि	28 फरवरी, 2011
3.	वह प्राधिकरण जिसके अंतर्गत कॉर्पोरेट ऋणधारक निगमित/पंजीकृत है	कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय-आरओसी-दिल्ली
4.	कॉर्पोरेट पहचान संख्या/कॉर्पोरेट ऋणधारक का लिमिटेड लाएबिलिटी पहचान संख्या	U45200DL2011PTC14904
5.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के पंजीकृत कार्यालय तथा प्रधान कार्यालय (यदि कोई हो) का पता	पंजीकृत पताः 154 एसएफएस (1 ला तल), रजौरी अपार्टमेन्ट, रजौरी गार्डन, नई दिल्ली डीएल 110064 आईएन
6.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के संदर्भ में दिवाला आरंभ होने की तिथि	30 अक्टूबर, 2019 (आदेश 15 नवम्बर, 2019 को प्राप्त हुई)
7.	दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया के समापन की अनुमानित तिथि	27 अप्रैल, 2020 (30 अक्टूबर, 2019 से 180 दिन)
8.	अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल का नाम, पंजीकरण संख्या, जो अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल के रूप में कार्यरत है	भरत चौफला IBBI/IPA-001/IP-P01090/2017-18/11809
9.	बोर्ड में यथा पंजीकृत अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेश्नल का पता एवं ईमेलः	पत्राचार के लिये नहीं: पताः जे 5/126, 3रा तल, रजौरी गार्डन, नई दिल्ली-110027 ईमेलः bharat.chaufla@gmail.com
10.	अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेश्नल के साथ पत्राचार के लिये प्रयुक्त होने वाला पता तथा ईमेल	पत्रायार के लिये पताः गो वर्क बिल्डिंग, प्लॉट नं. 108, भू तल, उद्योग विहार फेज-1, गुड़गाँव, हरियाणा-122016 ईमेलः ibbigoyala@gmail.com
11.	दावे जमा करने की अंतिम तिथि	29 नवम्बर, 2019 (आदेश प्राप्ति की तिथि से 14 दिन)
12.	क्रेडीटर का वर्ग यदि कोई हो, धारा 21 की उप धारा (6ए) के उपबंध (बी) के अंतर्गत, अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेश्नल द्वारा सुनिश्चित किया गया	इस तिथि तक कोई वर्ग सुनिश्चित नहीं की गई है।
13.	किसी वर्ग में क्रेडीटर्स के प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिये पहचान किये गये इन्सॉल्वेन्सी प्रॉफेश्नल का नाम (प्रत्येक वर्ग से तीन नाम)	एनए
14.	(क) संबंधित प्रपत्र तथा (ख)प्राधिकृत प्रतिनिधियों का विवरण उपलब्ध है	संबंधित प्रपत्रः नीचे प्वाइन्ट नं. 4 में वर्णित

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण ने 30 अक्टूबर, 2019 को गोयला इन्फ्रज प्रॉजेक्ट्स प्रा. लिमिटेड के संदर्भ में कॉर्पोरेट इन्सॉल्वेन्सी प्रस्ताव प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दिया है।
2. एतद्द्वारा गोयला इन्फ्रज प्रॉजेक्ट्स प्रा. लिमिटेड के क्रेडीटरों को निर्देश दिया जाता है कि प्रविष्टि सं. 10 में वर्णित पते पर अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल के पास 29 नवम्बर, 2019 को या उससे पूर्व प्रमाण के साथ अपने दावे जमा करें।
3. फाइनांसियल क्रेडीटर्स केवल इलेक्ट्रॉनिक पद्धति से ही प्रमाण के साथ अपने दावे जमा कर सकते हैं। अन्य सभी क्रेडीटर्स व्यक्तिगत, डाक द्वारा अथवा इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से प्रमाण के साथ अपने दावे जमा कर सकते हैं।
4. दावे बिनिर्दिष्ट प्रपत्रों, प्रपत्र बी-ऑपरेशनल क्रेडीटर (कर्मियों/कर्मचारियों के अतिरिक्त); प्रपत्र सी वित्तीय क्रेडीटरों; प्रपत्र सीए-किसी वर्ग में वित्तीय क्रेडीटरों; प्रपत्र डी-कर्मियों/कर्मचारियों; प्रपत्र ई-कर्मियों/कर्मचारियों के प्राधिकृत प्रतिनिधि; तथा प्रपत्र एफ-अन्य क्रेडीटरों, में जमा किये जा सकते हैं। उपरोक्त प्रपत्रों की प्रति https://ibbi.gov.in/home/downloads से डाउनलोड की जा सकती है।
5. दावे का गलत अथवा भ्रामक प्रमाण जमा करने पर दंडित किया जा सकता है।
अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल का नाम तथा हस्ताक्षर
(भरत चौफला)
इन्सॉल्वेन्सी प्रॉफेशनल
IBBI/IPA-001/IP-P01090/2017-18/11809
तिथिः 16 नवम्बर, 2019
स्थानः नई दिल्ली

प्रपत्र ए
सार्वजनिक घोषणा
जस्सुम प्रोपकोन प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के लेनदारों के ध्यानार्थ
संबंधित विवरण
[illegible]

खबर कोना

मॉस्को में रविवार को आइस डांस प्रतियोगिता की विजेता रूसी जोड़ी विक्टोरिया सिनित्सिना और निकिता कसालापोव पदकों के साथ।

महिला मुक्केबाजों ने अपने नाम किए पांच पीले तमगे

उलानबटोर (मंगोलिया), 17 नवंबर (भाषा) ।

फाइनल में जगह बनाने वाली भारत की पांचों महिला मुक्केबाजों ने रविवार को यहां एशियाई युवा मुक्केबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता जबकि पुरुषों ने दो रजत पदक हासिल किए। भारत ने प्रतियोगिता में कुल 12 पदक जीते। नाओरेम चानू (51 किग्रा), विंका (64 किग्रा), सनामाचा चानू (75 किग्रा), पूनम (54 किग्रा) और सुषमा (81 किग्रा) ने स्वर्ण पदक जीते। पुरुष वर्ग में सेलाय साय (49 किग्रा) और अंकित नरवाल (60 किग्रा) को फाइनल में हार के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा। अरुणधति चौधरी (69 किग्रा), कोमलप्रीत कौर (81 किग्रा से अधिक), जास्मिन (57 किग्रा), सतेंदर सिंह (91 किग्रा) और अमन (91 किग्रा से अधिक) ने कांस्य पदक जीते। भारत के लिए दिन की शुरुआत सेलाय ने की जिन्हें फाइनल में कजाखस्तान के बाजरबे उलु मुखामेदसेफी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। नरवाल भी इसके बाद जापान के रेइतो सुतसुमे से हार गए। पूनम ने चीन की वेइकी काइ को हराकर भारत के स्वर्ण पदकों का खाता खोला जबकि सुषमा ने कजाखस्तान की बाकितझानकिजी को हराकर सोने का तमगा अपने नाम किया।

राजा और रामनाथन ने पुणे चैलेंजर का युगल खिताब जीता

पुणे, 17 नवंबर (भाषा) ।

भारत के पूरव राजा और रामकुमार रामनाथन ने रविवार को यहां केपीआइटी एमएसएलटीए चैलेंजर टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में अर्जुन काधे और साकेत माइनेनी की जोड़ी को सीधे सेटों में हराकर लगातार दूसरा पुरुष युगल खिताब जीत लिया। राजा और रामनाथन की जोड़ी ने सीधे सेटों में 7-6(3), 6-3 से जीत दर्ज की। इस जोड़ी को खिताबी जीत से 3100 डॉलर की इनामी राशि और 80 एटीपी अंक मिले। अर्जुन और साकेत को 1800 डालर की इनामी राशि और 48 एटीपी अंक मिले। पुरुष एकल में आस्ट्रेलिया के दूसरे वरीय जेम्स डकवर्थ ने ब्रिटेन के जेय क्लार्क को हराकर साल का अपना चौथा चैलेंजर खिताब जीता। डकवर्थ ने दो घंटे और 18 मिनट चले फाइनल में कड़े मुकाबले में पांचवें वरीय प्रतिद्वंद्वी को तीन सेट में 4-6, 6-4, 6-4 से हराया। डकवर्थ को 7200 डॉलर और 80 एटीपी अंक मिले। इस खिताबी जीत से डकवर्थ की शीर्ष 100 में वापसी होगी और अगले साल होने वाले आस्ट्रेलिया ओपन के मुख्य ड्रा में खेलने का उन्हें मौका मिलेगा।

आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पर एक मैच का प्रतिबंध

सिडनी, 17 नवंबर (एएफपी) ।

आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जेम्स पैटिनसन को एक खिलाड़ी के लिए अपशब्दों का उपयोग करने पर एक मैच के लिए निलंबित कर दिया गया है जिसके कारण वह पाकिस्तान के खिलाफ इस सप्ताह शुरू होने वाले पहले टैस्ट क्रिकेट मैच में नहीं खेल पाएंगे। इस तेज गेंदबाज को पिछले सप्ताह विक्टोरिया के क्वीन्सलैंड के खिलाफ शैफील्ड शील्ड मैच के दौरान क्रिकेट आस्ट्रेलिया की आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया। यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि पैटिनसन ने क्या कहा लेकिन क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने इसे क्षेत्ररक्षण के दौरान एक खिलाड़ी के लिए अपशब्दों का उपयोग करना बताया। पिछले 18 महीनों में यह तीसरा अवसर है जबकि पैटिनसन ने आचार संहिता का उल्लंघन किया जिसके कारण उन्हें एक मैच के लिए निलंबित किया गया। क्रिकेट आस्ट्रेलिया के शीर्ष अधिकारी सीन कैरोल ने बयान में कहा, यह हमारा कर्तव्य है कि हम व्यवहार के उच्च मानकों को बनाए रखें और इस मामले में की गई कार्रवाई से यह पता चलता है। पैटिनसन पर प्रतिबंध लगने से मिशेल स्टार्क का ब्रिस्बेन में गुरुवार से शुरू होने वाले पहले टैस्ट मैच खेलने का रास्ता भी साफ हो गया है।

साव ने पचासे के साथ मनाया वापसी का जश्न

मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी मुंबई को असम के खिलाफ 83 रन की जीत दिलाई

आठ महीने प्रतिबंध के बाद मैदान पर उतरे साव ने खेली 39 गेंद में 63 रन की पारी

मुंबई, 17 नवंबर (भाषा) ।

युवा सलामी बल्लेबाज पृथ्वी साव ने प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में अर्धशतकीय पारी से साथ वापसी करते हुए सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी में रविवार को यहां मुंबई को असम के खिलाफ 83 रन की जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

बीसीसीआइ ने जुलाई में साव पर आठ महीने का प्रतिबंध लगाया था जो 16 मार्च 2019 से 15 नवंबर 2019 तक प्रभावी रहा। वह मार्च में खेली गई मुश्ताक अली ट्रॉफी के दौरान ही डोपिंग परीक्षण में नाकाम रहे थे।

रविवार को साव ने 39 गेंद में 63 रन बनाने के साथ आदित्य तारे (48 गेंद में 82 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 13.4 ओवर में 138 रन की साझेदारी कर बड़े स्कोर की नींव रखी। साव ने अपनी पारी में सात चौके और दो छक्के लगाए जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज तारे 12 चौके और एक छक्का लगया। सिद्धेश लाड ने आखिरी ओवरों में 14 गेंद में तीन छक्कों की मदद से नाबाद 32 रन बनाए जिससे मुंबई ने ग्रुप डी के इस मैच में पांच विकेट पर 206 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। असम के लेग स्पिनर रियान पराग (30 रन पर तीन विकेट) ने 14वें ओवर तारे और कप्तान सूर्यकुमार यादव को लगातार दो गेंदों पर चलता किया। बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी असम को खराब शुरुआत मिली और टीम कभी भी जीत दर्ज करने की ऐसी स्थिति में नहीं आ पाई। धवल कुलकर्णी (28 रन पर दो विकेट), शिवम दुबे (3 रन पर दो विकेट), शम्स मुलानी (15 रन पर दो विकेट), शार्दुल ठाकुर (23 रन पर एक विकेट) और श्रेयस अय्यर (28 रन पर एक विकेट) ने असम के बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। पराग असम के शीर्ष स्कोरर रहे उन्होंने 33 गेंद में 38 रन बनाए।

ग्रुप के एक अन्य मैच में पुदुचेरी ने बंगाल को चार विकेट से हराकर उलटफेर किया। सुरेश कुमार (17 रन पर चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी के सामने बंगाल की टीम सात विकेट पर 132 रन ही बना सकी।

निलंबन के बाद मैदान पर लौटे

पृथ्वी साव असम के खिलाफ गेंद को छह रन के लिए सीमा रेखा से बाहर भेजते हुए।

मेरा ध्यान सिर्फ रन बनाने पर, बाकी सब चयनकर्ताओं पर निर्भर : साव

निलंबन की सजा पूरी कर सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी में शानदार पारी के साथ वापसी करने वाले मुंबई के युवा खिलाड़ी पृथ्वी साव ने कहा कि अब उनका पूरा ध्यान बल्लेबाजी पर है जिससे कि वह भारतीय टीम में वापसी कर सके। डोपिंग परीक्षण में नाकाम रहने के बाद बीसीसीआइ ने जुलाई में साव पर आठ महीने का प्रतिबंध लगाया था जो 16 मार्च 2019 से 15 नवंबर 2019 तक प्रभावी रहा। साव ने कहा, अब मेरा पूरा ध्यान अधिक से रन बनाने और टीम के लिए मैच जीतने पर रहेगा। भारतीय टीम में वापसी के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मेरा ध्यान सिर्फ रन बनाने पर रहेगा। इस बारे में सोचना चयनकर्ताओं का काम है। मेरा काम रन बनाना और टीम को जीत दिलाना है। निलंबन के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि ऐसा कुछ होगा। जाहिर है मैं निराश था।

अफगानिस्तान ने किया हिसाब बराबर, जीती टी-20 श्रृंखला

लखनऊ, 17 नवंबर (भाषा) ।

सलामी बल्लेबाज रहमान उल्ला गुरबाज की तूफानी पारी के बाद सूझबूझ भरी गेंदबाजी की बदौलत अफगानिस्तान ने टी-20 श्रृंखला के तीसरे और निर्णायक मुकाबले में वेस्ट इंडीज को 29 रन से हराकर श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर ली।

लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में अफगानिस्तान ने लगातार दूसरी बार टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और मैन ऑफ द मैच गुरबाज की आतिशी पारी (52 गेंदों पर 79 रन) की मदद से 156 रन का स्कोर खड़ा किया। जवाब में वेस्ट इंडीज निर्धारित ओवरों में सात विकेट पर 127 रन ही बना सकी। वनडे श्रृंखला 0-3 से हारने के बाद अफगान टीम पहला टी-20 मैच भी हार गई थी, मगर उसने जोरदार वापसी करते हुए टी-20 श्रृंखला जीत ली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्ट इंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। श्रृंखला में अपना पहला मैच खेल रहे लेंडल सिमंस तीसरे ओवर में स्पिनर मुजीब उर्रहमान की गुगली पर बोल्ड हो गए। वह 11 गेंदों पर सिर्फ सात रन बना सके। स्कोर में अभी तीन ही रन जुड़े थे कि ब्रैंडन किग भी मात्र एक रन बनाकर मध्यम तेज गेंदबाज नवीन उल हक की एक नीची रहती गेंद पर बोल्ड हो गए। आठवें ओवर में पिछले मैच के हीरो करीम जनात ने लेविस (16) को पगबाधा आउट कर अपनी टीम को बड़ी कामयाबी दिलायी।

निर्णायक मुकाबले में वेस्ट इंडीज को 29 रन से हराकर श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर ली।
वनडे श्रृंखला 0-3 से हारने के बाद पहला टी-20 भी हार गई थी

तेजी से रन बनाने के दबाव में 13वें ओवर की दूसरी गेंद पर शिमरॉन हेटमेयर (11) अफगान कप्तान राशिद खान का शिकार बन गए। अब विडीज की उम्मीदें होप और कप्तान काइरन पोलार्ड पर लगी थीं।

कला कोलकाता में रविवार को ईडन गार्डन स्टेडियम की दीवार पर पेंटिंग करता छात्र। यहां 22 नवंबर से भारत और बांग्लादेश के बीच पहला दिन-रात्रि टैस्ट मैच खेला जाएगा।

पहले दिन-रात्रि टैस्ट के शुभंकर 'पिंकू-टिंकू' का अनावरण

कोलकाता, 17 नवंबर (भाषा) ।

भारत के पहले दिन-रात्रि टैस्ट की उलटी गिनती शुरू हो गई है और रविवार को यहां बीसीसीआइ अध्यक्ष सौरव गांगुली ने इस मैच के आधिकारिक शुभंकर 'पिंकू-टिंकू' को अनावरण किया। गांगुली ने ईडन गार्डंस पर मैच की टिकट और शुभंकर के साथ तस्वीरें खिंचवाईं।

ईडन गार्डंस पर इस मौके पर एक विशाल गुलाबी गुब्बारा भी उड़ाया गया जो भारत और बांग्लादेश के बीच एतिहासिक टैस्ट के अंत तक आसमान में लहराता दिखेता। शहर के महत्त्वपूर्ण स्थलों शाहिद मीनार, सबसे ऊंची इमारत '42' और कोलकाता नगर निगम के कुछ पार्क भी गुलाबी लाइटों से जगमगाएंगे। हुगली नदी में जगमगाती गुलाबी गेंद वाली नाव को भी देखा गया। यह मैच के दिन 22 नवंबर तक प्रत्येक शाम एतिहासिक हावड़ा ब्रिज और विद्यासागर सेतु के बीच चलेगी। टाटा स्टील बिल्डिंग की 20 नवंबर से 'थ्री डी मैपिंग' की जाएगी जबकि मिएजर्स क्लब पहले ही रात में गुलाबी रंग में जगमगा रहा है और अन्य कुछ इमारतों के भी ऐसा करने की उम्मीद है।

बंगाल क्रिकेट संघ ने बयान में कहा कि लोगों के बीच इस मैच को लेकर जागरूकता के लिए शहर में एक दर्जन होर्डिंग, छह एलईडी बोर्ड लगाने के अलावा सोमवार से ब्रांडेड बसें भी दिखेंगी।

टैस्ट को कायाकल्प की जरूरत : गांगुली

कोलकाता, 17 नवंबर (भाषा) ।

भारत में पहले दिन-रात्रि टैस्ट के आयोजन में अहम भूमिका निभाने वाले बीसीसीआइ अध्यक्ष सौरव गांगुली ने रविवार को कहा कि खेल के पारंपरिक प्रारूप में दिलचस्पी बढ़ाने के लिए 'कायाकल्प की आवश्यकता है'।

भारतीय टीम ने घरेलू मैदान पर इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टैस्ट श्रृंखला खेली थी जहां मैदान में दर्शकों की काफी कमी रही लेकिन शुक्रवार से शुरू होने वाले दिन रात्रि टैस्ट के पहले तीन दिनों के टिकट बिक चुके हैं। पिछले महीने बोर्ड अध्यक्ष बनने के बाद भारत में पहले दिन-रात्रि टैस्ट मैच का बीड़ा उठाने वाले गांगुली ने कहा, आगे बढ़ने का यही तरीका है, टैस्ट क्रिकेट को कायाकल्प की जरूरत है। पूर्व कप्तान ने कहा, यह दुनिया भर में हो रहा है। कहीं से इसे शुरू करना ही था। भारत क्रिकेट के मामले में सबसे बड़ा देश है। मुझे लगता है कि यह बदलाव जरूरी है। बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के अध्यक्ष के रूप में गांगुली ने भारत-पाकिस्तान टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच के 2016 में धर्मशाला से स्थानांतरित होने के बाद कम समय में सफलतापूर्वक आयोजन किया था। उन्होंने हालांकि कहा कि दिन रात्रि टैस्ट का आयोजन अधिक चुनौतीपूर्ण है। पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, हमारे पास दर्शकों को मैदान में लाने की चुनौती है। दुनिया के किसी भी कोने में भारत और पाकिस्तान के बीच खेले जाने वाले मैच का स्टेडियम खचाखच भर जाएगा। आप जैसे ही घोषणा करेंगे दर्शक पहुंच जाएंगे। उन्होंने कहा, यह (दिन रात्रि टैस्ट) अधिक चुनौतीपूर्ण है। मैं इस बात को लेकर संतुष्ट हूं की पहले तीन दिन के 65,000 टिकट बिक गए हैं।

सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर शमी, मयंक

दुबई, 17 नवंबर (भाषा) ।

बांग्लादेश के खिलाफ इंदौर में खेले गए पहले टैस्ट मैच में भारत की पारी और 130 रन की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल ने आइसीसी की नवीनतम रैंकिंग में रविवार को अपना सर्वश्रेष्ठ स्थान हासिल किया। इस बीच भारत ने आइसीसी विश्व टैस्ट चैंपियनशिप में शीर्ष पर अपनी बढ़त और मजबूत कर ली है। टीम के नाम अब 300 अंक है जबकि श्रीलंका और न्यूजीलैंड 60-60 अंके साथ दूसरे पायदान पर हैं।

इंदौर में बांग्लादेश के खिलाफ पहली पारी में 27 रन देकर तीन और दूसरी पारी में 31 रन देकर चार विकेट लेने वाले शमी आठ स्थान की सुधार करते हुए सातवें पयदान पर पहुंच गए। उनके नाम 790 रेटिंग अंक है जो किसी भारतीय तेज गेंदबाज के लिए टैस्ट में तीसरा सर्वश्रेष्ठ है। इस मामले में कपिल देव (877 अंक) और जसप्रीत बुमराह (832 अंक) क्रम से पहले और दूसरे स्थान पर हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ करिअर की सर्वश्रेष्ठ 243 रन की पारी खेल मैन ऑफ द मैच रहे 28 साल के मयंक बल्लेबाजों की रैंकिंग में 11वें स्थान पर हैं। करिअर के शुरुआती आठ टैस्ट में 858 रन बनाने वाले इस बल्लेबाज के नाम 691 रेटिंग अंक है।

शमी आठ स्थान का सुधार करते हुए सातवें पायदान पर पहुंचे
मयंक 11वें स्थान पर विराजमान हुए
भारत ने 300 अंक लेकर बढ़त मजबूत की

शुरुआती आठ टैस्ट में सिर्फ सात बल्लेबाजों ने मयंक से ज्यादा रन बनाए है जिसमें डॉन ब्रैडमैन (1210), एवर्टन वीक्स (968), सुनील गावसकर (938), मार्क टेलर (906), जॉर्ज हेडली (904), फ्रैंक वारेल (890) और हर्बर्ट सटक्लिफ (872) शामिल हैं। भारत के चार बल्लेबाज शीर्ष 10 में शामिल है जिनमें कप्तान विराट कोहली दूसरे, चेतेश्वर पुजारा चौथे, अजिंक्य रहाणे पांचवें और रोहित शर्मा 10वें नंबर पर शामिल हैं। हरफनमौला रविन्द्र जडेजा ने बल्लेबाजों की रैंकिंग में चार स्थान की सुधार के साथ संयुक्त रूप से 35वें स्थान पर पहुंच गए। तेज गेंदबाज इशांत शर्मा (20वां) और उमेश यादव (22वां) ने रैंकिंग में एक-एक स्थान का सुधार किया है। आफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन भी शीर्ष 10 में शामिल हैं जबकि वह हरफनमौल खिलाड़ियों में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। बांग्लादेश की ओर से 43 और 64 रन की पारी खेलने वाले मुशफिकुर रहीम पांच स्थानों की सुधार के साथ 30वें स्थान पर पहुंच गए। लिटन दास 92वें से 86वें पायदान पर पहुंच गए। गेंदबाजों में चार विकेट लेने वाले अबु जाएद 18 स्थानों की सुधार के साथ 62वें पायदान पर है।

टैस्ट करिअर की शानदार शुरुआत की है अग्रवाल ने | **दस्तक** | वेस्ट इंडीज के खिलाफ श्रृंखला के लिए टीम में बना सकते हैं जगह

आक्रामक बल्लेबाजी से वनडे के लिए भी दावा पेश किया मयंक ने

नई दिल्ली, 17 नवंबर (भाषा) ।

मयंक अग्रवाल की टैस्ट मैचों में आक्रामक बल्लेबाजी से उनके लिए सीमित ओवरों की टीम में चयन के दरवाजे खुल सकते हैं और यह सलामी बल्लेबाज वेस्ट इंडीज के खिलाफ अगले महीने होने वाली श्रृंखला के लिए टीम में जगह बना सकता है।

क्रिकेट पंडितों का मानना है कि वेस्ट इंडीज के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला में अगर उप कप्तान रोहित शर्मा को अगले साल के शुरू में होने वाले न्यूजीलैंड दौरे से पहले विश्राम दिया जाता है तो फिर अग्रवाल अच्छे विकल्प हो सकते हैं।

रोहित पिछले कुछ समय से लगातार खेल रहे हैं और उन्हें वेस्ट इंडीज में खेले गए दो टैस्ट मैचों में मौका नहीं मिला था लेकिन वह टीम में शामिल थे।

केवल आठ टैस्ट मैचों में दो दोहरे शतक सहित तीन सैकड़े जड़ चुके हैं अभी तक
लिस्ट ए में 50 से अधिक औसत और 100 से ज्यादा स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं तथा 13 शतक ठोके हैं।

भारतीय उप कप्तान न्यूजीलैंड दौरे के लिए तीनों प्रारूपों में टीम का अहम हिस्सा होगा। इस दौरे में भारत को पांच टी-20 अंतरराष्ट्रीय, तीन वनडे और दो टैस्ट मैच खेलने हैं। वेस्ट इंडीज के खिलाफ सीमित ओवरों के मैचों में अग्रवाल एक विकल्प हो सकते हैं जिन्होंने लिस्ट ए में अब तक 50 से अधिक औसत और 100 से ज्यादा स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं तथा 13 शतक ठोके हैं। शिखर धवन की लंबे समय से चली आ रही खराब फार्म तथा केएल राहुल के अलावा एक अन्य विकल्प तैयार रखने की जरूरत से भी अग्रवाल के पक्ष में मामला बन सकता है। अग्रवाल को विश्व कप के दौरान आखिरी मैचों के लिए चोटिल विजय शंकर की जगह टीम में लिया गया था। उन्हें टूर्नामेंट में खेलने का मौका नहीं मिला लेकिन इससे यह संकेत मिले कि कर्नाटक का यह बल्लेबाज अपने आक्रामक खेल के कारण सीमित ओवरों की योजना में शामिल है।

कई का मानना है कि भारत में 2023 में होने वाले विश्व कप को ध्यान में रखते हुए अग्रवाल लंबी अवधि का विकल्प हो सकता है क्योंकि हो सकता है कि लगातार खराब फार्म से जूझ रहे धवन तब टीम में न हों।

पूर्व क्रिकेटर और क्रिकेट विश्लेषक दीप दासगुप्ता को अग्रवाल को छोटे प्रारूप में आजमाने में कुछ गलत नजर नहीं आता और वेस्ट इंडीज के खिलाफ श्रृंखला इसके लिए उचित मंच हो सकता है। दासगुप्ता ने कहा, यह अच्छा होगा अगर भारतीय टीम प्रबंधन के दिमाग में सलामी बल्लेबाज के विकल्प के तौर पर मयंक का नाम है। असल में वह सफेद गेंद का नैसर्गिक खिलाड़ी हैं जिसने बहुत अच्छी तरह से अपने खेल को लाल गेंद की क्रिकेट के अनुकूल ढाला है। उन्होंने कहा, अगर आप मयंक पर गौर करो तो उनकी प्रतिभा पर कभी सवाल नहीं उठा। उनके पास तमाम तरह के शाट हैं। पूर्व में वह शुरू में तेजी से रन बनाने के बाद विकेट गंवा देता था लेकिन अब ऐसा नहीं है। अग्रवाल ने अपने टैस्ट करिअर की शानदार शुरुआत की है तथा केवल आठ टैस्ट मैचों में उनके नाम पर दो दोहरे शतक दर्ज हो चुके हैं।

रजिस्ट्रेशन नं. डी.एल.-21047/03-05, आरएनआई नं. 42819/83, वर्ष 37, अंक 1, *हवाई शुल्क:* इंफल-पांच रुपए, गुवाहाटी-चार रुपए, रायपुर-दो रुपए और पटना-एक रुपए।
दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के लिए आर. सी. मल्होत्रा द्वारा ए-8, सेक्टर 7, नोएडा- 201301, जिला गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित और मेजनीन फ्लोर, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित। फोनः (0120) 2470700/2470740, ई-मेलः edit.jansatta@expressindia.com, फैक्सः (0120) 2470753, 2470754, **बोर्ड अध्यक्षः विवेक गोयनका, कार्यकारी संपादकः मुकेश भारद्वाज***, *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेवार। कापीराइटः दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड। सर्वाधिकार सुरक्षित। लिखित अनुमति लिए बगैर प्रकाशित सामग्री या उसके किसी अंश का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता।